* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

05 अक्टूबर, 2023
आश्विन, शुक्ल पक्ष, सप्तमी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
गुरुवार, वर्ष 08, अंक 345

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

बावेंडी, ब्रुस और एलेक्सी को केमिस्ट्री का नोबेलः इन्हें क्वांटम डॉट्स की खोज और इसके डेवलपमेंट के लिए ये सम्मान मिला है।

सीएम ने मेदिनीनगर में राज्य के सातवें मेधा डेयरी प्लांट का किया शुभारंभ

कृषि एवं वन उपजों को बाजार उपलब्ध करायेंगे : हेमंत सोरेन

- मुख्यमंत्री ने पशुपालकों के लिए दूध पर तीन रुपये प्रति लीटर की दर से प्रोत्साहन राशि के रूप में 21.90 करोड़ रुपये का सौंपा चेक

जयकांत/रामप्रकाश

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि किसान आगे बढ़ेगा, तभी राज्य और देश भी आगे बढ़ेगा। इस संकल्प के साथ किसानों-पशुपालकों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री बुधवार को पलामू में राज्य का सातवां अत्याधुनिक डेयरी प्लांट के शुभारंभ मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह डेयरी यहां के किसानों-पशुपालकों के जीवन में बदलाव लाने में वरदान साबित होगी। उन्होंने कहा कि कृषि और वन उपजों के दृष्टिकोण से झारखंड काफी समृद्ध है। ऐसे में यहां के वन उपजों को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में सिदो कान्हू कृषि एवं वनोपज फेडरेशन का गठन किया गया है। इसके जरिये कृषि और वन उपज को बाजार भी उपलब्ध कराया जायेगा तथा इसका एमएसपी भी तय होगा।

किसानों के लिए एमएसपी भी तय होगा

किसान अपने पैरों पर खड़े हो सकें

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान अपने पैरों पर खड़े हो सकें। इनकी आमदनी में इजाफा हो। ये बेहतर तरीके से जीवन यापन कर सकें। इसके लिए सरकार कई योजनाएं चला रही है। आप सरकार की योजनाओं से जुड़ कर इसका लाभ लें। आप एक कदम आगे बढ़ेंगे, तो सरकार आपको चार कदम आगे बढ़ कर सहयोग करेगी।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ रही चुनौतियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा किसान प्रभावित हो रहे हैं। कहीं बाढ़ आ रही है, तो कहीं सुखाड़ की स्थिति पैदा हो रही है। इस वजह से फसल उत्पादन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में वैकल्पिक खेती और इससे जुड़े अन्य कार्यों की दिशा में आगे आना होगा। इसके लिए सरकार की योजनाओं से आप जुड़ें।

बिरसा हरित ग्राम योजना का लाभ लें

हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार ने बिरसा हरित ग्राम योजना शुरू की है। किसान इस योजना से जुड़ें और अपनी जमीन में विभिन्न प्रकार के फलदार पेड़ लगायें। इसके लिए सरकार आपको पेड़ लगाने के साथ पेड़ बचाने के लिए भी आर्थिक मदद कर रही है।

पशुधन को दे रहे हैं बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड जैसे राज्य में किसानों के लिए पशु काफी मायने रखते हैं। ऐसे में किसानों को पशुधन से समृद्ध करने के लिए सरकार ने मुख्यमंत्री पशुधन योजना शुरू की है। इसके तहत 90 प्रतिशत सब्सिडी पर किसानों- पशुपालकों को पशु दिये जा रहे हैं। इतना ही नहीं, पशु शेड के लिए भी सरकार आर्थिक मदद कर रही है। इस योजना का मकसद किसानों को पशुपालन से जोड़ कर उनकी आय को बढ़ाना है।

दूध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड को दूध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने किसानों-पशुपालकों को कहा कि सरकार डेयरी प्लांट खोल सकती है, लेकिन इसे चलाने का जिम्मा आपका है। आप जितना ज्यादा दूध इस प्लांट को उपलब्ध करायेंगे, उतना ही ज्यादा दुग्ध और दुग्ध उत्पाद यहां तैयार होंगे। इससे ना सिर्फ यह डेयरी प्लांट मजबूत होगा, बल्कि आपकी भी आमदनी बढ़ेगी। उन्होंने कहा की जरूरत पड़ी तो यहां और भी डेयरी प्लांट स्थापित किये जायेंगे।

दूध पर 3 रुपये प्रति लीटर दी जा रही प्रोत्साहन राशि

राज्य सरकार के द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पशुपालकों को दूध पर तीन रुपये प्रति लीटर की दर से प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इसी के तहत किसानों-पशुपालकों के लिए प्रोत्साहन राशि के रूप में 21 करोड़ 90 लाख रुपये का चेक सरकार के द्वारा मेधा डेयरी के एमडी को सौंपा। पलामू का मेधा डेयरी प्लांट राज्य का सातवां डेयरी प्लांट है। इस अत्याधुनिक डेयरी प्लांट से लगभग 25 हजार किसानों-पशुपालकों को सीधा फायदा होगा। इस मौके पर मंत्री रामेश्वर उरांव और बादल, विधायक रामचंद्र सिंह सहित अधिकारीगण मौजूद थे।

कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो का निधन

- मांडर के लिवंस हॉस्पिटल में ली अंतिम सांस
- मसीही समुदाय समेत पूरे राज्य में शोक की लहर

आजाद सिपाही संवाददाता

धर्मगुरु कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो जी के निधन का अत्यंत दुःखद समाचार मिला। कार्डिनल तेलेस्फोर जी लोगों की सेवा करते हुए उनके हक-अधिकारों के लिए हमेशा सजग रहते थे। प्रभु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल लोगों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे।
-हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री

रांची। पहले आदिवासी कार्डिनल और रांची महाधर्मप्रांत के बिशप तेलेस्फोर पी टोप्पो का निधन हो गया। उन्होंने बुधवार को मांडर स्थित लिवंस हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। कार्डिनल का इलाज कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि कार्डिनल की हृदय गति कम होने लगी थी और लगभग शून्य तक पहुंच गयी थी। उन्हें अस्पताल के आइसीयू में जीवन रक्षक उपकरणों पर रखा गया था, लेकिन उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ और अंततः बुधवार को तीसरे पहर करीब पौने चार बजे उनका निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। कार्डिनल के निधन से मसीही समुदाय समेत पूरे झारखंड राज्य में शोक की लहर दौड़ गयी है।

जानकारी के अनुसार, नामकुम के राजाउलातू स्थित संत अन्ना धर्मसमाज के अस्पताल और रिसर्च सेंटर के परिसर में बने वृद्धाश्रम में रह रहे कार्डिनल टोप्पो को सांस लेने में शिकायत के बाद मांडर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मंगलवार को उनकी तबीयत बिगड़ने लगी थी और उनके शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। उनके फेफड़ों में पानी भर गयी था। बुधवार को सुबह उनकी स्थिति थोड़ी देर के लिए सुधरी थी, लेकिन अचानक वह दोबारा बिगड़ने लगी। डॉक्टरों के अथक प्रयास के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

रांची के सहायक बिशप थियोडोर मैस्करेनहास ने बताया कि हमारे कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो परम पिता के पास लौट गये हैं। उन्होंने कहा कि छोटानागपुर चर्च के विकास में कार्डिनल टोप्पो के अपार योगदान के लिए रांची आर्चडायसिस, धार्मिक और मंडली हमेशा उनका आभारी रहेगा। उन्होंने बिशप की देखभाल करने वाले अस्पताल के कर्मचारियों को भी धन्यवाद दिया है।

न्यूज रील्स

उज्ज्वला लाभार्थियों को 300 रुपये की सब्सिडी

नयी दिल्ली। सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए सब्सिडी राशि 200 रुपये से बढ़ा कर 300 रुपये प्रति एलपीजी सिलेंडर कर दी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट के फैसलों पर एक ब्रीफिंग के दौरान यह जानकारी दी।

लैंड फॉर जॉब्स केस में लालू परिवार को जमानत

पटना। लैंड फॉर जॉब्स मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से लालू परिवार को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट से मामले में लालू, तेजस्वी, राबड़ी देवी को जमानत मिल गयी है। अब 16 अक्टूबर को इस मामले में सुनवाई होगी। इस दिन से मामले में सुनवाई शुरू की जायेगी।

न्यूजक्लिक फाउंडर और एचआर हेड रिमांड पर

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को न्यूजक्लिक वेबसाइट के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया था। उन्हें बुधवार को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। न्यूजक्लिक पर विदेशी फंडिंग लेने का आरोप है।

रणबीर कपूर को ईडी का समन, 6 को बुलाया

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर को ईडी ने बुधवार को समन भेजा है। एजेंसी ने उन्हें 6 अक्टूबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप के पांच हजार करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में रणबीर का नाम आया है। केस के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर की शादी में वे शामिल हुए थे। आरोप है कि रणबीर समेत कई सेलेब्स को इसके लिए हवाला से पैसे दिये गये थे।

गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति का मनभावन पंडाल श्रद्धालुओं की सुरक्षा का खास ख्याल

राजधानी रांची के मोराबादी स्थित अंतू चौक मुख्य मार्ग पर 1977 से आकर्षक पूजा का आयोजन गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति करता आ रहा है। दुर्गा पूजा और पंडाल निर्माण की शुरूआत क्लब के संस्थापक सदस्यों, अध्यक्ष, पदाधिकारियों के साथ यजमान द्वारा भूमि पूजन के साथ प्रारंभ हुआ। गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति इस वर्ष शहर वासियों एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों के लिए इको फ्रेंडली पंडाल बना रहा है। जिसमें बेहद ही आकर्षक रूप से लाइटिंग और नैनाभीराम मां का दरबार होगा। पश्चिम बंगाल से आए कारीगरों द्वारा पूजा पंडाल का निर्माण हो रहा है और पूजा पंडाल में लगने वाले आकर्षक लाइट इसमें चार चांद लगायेगा। इस पंडाल में मां दुर्गा के अलावा अन्य भगवान की प्रतिमा बेहद संजीदगी के साथ आए श्रद्धालुओं के बीच आकर्षक का केंद्र बिंदू रहेगा। क्लब के अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं सभी सदस्य पंडाल निर्माण से लेकर मां के विसर्जन शोभायात्रा तक अपने अथक प्रयास से शहर वासियों को आकर्षक और भव्य पूजा का आयोजन के लिए कृत संकल्पित हैं।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मोराबादी में अंतू चौक के पास दुर्गा पूजा की तैयारी हो रही है

गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति इस वर्ष शहर वासियों एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों को इको फ्रेंडली पंडाल प्रस्तुत करने जा रहा है। बता दें कि इस बार भी बेहद ही आकर्षक रूप से पूजा पंडाल की सजावट होगी जो मनोरम लाइटिंग से सुसज्जित होगा। मां के दरबार को नैनाभीराम बनाने की तैयारी चल रही है।

पश्चिम बंगाल के कारीगर करेंगे पूजा पंडाल का निर्माण

पश्चिम बंगाल के कारीगर करेंगे पूजा पंडाल का निर्माण होना है और पूजा पंडाल में लगने वाली आकर्षक लाइट बेहद ही खास तरीके से लगाई जानी है। इस पंडाल मां दुर्गा और मां दुर्गा के दरवार में स्थापित प्रतिमाओं के अलावा अन्य भगवान की प्रतिमा बेहद ही खूबसूरत तरीके से सजाई जायेगी जो श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित करेगी।

क्लब के पदाधिकारियों की देख रेख में चल रहा कार्य

क्लब के अध्यक्ष पदाधिकारी सहित सभी सदस्य पंडाल निर्माण से लेकर मां के विसर्जन शोभायात्रा तक अपने अथक प्रयास से शहर वासियों को आकर्षक और भव्य पूजा का आयोजन के लिए कृत संकल्पित हैं।

सुरक्षा का रहेगा खास प्रबंध, सजग सदस्य

पूजा पंडाल से लेकर उसके आसपास के क्षेत्रों में पूजा के दौरान आए श्रद्धालु और दर्शनार्थियों के सुरक्षा की विशेष व्यवस्था समिति द्वारा की जा रही है। जिसमें सीसीटीवी कैमरा विशेष तौर पर रखा गया है। साथ ही सभी सदस्य हमेशा तत्पर रहेंगे।

गीतांजलि क्लब में दिखेगा पेड़-पौधो की लतर से बना इको फ्रेंडली पूजा पंडाल

गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा पंडाल इस बार भव्य व दर्शनीय होगा। गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि इस बार दुर्गा पूजा का कुल बजट 21 लाख रुपये का है। इस बार दुर्गा पूजा पंडाल पूरी तरह से ईको फ्रेंडली बनाया जा रहा है। विभिन्न प्रकार के पेड़, पौधे व सब्जियों के लत्तर से पूजा पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। पंडाल के निर्माण में करेला, नेनुआ, कद्दू आदि के लत्तर का उपयोग किया जाएगा। वहीं इस बार जनजातीय कल्याण शोध संस्थान के मोड़ से लेकर दिव्यायन चौक तक लाइट की बढ़िया व्यवस्था होगी। दुर्गा पूजा पंडाल के निर्माण से लेकर पूजा के आयोजन व व्यवस्था में देवांशु मेवाड़, सुरजीत सरकार, विनोद गोप, संजय सोनी, मुन्ना सिंह, राजेश गुप्ता, मिलन दास, प्रमोद गुप्ता, राजकिशोर प्रसाद, सुनील प्रसाद, मनोज खत्री, संजू शर्मा, राजू पांडेय, प्रभात पांडेय, दोलन पाल, विनोद प्रसाद, पंकज, किशोर, सुंदर, मेजर, मंटू, मोना, पिंटू आदि विशेष सहयोग में लगे हुए हैं।

पूजा समिति अध्यक्ष का कहना है कि हम सभी सदस्य भूमि पूजन के साथ मां के आराधना के लिए बेहद ही तत्परता के साथ लग चुके हैं और हमारी ओर से कोशिश होगी कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी शहर वासियों को गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति एक बढ़ियां एहसास करायेगी।

गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति, अध्यक्ष -मनोज कुमार गुप्ता

सर्राफा
सोना (बिक्री) 53,800 रु./10 ग्राम
चांदी 71,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 05 अक्टूबर, 2023
www.azadsipahi.in

बिहार में जातीय जनगणना : भाजपा के लिए परीक्षा, तो आइएनडीआइए के लिए अवसर और चुनौती दोनों

■ क्या अब रोहिणी अस्त्र का इस्तेमाल करेगी भाजपा

■ कैसे जेपी के अनुयायी लालू-नीतीश ने संपूर्ण क्रांति के दीये में पानी डाल दिया

जब से बिहार में जाति सर्वेक्षण की रिपोर्ट आयी है, राज्य ही नहीं पूरे देश की सियासत में भूचाल सा आ गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष अपने-अपने तरीके से विश्लेषण कर रहा है। जाति के आंकड़ों के फायदे गिनाये जा रहे हैं। कोई इसमें जल्दबाजी, तो कोई सियासी गणित बता रहा है। लोगों को एक बार फिर मंडल कमीशन का दौर याद आने लगा है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या बिहार के जातिगत सर्वेक्षण से 2024 लोकसभा चुनाव पर भी असर पड़ेगा। वैसे, बिहार के जातिगत सर्वेक्षण से यह पता नहीं चलता है कि 2024 का नतीजा क्या होगा और राजनीतिक गठबंधन कैसे बनेंगे और बदलेंगे। बिहार के सत्तारूढ़ गठबंधन ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन के लिए भी यह भाजपा के सामाजिक गठजोड़ को हिलाने और उसे तोड़ने का अवसर है। उत्तर और मध्य भारत में हाशिये पर पड़े लोगों को एकजुट कर भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले एक दशक में जबरदस्त सामाजिक समीकरण तैयार किया है। भाजपा के लिए यह एक परीक्षा की घड़ी है, शायद उसके शासनकाल की सबसे बड़ी परीक्षा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा सामाजिक अंतर्विरोधों का मैनेजमेंट करने में सफल रहती है या नहीं। वैसे, भाजपा विविधता को तवज्जो देते हुए हिंदुओं की एकता के सहारे राजनीति करती आयी है। समावेशी हिंदुत्व उसके सियासी प्रोजेक्ट का बड़ा मिशन है। क्या होगा भाजपा का अगला कदम, क्या भाजपा रोहिणी ब्रह्मास्त्र का सहारा लेगी, कैसे जेपी के अनुयायियों ने बिहार में जातीय गणना करा कर उनकी संपूर्ण क्रांति को नुकसान पहुंचाया है बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

संपूर्ण क्रांति का सपना देखने वाले लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने 1974 में छात्र आंदोलन का नेतृत्व करते हुए कहा था कि संपूर्ण क्रांति में सात क्रांतियां समाहित हैं- राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, शैक्षणिक और आध्यात्मिक। इन सातों क्रांतियों से ही संपूर्ण क्रांति होगी। बलिया के गांव सिताब दियारा में जेपी के आह्वान पर लगभग 10 हजार लोगों ने जनेऊ तोड़ कर यह संकल्प लिया था कि वे जाति प्रथा को अब नहीं मानेंगे। जेपी के इसी आह्वान से प्रेरित होकर कई नेताओं ने जातिसूचक सरनेम तब हटा दिये थे। उनमें लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, शिवानंद तिवारी जैसे नेता आज भी हैं। पर जेपी के इन अनुयायियों ने जाति की बिहार में गणना करा कर बिहार में सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। भाजपा चुप है, तो गैर-भाजपा दल फूल कर कुप्पा हुए जा रहे हैं कि बहुत बड़ी कामयाबी उन्होंने हासिल कर ली है। सोशल मीडिया पर छोटे-बड़े तमाम लोग इसे लेकर दो खेमों में बंट गये हैं। कोई इतरा रहा है, तो कुछ अपनी जाति की कम संख्या पर छितरा रहे हैं।

राजनीतिक पार्टियों के लिए अवसर और चुनौती

वैसे तो दोनों पक्षों के लिए जातिगत गणना के आंकड़ों ने अवसर और चुनौतियां पैदा की हैं। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष जातिगत जनगणना की मांग कैसे उठाता है। कुछ हफ्ते पहले ही ओबीसी आरक्षण को सब-कैटेगरी में बांटने से संबंधित रोहिणी आयोग की रिपोर्ट आयी है। भाजपा सरकार को इस पर फैसला लेना है। यह विभिन्न सामाजिक समूहों के लिए राजनीतिक संदेश, जमीनी पहुंच, भाजपा और आइएनडीआइए गठबंधन दोनों पर निर्भर करेगा कि वे इस कैलकुलस को केमिस्ट्री में कैसे बदलते हैं। जब तक ऐसा नहीं होता है, तब तक यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह एक नया मंडल मोमेंट है और उसका उसी तरह का नाटकीय और बड़ा असर होगा, जैसा बीपी मंडल आयोग की सिफारिशों के लागू होने का भारतीय राजनीति पर हुआ था। वैसे भी यह साल 2023 है, 1989-90 का दौर नहीं। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि बिहार जातिगत सर्वेक्षण के नतीजों का सार्वजनिक होना राष्ट्रीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण है। इसके महत्व को समझने के लिए जरूरी है यह जानना कि भारत यहां तक कैसे पहुंचा, दोनों राष्ट्रीय दलों का राजनीतिक कैलकुलस क्या कहता है और बिहार के क्षेत्रीय दलों की उम्मीदें क्या हैं।

कांग्रेस और उसके समीकरण

देश में सियासी और सामाजिक गठबंधन लगातार बदलते रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से देखें, तो पहले कांग्रेस उत्तर भारत में उच्च जातियों, मुस्लिम और दलितों के गठजोड़ पर निर्भर रहती थी। भारतीय जनसंघ और बाद में बनी भाजपा ने कांग्रेस से उच्च जाति के वोट तोड़ने की कोशिश की, लेकिन पहले पांच दशकों में भारतीय संसदीय राजनीति में इसका प्रभाव या कहें उत्थान सीमित था, क्योंकि वह अपने एक दायरे से बाहर नहीं निकली। उधर, पिछड़ा वर्ग पहले आर्थिक रूप से, फिर राजनीतिक रूप से चर्चा के केंद्र में आया। ऐसे में सियासी लिहाज से एक बड़ी खाई दिखी, जिसे भरने की जरूरत थी। इसे 'सामाजिक न्याय' की बातें करनेवाली पार्टियों- चाहे वीपी सिंह का जनता दल हो या बिहार-यूपी में जनता दल के विभिन्न रूप, ने भरने की कोशिश की। एक बार जब ओबीसी भारतीय राजनीति में एकजुट हुए और अपनी राजनीतिक मुखरता को उन मुसलमानों के साथ जोड़ लिया, जिन्हें सुरक्षा और प्रतिनिधित्व की जरूरत थी, तो 1990 के दशक के आखिर और नयी सदी के पहले दशक के दौरान नये सियासी समीकरण गढ़े गये। इस अवधि में कांग्रेस ने फैसला किया कि उसका भविष्य उच्च जाति-मुस्लिम-दलित गठबंधन पर वापस जाने में है, या फिर वह यूपी और बिहार जैसे राज्यों में सामाजिक न्याय का झंडा बुलंद करने वाली उन पार्टियों के साथ अस्थायी गठबंधन करे, जिन्होंने उसकी सियासी जमीन खींच ली। उसी समय अगड़ी जातियां भाजपा के साथ जाने लगीं और मुसलमान क्षेत्रीय दलों के सपोर्ट में खड़े हो गये और दलितों ने नये दलित समीकरणों को चुना। कांग्रेस के लिए कोई समीकरण प्रभावी नहीं रहा। इससे पता चलता है कि कांग्रेस यूपी और बिहार में करीब चार दशकों से सत्ता में क्यों नहीं लौटी।

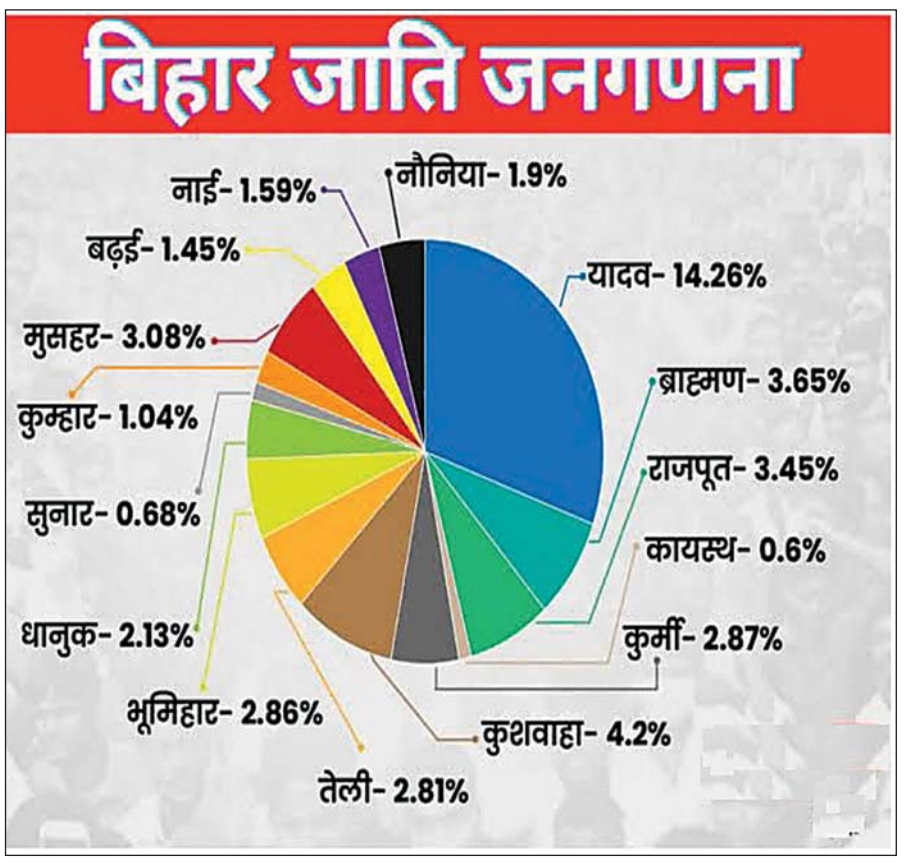

दलितों को साधना चाहती है कांग्रेस

कांग्रेस ऐतिहासिक रूप से भारत में उच्च जातियों की पार्टी रही है। यहां तक कि जब उसने सामाजिक सुधार को गले लगाया या दूसरे समूहों के लिए प्रतिनिधित्व बढ़ाया, तो भी बिहार और यूपी की उच्च जातियों को अलग नहीं किया। हालांकि राहुल गांधी ने एक निर्णायक बदलाव किया है। ऐसा लग रहा है कि उन्होंने गणना की है कि उच्च जातियां भाजपा के साथ रहेंगी। उनका मानना है कि कांग्रेस को ब्राह्मणों के दबदबे वाली पार्टी की इमेज से निकल कर ओबीसी समेत दूसरे सामाजिक समूहों की तरफ बढ़ना होगा। इन हिंदू जातियों से पार्टी दूर ही रही है। मल्लिकार्जुन खरगे को पार्टी अध्यक्ष और संभावित पीएम चेहरे के रूप में आगे बढ़ा कर कांग्रेस की सोच है कि वह अपने पुराने दलित वोट को वापस पा सकती है। अब जातिगत सर्वेक्षण का समर्थन करने के साथ बताया जा रहा है कि उसके कई मुख्यमंत्री ओबीसी हैं। ऐसा कर कांग्रेस एक ऐसे समूह को संदेश दे रही है, जिसे उसने कभी ठीक तरह से नहीं लुभाया। क्या यह सच मायने में पिछड़े वर्गों और दलितों में अपना बेस बढ़ा पायेगी और क्या प्रमुख जातियों के समर्थन के बगैर यह काफी होगा, यह भविष्य बतायेगा।

नीतीश और उनका अति पिछड़ा कार्ड

नीतीश कुमार की जदयू ने अति-पिछड़ों के बीच अपने आधार को बनाये रखने के लिए संघर्ष किया है, क्योंकि भाजपा इस समुदाय के काफी करीब पहुंच चुकी है। जातिगत जनगणना से यह भी पता चला कि ओबीसी अब भी एक व्यापक समूह है, जिसके पास पर्याप्त प्रतिनिधित्व और ताकत नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भाजपा के सामने एक चुनौती तो पैदा हो गयी है। इससे निपटने के लिए उसके पास कई विकल्प भी हैं।

मोदी-शाह युग

मोदी-शाह युग आने से पहले तक भाजपा भी संघर्ष करती रही थी। उसने 1980 और 1990 के दशक में पार्टी के विस्तार के लिए हिंदुत्व के साथ ओबीसी समीकरण को साधा। कल्याण सिंह, उमा भारती और विनय कटियार (सभी ओबीसी) ने तत्कालीन पार्टी महासचिव गोविंदाचार्य के मार्गदर्शन में राम जन्मभूमि आंदोलन को धार दी, तो अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा में उच्च जातियों को साध कर इस आंदोलन के बाद हिंदुत्व गठबंधन को विस्तार देने में विफल रहीं। हालांकि, मोदी और शाह अलग तरह के समाजशास्त्री साबित हुए। उन्होंने समझा कि मंडल युग ने खुद विरोधाभास पैदा कर दिये थे। कुछ जातियों को लाभ हुआ, जबकि पिछड़ों के भीतर भी बहुत बड़ी संख्या में लोग अलग-थलग छोड़ दिये गये। 2014 से भाजपा ने अपना नया समीकरण सेट किया है। इसमें उसने उच्च जातियों को रखा, जो राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और विकास के एजेंडे पर खुद को भाजपाई मानते रहे हैं और अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। दूसरे नंबर पर अत्यधिक पिछड़े लोगों को साधा गया, जो पार्टी के जरिये अपने लिए आगे बढ़ने का अवसर देखते हैं। इसमें एक व्यापक राजनीतिक और धार्मिक गठजोड़ सेट किया गया, केवल उपजातियां नहीं। तीसरा महत्वपूर्ण तबका गरीब दलित समुदायों का रहा, जिन्हें आरक्षण या राजनीतिक ताकत से लाभ नहीं मिला और उन्हें एक व्यापक हिंदू पहचान का हिस्सा महसूस कराने वाले अवसर उपलब्ध कराने की कोशिश की गयी। इस माइक्रो कास्ट-पॉलिटिकल इंजीनियरिंग के साथ-साथ एंटी-मुस्लिम नैरेटिव ने भाजपा को इस गठबंधन को बनाये रखने में मदद की। उत्तर भारत में कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दलों ने बीते नौ वर्षों में 'नयी भाजपा' को शिकस्त देने के लिए काफी संघर्ष किया है। उनके पास मुस्लिम वोट तो है, लेकिन संदेश स्पष्ट है कि उनका वोट व्यर्थ है, जब तक कि और ज्यादा हिंदू वोट नहीं मिलते। राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का मानना है कि उन्हें जातिगत जनगणना में अपना जवाब मिल गया है और हिंदू वोट बैंक के भीतर पुराने फॉर्मूले पर लौटने की बारी है। हालांकि यह तस्वीर इतनी भी आसान नहीं है।

भाजपा के पास रोहिणी ब्रह्मास्त्र

भाजपा का पहला लक्ष्य होगा कि बिहार और यूपी जैसे राज्यों में अपने 60 फीसदी गठबंधन (अगड़ी जातियों, अति पिछड़े और सबसे गरीब दलितों को लेकर-यादव, मुसलमान और कुछ सशक्त अंबेडकरवादी दलितों को गणना से बाहर रखते हुए) को बनाये रखे। यह 60 फीसदी तभी संभव है, जब उच्च जातियां, अति पिछड़ों का बहुमत और सबसे गरीब दलितों का बहुमत पार्टी को वोट देता रहे। भाजपा अपने व्यापक सामाजिक आधार को बनाये रखने के लिए बेहद अलर्ट है। उसके पास हर हाल में अपनी कल्याणकारी अपील का उपयोग करने का विकल्प है कि भाजपा के मॉडल ने जाति की बजाय गरीब समुदायों के वर्ग को प्रभावित किया है। लेकिन इसे पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। भाजपा रोहिणी आयोग की सिफारिशों को लागू करने का फैसला कर सकती है। हालांकि इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना की मांग जोर पकड़ सकती है। जानकारों की मानें तो आरक्षण में जिस हिस्सेदारी की उम्मीद में बिहार में जाति सर्वेक्षण कराया गया और अब देश भर में इसकी मांग उठने लगी है, उसका लाभ शायद ही किसी को उम्मीद के मुताबिक मिल पाये। केंद्र सरकार के पास रोहिणी आयोग की सिफारिश ब्रह्मास्त्र के रूप में मौजूद है। रोहिणी आयोग की रिपोर्ट अगर लागू हुई, तो 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण अब चार हिस्सों में बंट जायेगा।

क्या चार हिस्सों में बंटेगा 27 प्रतिशत आरक्षण

अब सवाल उठने लगा है कि क्या केंद्र सरकार जस्टिस रोहिणी आयोग की सिफारिश के आलोक में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को चार हिस्सों में बांट देने से संबधित अधिसूचना जल्द ही जारी करेगी। क्या वह अधिसूचना एनडीए के लिए चुनावी ब्रह्मास्त्र साबित होगी। ऐसे संकेत तो मिल रहे हैं कि यह काम जल्द ही हो सकता है। रोहिणी न्यायिक आयोग की सिफारिश राष्ट्रपति तक पहुंच चुकी है। राजनीतिक प्रेक्षकों के अनुसार इस आरक्षण वर्गीकरण का चुनावी लाभ एनडीए को मिलेगा। नरेंद्र मोदी सरकार ने साल 2017 में जस्टिस जी रोहिणी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय आयोग का गठन किया था। आयोग को इस बात का पता लगाना था कि 27 प्रतिशत मंडल आरक्षण का लाभ सभी पिछड़ी जातियों को समरूप ढंग से मिल रहा है या नहीं। जांच के बाद आयोग ने यह पाया कि केंद्रीय सूची में शामिल 2633 पिछड़ी जातियों में से करीब एक हजार जातियों को आज तक मंडल आरक्षण का कोई लाभ नहीं मिला। आरक्षण का अधिक लाभ मजबूत पिछड़ी जातियों को ही मिलता रहा है। वैसे भी 27 में से कुल मिला कर सिर्फ 19 प्रतिशत सीटें ही अभी भर पाती हैं। पता चला है कि आयोग ने मंडल आरक्षण के तहत निर्धारित 27 प्रतिशत आरक्षण को चार भागों में बांट देने की सिफारिश केंद्र सरकार से की है।

97 मजबूत पिछड़ी जातियों को 10 प्रतिशत आरक्षण लाभ

जानकारों की मानें, तो यदि रोहिणी आयोग की सिफारिश केंद्र सरकार ने मान ली, तो केंद्र की सूची में शामिल 97 मजबूत पिछड़ी जातियों को 27 प्रतिशत आरक्षण में से सिर्फ 10 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। 1674 जातियों को दो प्रतिशत, 534 जातियों को छह प्रतिशत और 328 जातियों को नौ प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। याद रहे कि आरक्षण का अधिक लाभ अब तक मजबूत पिछड़ी जातियों को ही मिलता रहा है। आयोग ने संभवतः इस तरह वर्गीकरण की सिफारिश की है। प्रथम श्रेणी में केंद्र की सूची में शामिल 97 मजबूत पिछड़ी जातियों को अब 27 में 10 प्रतिशत आरक्षण मिले। दूसरी श्रेणी में 1674 जातियों को दो प्रतिशत मिले। तीसरी श्रेणी में 534 जातियों को छह प्रतिशत मिले और चौथी श्रेणी में 328 जातियों को नौ प्रतिशत आरक्षण मिले।

कमलनाथ की बहू प्रियानाथ लड़ सकती हैं चुनाव

बीजेपी ने छिंदवाड़ा की सात विधानसभा सीटों में से छह पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिये हैं। वहीं, कांग्रेस ने अभी तक छिंदवाड़ा की किसी भी सीट पर प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। इन सभी के बीच छिंदवाड़ा सीट को लेकर कई तरह की अटकलें शुरू हो गयी हैं। हाई प्रोफाइल सीट समझी जाने वाली छिंदवाड़ा विधानसभा से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का चुनाव लड़ना लगभग तय माना जा रहा है। स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में कमलनाथ के नाम पर मुहर लग चुकी है। जबकि पहले इस सीट पर सांसद नकुलनाथ की पत्नी और कमलनाथ की बहू प्रियानाथ के लड़ने की चर्चा चल रही थी। ऐसे में अब यह चर्चा चल रही है कि प्रियानाथ सौसर से चुनाव लड़ सकती हैं। दरअसल, सौसर, चौरई और छिंदवाड़ा जिले की तीनों विधानसभा सीट अनारक्षित है। ऐसे में सौसर से वर्तमान विधायक विजय चौरे की जगह प्रियानाथ को उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

एमपी चुनावों में मतदाताओं की पहली पसंद नये उम्मीदवार रहे हैं

मध्यप्रदेश की बात करें तो पिछले तीन विधानसभा चुनावों के परिणामों में साफ दिखता है कि प्रदेश के मतदाताओं की पहली पसंद पुराने नेताओं के बजाय एक या दो चुनाव लड़े नेता ही होते हैं। 2008, 2013 एवं 2018 के विजयी उम्मीदवारों का विश्लेषण देखें तो उनमें 65% नेताओं ने पहला या दूसरा चुनाव लड़ा था। 2008 में विधानसभा पहुंचने वाले नये चेहरों में भाजपा के 103, कांग्रेस के 39 एवं अन्य पार्टियों के 15 विधायक शामिल थे। 2013 में भाजपा के 107, कांग्रेस के 45 और अन्य पार्टियों के सात विधायक नये थे।

2018 में 72.8% नये चेहरे सफल

2018 में भी यह ट्रेंड जारी रहा। भाजपा के 57, कांग्रेस 83 एवं अन्य दलों के छह नेता पहला या दूसरा चुनाव लड़ कर विधानसभा में पहुंचे थे। 2018 के चुनावों में कांग्रेस के टिकट पर पहला या दूसरा चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के जीतने का प्रतिशत 72.8% था, जबकि भाजपा के विधायकों में यह 52.3% था।

रोचक जानकारी

2013 में अन्य दलों से सात उम्मीदवार जीते थे, जो पहली बार चुनाव लड़ थे। भाजपा-कांग्रेस के अलावा नये चेहरों के जीतने का प्रतिशत 100% था। 2013 में कांग्रेस को प्रदेश में 58 स्थानों पर विजय हासिल हुई। इनमें प्रथम और द्वितीय बार के विजयी उम्मीदवारों की संख्या 45 थी यानी 77.8%। 2018 में कांग्रेस को 114 सीटें प्राप्त हुई थीं, उनमें पहला और दूसरा चुनाव लड़े नेताओं की संख्या 83 थी, जो 72.8% रही थी। 2018 में भाजपा को 109 स्थानों पर जीत हासिल हुई थी। उनमें पहला और दूसरा चुनाव लड़ने वाले नेताओं की संख्या 57 थी, जो 52.3% थी।

चुनाव लड़ने को लेकर सीएम शिवराज ने जनता से मांगी राय

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान उम्मीदवार के तौर पर मैदान में नजर आयेंगे या नहीं, यह एक बड़ा सवाल है। इसके जवाब का इंतजार प्रदेश की पूरी जनता को है, लेकिन इससे पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान खुद इस सवाल का जवाब तलाश रहे हैं।

बुधनी विधानसभा के एक गांव में कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंच से जनता से पूछा कि आप बताइये चुनाव लड़ूं या नहीं लड़ूं, इस पर जनता ने जवाब दिया हां। कार्यक्रम के बाद जब पत्रकारों ने सीएम शिवराज सिंह चौहान से चुनाव लड़ने को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि जब आप चुनाव लड़ते हैं, तो जनता की राय बहुत जरूरी होती है, और अब जब जनता ने कह दिया है तो जरूर चुनाव लड़ूंगा।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	24.8 °C	22.6 °C
सूर्यास्त (आज)	:	17.35 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.42 बजे

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 05 अक्टूबर, 2023
www.azadsipahi.in

निलंबित डीसी छवि रंजन को जमानत देने से हाइकोर्ट का इनकार

कोर्ट ने कहा-जांच नहीं है अधूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची । लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की डिफॉल्ट बेल पर अपना फैसला सुना दिया है। अदालत ने उन्हें बेल देने से इंकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा है कि लैंड स्कैम में जांच अधूरी नहीं है। हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई। दरअसल जेल में बंद सस्पेंड हो चुके डीसी छवि रंजन ने रांची प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट कोर्ट के आदेश को हाइकोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने हाइकोर्ट में गुहार लगायी है कि उन्हें डिफॉल्ट बेल दी जाये। इससे पहले सस्पेंड हो चुके डीसी छवि रंजन ने निचली अदालत में 167 की याचिका दाखिल की थी। 167 सीआरपीसी की धारा है, जिसमें पुलिस और एजेंसी को चार्जशीट दाखिल करने के लिए समय निर्धारित किया गया है। इस याचिका को निचली अदालत ने खारिज कर दिया था।

जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़ा है मामला

रांची के बड़गाईं अंचल के बरियातू स्थित सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद बिक्री से जुड़े इस केस में इडी रांची के पूर्व उपायुक्त आइएएस छवि रंजन, चर्चित कारोबारी विष्णु अग्रवाल,बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल और दिलीप घोष के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

लैंड स्कैम: अमित अग्रवाल की जमानत याचिका पर 11 को होगी सुनवाई

रांची । लैंड स्कैम के आरोपी अमित अग्रवाल की जमानत याचिका पर हाइकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान इडी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने अमित अग्रवाल की बेल पर अगली सुनवाई के लिए 11 अक्टूबर की तिथि निर्धारित की है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रत्नाकर भेंगरा की कोर्ट में अमित की याचिका पर सुनवाई हुई।

इन लोगों को इडी ने बनाया है आरोपी :
रांची के बड़गाईं अंचल के बरियातू स्थित सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद बिक्री से जुड़े इस केस में इडी रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, चर्चित कारोबारी विष्णु अग्रवाल, बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान और मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल और दिलीप घोष के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

लैंड स्कैम: भानू प्रताप को जमानत देने से इडी कोर्ट का इनकार

रांची। लैंड स्कैम के आरोपी और बड़गाईं अंचल के निलंबित राजस्व कर्मचारी भानू प्रताप की जमानत याचिका पर रांची प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की स्पेशल कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। अदालत ने भानू को बेल देने से इंकार करते हुए उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी है। इससे पहले अदालत ने सभी पक्षों को सुनने के बाद भानू की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। भानू को इडी ने इसी वर्ष अप्रैल महीने में गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने भानू को राजधानी के बरियातू स्थित सेना की जमीन घोटाला और चेशायर होम रोड की भूमि की फर्जी दस्तावेज के सहारे खरीद-बिक्री में मामले में संलिप्त बताते हुए गिरफ्तार किया था। इस केस में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन, बड़े व्यवसायी विष्णु अग्रवाल समेत कई लोगों को इडी गिरफ्तार कर चुकी है।

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को इडी ने किया गिरफ्तार

इडी ने शराब घोटाला मामले में मारी थी घर पर रेड

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को इडी ने गिरफ्तार कर लिया है। संजय सिंह के आवास पर इडी की छापेमारी बुधवार सुबह से ही शुरू थी। शराब घोटाले में इडी की पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया है। शराब घोटाले मामले में पहले से ही दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल में बंद हैं। पहले इसी मामले में आप नेता के कई करीबियों के परिसरों की तलाशी ली गयी थी। संजय सिंह के यहां छापेमारी की खबर सामने आने के बाद सियासत भी शुरू हो गयी है। भाजपा ने एक बयान में कहा कि पार्टी पहले से कह रही थी कि शराब घोटाला करके आप ने जनता को लूटा है। वहीं, आप ने कहा कि यह तो पता ही था कि केंद्र सरकार ऐसा करेगी। केंद्र सरकार हर उस व्यक्ति को परेशान करने की कोशिश करती है, जो उसके काले चिट्ठे को सामने लाता है।

बता दें कि दिल्ली शराब नीति अनियमितता मामले की जांच कर रही दोनों एजेंसियां सीबीआइ और

इडी अब तक 15 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी हैं। इसमें मनीष सिसोदिया, विजय नायर, समीर महेंद्रू, अरुण रामचंद्रन, राजेश जोशी, गोरंतला बुचिबाबू, अमित अरोड़ा, बेनॉय बाबू (फ्रांसीसी शराब कंपनी पर्नोड रिकार्ड के महाप्रबंधक), पी सरथ चंद्र रेड्डी, अरबिंदो फार्मा के पूर्णकालिक निदेशक और प्रमोटर, व्यवसायी अमनदीप धाल और व्यवसायी अभिषेक बोइनपल्ली शामिल हैं। शराब नीति घोटाले में संजय सिंह का नाम पहली बार दिसंबर 2022 में सामने आया था। तब इडी ने आरोपपत्र में कारोबारी दिनेश अरोड़ा के बयान के हिस्से के रूप में आप नेता के नाम का उल्लेख किया था। एजेंसी ने दावा किया कि दिनेश अरोड़ा ने उन्हें बताया कि वह शुरू में संजय सिंह से मिले थे, जिनके जरिए वह बाद में एक रेस्तरां में एक पार्टी के दौरान मनीष सिसोदिया से मिले। आरोप पत्र में कहा गया कि संजय सिंह के कहने पर दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी फंड इकट्ठा करने के लिए सिसोदिया को पैसे देने की व्यवस्था की थी। इस साल मई में इडी ने संजय सिंह के करीबी सहयोगियों के परिसरों की तलाशी ली थी और उन्होंने आरोप लगाया था कि इडी ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले के संबंध में उनके दो सहयोगियों अजीत त्यागी और सर्वेश मिश्रा के घरों पर छापेमारी की। इससे पहले मई में संजय सिंह ने वित्त सचिव टीवी सोमनाथन को एक पत्र लिखा। उस पत्र में आप नेता ने कहा था कि इडी निदेशक और सहायक निदेशक ने जानबूझ कर बिना किसी आधार के कथित शराब घोटाले से उनका नाम जोड़ा, उनकी सार्वजनिक छवि खराब की और उन्हें बदनाम किया।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष महत्वपूर्ण काम पूरा होगा,आर्थिक समस्याओं का समाधान,व्यापार वृद्धि।

वृष संकल्पित काम पूरे होंगे,भौतिक सुख-सुविधा बढ़ेगी,उद्योग-धंधे में सफलता।

मिथुन रुके हुए काम पूरे होंगे, निर्माण कार्य में प्रगति, धनलाभ के अवसर बनेंगे।

कर्क नये लोगों से सम्पर्क,शुभ समाचार मिलेगा, गृह-भूमि-वाहन का सुख।

सिंह सामयिक-सामाजिक विकास,शत्रुओं पर विजय मिलेगा, मानसिक शक्तियों में वृद्धि।

कन्या धनागम के अवसर बढ़ेंगे, अवसरों का फायदा उठावें, परिवार में मांगलिक कार्य होगा।

तुला कर्मक्षेत्र में परिश्रम-संघर्ष अधिक करना पड़ेगा,आर्थिक परेशानी दूर होगी।

वृश्चिक नवीन व्यापारिक योजना सफल, नौकरी में पदोन्नति होने का संभावना बन रहा है।

धनु निराशा दूर होगी, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास, बिगड़े कार्य बनेंगे।

मकर थोड़े परिश्रम से ही अभीष्ट कार्य सिद्ध होंगे,वाहन सुख,यात्रा सुखद।

कुंभ अत्यस्थित दिनचर्या,किसी प्रकार की कोई नवीन समस्या आ सकता है परंतु आप अपनी सूझ-बूझ से सुलझा लेंगे।

मीन घरेलू आवश्यकताओं पर अधिक व्यय करना पड़ेगा, मानसिक चिंता बढ़ेगी।

सीएम के अधिवक्ता ने इडी के असिस्टेंट डायरेक्टर देवव्रत झा को लिखा पत्र, कहा-

सीएम के समन का मामला हाइकोर्ट में विचारणीय है, कोर्ट का निर्णय आने तक न करें कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सीएम हेमंत सोरेन को समन जारी कर इडी के रांची स्थित जनरल कार्यालय में बुलाये जाने के मामले में सीएम के अधिवक्ता ने इडी के असिस्टेंट डायरेक्टर देवव्रत झा को 4 अक्टूबर को पत्र लिखा है। इसमें 25 सितंबर को इडी द्वारा सीएम की उपस्थिति को लेकर जारी समन का हवाला दिया गया है। पत्र में कहा गया है कि सीएम हेमंत सोरेन ने समन के खिलाफ हाइकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की है। इस याचिका की त्रुटि हटा ली गयी है। हाइकोर्ट की अनुमति से अब मामले की सुनवाई होगी। क्योंकि यह मामला अभी कोर्ट में विचारणीय है। इसलिए जब तक इस मामले को कोर्ट डिसाइड नहीं कर देता है तब तक इडी द्वारा सीएम को जारी समन पर कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी, ऐसी उम्मीद की जा रही है। सीएम के अधिवक्ता द्वारा पत्र में यह भी कहा गया है कि सीएम कानून का पालन करनेवाले भारत के एक जिम्मेदार नागरिक हैं, वह कोर्ट के आदेश का अनुपालन करेंगे। यहां यह बता दें कि इडी ने समन जारी कर सीएम हेमंत सोरेन को 4 अक्टूबर को इडी के जोनल कार्यालय रांची में उपस्थित होने को कहा था।

सीएम ने इडी के समन के आधार पर उन पर कार्रवाई रोकने का हाइकोर्ट से किया है आग्रह

सीएम हेमंत सोरेन ने हाइकोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा है कि इडी एवं इसके अधिकारी या कर्मी को समन के आधार पर उन पर कार्रवाई से रोका जाये। याचिका में सीएम ने इडी द्वारा जारी समन को गलत, अवैध एवं कानून के विरुद्ध बताया है। साथ ही इडी को आगे भी समन जारी करने से रोक लगाने का अभी आग्रह किया है। सीएम ने इडी पर चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने की साजिश करने सहित पीएमएलए 2002 की धारा 50 और 63 की वैधता को चुनौती दी है। कहा है कि ये दोनों धाराएं प्रार्थी हेमंत सोरेन के संवैधानिक अधिकार का हनन करती हैं। पीएमएलए की धारा 50 के तहत इडी को पुलिस अधिकारी जैसा पावर होता है, इडी पुलिस अधिकारी नहीं होते हैं। आइपीसी के तहत किसी मामले की जांच के दौरान जांच एजेंसी के समक्ष दिये गये बयान की मान्यता कोर्ट में नहीं है, लेकिन पीएमएलए एक्ट की धारा 50 के तहत जांच के दौरान एजेंसी के दिये गये बयान की कोर्ट में मान्यता है। इडी को मिली शक्तियों के तहत बयान दर्ज कराने के दौरान किसी को गिरफ्तार करने का अधिकार इडी के पास है। याचिका में सीएम का कहना है कि पीएमएलए में किया गया प्रावधान संविधान द्वारा दिये गये मौलिक अधिकार का हनन करता है।

जनता का विश्वास हासिल करना पुलिस का सबसे बड़ा कार्य: आलमगीर आलम

18वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि जनता का विश्वास हासिल करना पुलिस का सबसे बड़ा कार्य है। पुलिस बल निष्ठा के साथ समाज की बेहतरी के लिए कार्य करें। श्री आलम बुधवार को रांची के डोरंडा स्थित जैप-1 में 18वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट के उद्घाटन के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि पुलिस जान की बाजी लगा कर कार्य करती है। सारी दुनिया में पहला स्थान पुलिस का होता है। क्योंकि, विधि व्यवस्था हो या अन्य कोई भी काम सबसे पहले लोग पुलिस के पास न्याय, रक्षा के उद्देश्य से जाते हैं। पुलिस के सामने हमेशा चुनौती है, लेकिन उनका सामना डट कर करना होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से पुलिस की दक्षता बढ़ती है। डीजीपी अजय कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस ड्यूटी मीट से पुलिसकर्मियों के अनुसंधान में निखार आता है। वैज्ञानिक अनुसंधान की बारीकियों के बारे में विस्तार से ड्यूटी मीट में जानकारी दी जाती है। समय के साथ-साथ अपराध के तरीकों में बदलाव हो रहा है। साइबर क्राइम

गांव से लेकर शहर तक फैल गया है। साइबर अपराधियों से कैसे बचा जाये, इसके लिए और बेहतर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 से अबतक 780 साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही 30 लाख रुपये बरामद किया गया है। लोगों को न्याय दिलाना और कानून की रक्षा करना ही पुलिस का दायित्व है। डीजी सीआइडी अनुराग गुप्ता ने कहा कि साइबर क्राइम, अपराध नियंत्रण, महिलाओं की सुरक्षा सहित अन्य विषयों पर भी दिन-रात पुलिस अधिकारी काम कर रहे हैं। आने वाले समय में हमें किसी अपराधी के प्रोफाइल के लिए छापेमारी करने और उसके पीछे भागने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि एक बटन दबाते ही अपराधी का पूरा प्रोफाइल सामने होगा। सीआइडी एसपी एस कार्तिक ने बताया कि अपराध अनुसंधान विभाग (सीआइडी) की ओर से पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन किया गया है। आयोजन चार अक्टूबर से सात अक्टूबर तक चलेगा। इसमें विधि विज्ञान, लिफ्टिंग, पैकिंग एवं प्रदर्शन का अग्रसारण, मेडिको लीगल परीक्षा, फोटोग्राफी, क्राइम इन्वेस्टीगेशन रूल्स एंड कोर्ट जजमेंट, अंगुलांक विकास एवं मौखिक परीक्षा, पुलिस पोट्रेट, पुलिस आब्जर्वेशन, कंप्यूटर साक्षरता और श्वान दस्ता से संबंधित परीक्षा ली जायेगी। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले को ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट में भेजा जायेगा। सीआइडी आइजी असीम विक्रांत मिंज ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर राज्य पुलिस के सभी वरीय अधिकारी मौजूद थे।

ढाई सौ इंजेक्शन की कालाबाजारी की पुष्टि

रेमडेसिविर मामले में पूरक चार्जशीट

- साईकृपा मेडिकल एंड सर्जिकल स्टोर का लाइसेंस रद्द
- एसआइटी ने जांच पूरी की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कोरोना कॉल में जीवन रक्षक इंजेक्शन रेमडेसिविर की कालाबाजारी का एक मामला

कोतवाली थाना में दर्ज हुआ था। इस मामले के अनुसंधान के लिए सरकार की ओर से उस समय के सीआइडी के एडीजीपी अब होमगार्ड के डीजी अनिल पालटा की अगुवाई में एसआइटी का गठन किया गया था। विशेष जांच दल ने 4 अक्टूबर को एक पूरक चार्जशीट न्यायालय में सुपुर्द की है। जिसमें पुनित प्रजापति, आशीष गुप्ता, अनिश कुमार सिन्हा, अंजू कुमारी और अब मृत कविलाश चौधरी के विरुद्ध पूरक चार्जशीट न्यायालय में सुपुर्द कर दी है। इस पूरे मामले में आइपीएस अधिकारी अनिल पालटा ने बारीकी से अनुसंधान कर रिपोर्ट जमा करवायी थी। इसके पहले आरोपी राजीव कुमार, मनीष कुमार के खिलाफ चार्जशीट हो चुकी है। कोतवाली थाना में गौरव कुमार सिंह ने मामला दर्ज करवाया था। विशेष जांच दल की रिपोर्ट पर डोरंडा स्थित साईंकृपा मेडिकल एंड सर्जिकल स्टोर का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। यह दुकान सृष्टि अस्पताल के प्रांगण में है। वहीं रिम्स के दो कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी की जा रही है।

पहले आदिवासी कार्डिनल थे बिशप तेलेस्फोर पी टोप्पो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कार्डिनल तेलेस्फोर प्लासिडस टोप्पो मसीही समुदाय की सर्वोच्च संस्था वेटिकन के पहले आदिवासी कार्डिनल थे। उनका जन्म 15 अक्तूबर, 1939 को गुमला जिला के चैनपुर के सुदूरवर्ती झाड़गांव में हुआ था।

उनके पिता एंब्रोस टोप्पो और माता सोफिया खलखो थीं। वह 10 भाई-बहन थे। कार्डिनल पी टोप्पो भाई-बहनों में आठवें नंबर पर थे। कार्डिनल टोप्पो बहुभाषी थे। वह सादरी, उरांव, हिंदी, अंग्रेजी और इतालवी बोलते थे।

बेल्जियम के पुरोहित के जीवन से प्रेरित होकर उन्होंने संत अल्बर्ट सेमिनरी में दाखिला लिया। संत जेवियर कॉलेज रांची से अंग्रेजी में स्नातक की डिग्री हासिल की और फिर रांची विश्वविद्यालय से इतिहास में एमए की पढ़ाई पूरी की। इस दौरान उन्होंन धर्मशास्त्र की पढ़ाई संत अल्बर्ट कॉलेज रांची में जारी रखी। धर्मशास्त्र की पढ़ाई करने के लिए उन्हें पोनटिफिकल अर्बन यूनिवर्सिटी रोम भेजा गया। आठ मई 1969 को बिशप फ्रांसिसकुस द्वारा स्विट्जरलैंड के बसेल में उनका पुरोहिताभिषेक किया गया और वे एक युवा पुरोहित के रूप में भारत वापस लौटे। इसके बाद वह तोरपा के संत जोसेफ स्कूल में बतौर शिक्षक नियुक्त किये गये। इसके साथ ही उन्हें स्कूल का कार्यवाहक प्राचार्य भी बनाया गया। सन 1976 में उन्होंने लीवंस बुलाहट केंद्र तोरपा की स्थापना की और इसके पहले अन्वेषक एवं निर्देशक बने। इसके बाद महाधर्माध्यक्ष पीयूष केरकेट्टा एसजे आर्चबिशप हाउस रांची के सेक्रेटरी बनाये गये। आठ जून 1978 को तेलेस्फोर पी टोप्पो को दुमका के बिशप के रूप में नियुक्त किया गया और उन्होंने 'प्रभु का मार्ग तैयार करो' को अपना आदर्श वाक्य चुना। वह 1984 तक दुमका के बिशप रहे। इसके बाद वह रांची के आर्चबिशप बन गये। 21 अक्टूबर 2003 को संत पिता के धर्माध्यक्ष तेलेस्फोर पी टोप्पो को कॉलेज ऑफ कार्डिनल में शामिल किया गया। कैथोलिक कलिसिया के ऐसे सम्मानीय पद से नवाजे जाने वाले वह प्रथम और पूरी एशिया के पहले आदिवासी बिशप थे। जनवरी 2004 में उन्हें दो साल के लिए कैथोलिक बिशप्स कांफ्रेंस ऑफ इंडिया (सीसीबीआइ) का अध्यक्ष चुना गया।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चर्च कार्यालयों में कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो द्वारा संभाले गये अन्य पदों में झारखंड बिशप और मेजर सुपीरियर फोरम के अध्यक्ष, क्षेत्रीय बिशप परिषद के अध्यक्ष और धर्मशास्त्र संकाय, रांची के चांसलर, फोकोलेरे मूवमेंट के बिशप फ्रेंड्स के सदस्य शामिल हैं। इसके अलावा वह संस्कृति के लिए परमधर्मपीठीय परिषद के सदस्य, अंतर धार्मिक संवाद के लिए परमधर्मपीठीय परिषद के सदस्य, वित्त सतर्कता आयोग के सदस्य भी रहे।

टोप्पो को 21 अक्टूबर 2003 को पोप जॉन पॉल द्वितीय द्वारा कार्डिनल-पुजारी बनाया गया था, जिसे सैक्रो कुओर डी गेसू एगोनिजेंट ए विटिनिया का नाममात्र चर्च दिया गया था। वह एशिया के पहले आदिवासी कार्डिनल और भारत के तीसरे कार्डिनल थे। कार्डिनल की उपाधि ग्रहण करने के मौके पर उन्होंने कहा था कि यह भारत में जनजातीय चर्च के लिए विशिष्टता का प्रतीक और इसके विकास की मान्यता है। वह 2005 के पोप कॉनक्लेव में निर्वाचक थे, जिसमें जोसेफ रतजिंगर को पोप बेनेडिक्ट 16वें के रूप में चुना गया था। 2008 में बिशपों की धर्मसभा में उन्होंने विश्वव्यापी प्रयासों का समर्थन किया, लेकिन सच्चाई को कमजोर करने के खिलाफ चेतावनी दी और ईस्टर के उत्सव के लिए एक सामान्य तिथि पर सहमति का आह्वान किया। 2012 में न्यू इवेंजेलाइजेशन पर धर्मसभा में उन्होंने धार्मिक आदेशों से मिशनरी कार्यों के लिए खुद को नये सिरे से प्रतिबद्ध करने का आह्वान किया। वह उन कार्डिनल निर्वाचकों में से एक थे, जिन्होंने 2013 के पोप कॉनक्लेव में भाग लिया था, जिसमें पोप फ्रांसिस का चयन किया गया था।

रांची और भारत के कैथोलिक इसाइयों के लिए उन्होंने बड़ी धार्मिक जिम्मेदारी निभायी। सिर्फ धार्मिक ही नहीं, सामाजिक मुद्दों पर भी उन्होंने प्रखरता से बात रखी। झारखंड तथा आदिवासियों के लिए उनके विचार उनके प्रवचनों में झलकते रहे हैं। 24 जून 2018 को वह सेवानिवृत्त हो गये। इसके बाद वह नामकुम के राजाउलातू स्थित संत अन्ना धर्मसमाज के अस्पताल और रिसर्च सेंटर के परिसर में ही स्थित ओल्ड एज होम में रहने लगे।

कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो के निधन पर बाबूलाल मरांडी ने जताया शोक

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कार्डिनल तेलस्फोर पी टोप्पो के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। श्री मरांडी ने कहा कि टोप्पो एशिया के पहले आदिवासी कार्डिनल बने थे। मरांडी ने स्व टोप्पो की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। बता दें कि कार्डिनल ने मांडर के लिंक्स हॉस्पिटल के आइसीयू में बुधवार को अंतिम सांस ली।

पीआइएल खारिज, प्रार्थी पर एक लाख जुर्माना

रांची। हजारीबाग में एनटीपीसी के लिए हुए भूमि अधिग्रहण के दौरान कथित रूप से हुए तीन हजार करोड़ के भूमि-मुआवजा घोटाला की जांच के लिए दायर याचिका हाइकोर्ट ने खारिज कर दी है। साथ ही अदालत ने इस केस के याचिकाकर्ता मंटू सोनी पर एक लाख का जुर्माना भी लगाया है। सुनवाई के दौरान अदालत में एनटीपीसी की ओर से उपस्थित वरीय अधिवक्ता अजित कुमार ने कोर्ट को बताया कि मंटू सोनी पर आपराधिक मामले दर्ज हैं और उसकी जानकारी छिपा कर उन्होंने यह याचिका दाखिल की है।

AFFIDAVIT

I DUKA ORAON, S/O LATE LAKHIYA ORAON, R/O VILL-PS- NAMKUM, DIST-RANCHI, JHARKHAND VIDE AFFIDAVIT NO.19 DATED 14/09/2023 DECLARED THAT DUKA ORAON & ARJUN ORAON IS SAME AND ONE PERSON WHICH IS MY NAME FROM NOW ON WARDS I WILL BE KNOWN AS DUKA ORAON FOR ALL PURPOSE

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 05 अक्टूबर, 2023
www.azadsipahi.in

आंगनबाड़ी सेविकाओं का राजभवन के सामने धरना

आजाद सिपाही संवाददाता

जेएसएससी परीक्षा में आरक्षण की मांग

रांची। आंगनबाड़ी सेविका सहायिका संघ के बैनर तले राज्यभर की आंगनबाड़ी सेविकाएं बुधवार को राजभवन के समक्ष एक दिवसीय धरने पर बैठीं। प्रदर्शन पर बैठी सेविकाओं की मांग है कि उनके 10 सालों के अनुभव के आधार पर उन्हें जेएसएससी की परीक्षा में आरक्षण मिले। इससे पहले आंगनबाड़ी सेविकाएं मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकली थीं, लेकिन उन्हें पता चला कि सीएम मेधा डेयरी प्लांट के उद्घाटन को लेकर पलामू दौरे पर हैं। ऐसे में सभी महिलाएं राजभवन के सामने ही धरने पर बैठ गयीं।

काम के आधार पर नहीं मिल रहा वेतन

संघ की प्रदेश अध्यक्ष सीता ने कहा कि आंगनबाड़ी सेविकाएं सरकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका गांव-गांव जाकर लोगों का वोटर कार्ड बनाने का काम करती हैं, लेकिन काम के आधार पर वेतन नहीं मिल रहा है। सरकार अपना वादा पूरा नहीं कर रही है।

प्रोजेक्ट भवन घेरने निकले थे 24 जिलों के कर्मी

पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के कर्मियों को पुलिस ने रोका

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर प्रोजेक्ट भवन घेरने निकले थे, लेकिन पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया । 24 जिलों से आये कर्मी बैरिकेडिंग तोड़ कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस बार-बार उन्हें रोकने का प्रयास कर रही थी। बता दें कि संघ के घेराव को लेकर रांची पुलिस ने मंगलवार रात से ही प्रोजेक्ट भवन के 200 मीटर के दायरे में धारा 144 लगा दी थी। इसके बावजूद संघ के कर्मचारी प्रोजेक्ट भवन घेराव करने पहुंचे।

सरकार को वार्ता करनी होगी: चंद्रदीप

संघ के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप ने कहा कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक आंदोलन और धरना प्रदर्शन करते रहेंगे। 90 दिन क्या, हम 900 दिन भी हड़ताल करने के लिए तैयार हैं। सरकार को हमसे वार्ता करनी होगी। उन्होंने कहा कि पिछले 90 दिनों से संघ के कर्मचारी राजभवन के समक्ष धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। सभी पिछले चार सालों से वेतनमान और मानदेय बढ़ोत्तरी को लेकर बार-बार सरकार से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी एक नहीं सुन रही है।

ये हैं संघ की पांच सूत्री मांगें

मुख्यमंत्री 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से वार्ता करें।
स्वयं सेवकों की सेवा स्थायी की जाये।
नियमित मानदेय लागू किया जाये।
स्वयं सेवकों का समायोजन किया जाये।
संघ का नाम बदल कर पंचायत सहायक किया जाये।

सीएम की फोटो उतारे जाने से आक्रोशित

झामुमो छात्र मोर्चा ने किया वीसी का घेराव

आजाद सिपाही संवाददाता

कहा- यह हमारे राज्य का अपमान है, साथ ही साथ राज्यवासियों का भी अपमान

रांची। झारखंड छात्र मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने 1 अक्टूबर को राज्यपाल के कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री की फोटो उतारे जाने के खिलाफ रांची विश्वविद्यालय के कुलपति का घेराव किया। मोर्चा के अमन तिवारी ने कुलपति से कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जो हम युवाओं के चहेते मुख्यमंत्री के साथ-साथ इस राज्य के सर्वोच्च इलेक्टेड बॉडी भी हैं। उनकी फोटो उतारे जाने से छात्र मोर्चा आक्रोशित है।

छात्र नेता असद फेराज टिंकू ने कहा कि यह हमारे राज्य का अपमान है, साथ ही साथ राज्यवासियों का भी अपमान है। इस पर कुलपति ने कहा कि मेरे कुलपति बनने के बाद मैंने ही राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री की फोटो 1 दिसंबर 2022 को लगवायी थी। अतः मैं खुद ही आहत महसूस कर रहा हूं। साथ ही साथ कुलपति ने कहा कि जैसे ही मुझे पता चला 30 मिनट के अंदर मैंने फोटो सम्मान के साथ लगवायी। इस विश्वविद्यालय का कैंपस राज्य सरकार का है। इस मौके पर जेसीएम के मो इरफान, अमन ठाकुर, राहुल मुंडा, अतिकुर रहमान, आशुतोष ठाकुर, भास्कर महतो, बीरबल प्रजापति, मेराज, सनोज ठाकुर सहित कई अन्य छात्र मौजूद थे।

लोक सेवा समिति ने सामाजिक लोगों को शांति सम्मान दिया

स्वतंत्रता सेनानी शहीद नादिर अली खान और जय मंगल पांडेय का शहादत दिवस मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लोक सेवा समिति ने बुधवार को शहीद चौक स्थित शहीद स्थल पर 1857 की स्वतंत्रता क्रांति के नायक शहीद जय मंगल पांडेय और नादिर अली खान का शहादत दिवस मनाया। इस अवसर पर शहर के चार लोगों को इन दोनों के नाम पर दिया जाने वाला शांति सम्मान से सम्मानित किया गया। शहीद स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में दोनों स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और देश के लिए इनके द्वारा दिये गये योगदान की चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोक सेवा समिति के सचिव शिक्षाविद डॉ हरमिंदर सिंह वीर और संचालन अध्यक्ष मो नौशाद ने किया। रेव. कार्डिनल, महिला कॉलेज की प्रोफेसर डॉ सीमा प्रसाद, वरिष्ठ पत्रकार अजय कुकरेती, अधिवक्ता प्रणव कुमार बब्बू और मो जफीर खान को शांति सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर अली बिन नौशाद, मकसूद आलम आदि मौजूद थे।

एक्सपो उत्सव 2023 का हुआ भूमि पूजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेसीआइ रांची ने बुधवार को मोराबादी मैदान में भूमि पूजन कर एक्सपो उत्सव 2023 की नींव रखी। भूमि पूजन जेसीआइ रांची के अध्यक्ष अरविंद राजगढ़िया ने सहपत्नी ऋचा राजगढ़िया के साथ मिलकर किया। इस भूमि पूजन के बाद मोराबादी मैदान में टेंट, हैंगर एवं स्टॉल निर्माण का कार्य आरंभ हो गया है। इस बार यह एक्सपो 12 से 16 अक्टूबर के बीच मोराबादी मैदान में लग रहा है। इसमें तीन सौ से अधिक स्टॉल धारक अपना स्टॉल लगा रहे हैं, जो रांची वासियों के लिए एक नये अनुभव का केंद्र होगा। इस बार टेंट हैंगर और स्टाल्स में काफी कुछ नया देखने को मिलेगा। अध्यक्ष अरविंद राजगढ़िया ने कहा कि इस वर्ष हम लोग बच्चों के लिए एम्यूजमेंट पार्क, फनगोला एवं मिडनाइट कार्निवल लेकर आ रहे हैं। सचिव तरुण अग्रवाल ने कहा कि इस वर्ष एक्सपो में हर दिन अलग-अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। इसमें हर वर्ग के लोग हिस्सा ले सकते हैं। इसके साथ ही इस बार एक्सपो में लोगों को एंटरप्रेन्योरशिप पर मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा के द्वारा ट्रेनिंग कराया जायेगा। एक्सपो उत्सव 2023 के मुख्य संयोजक संजय जैन एवं सहसंयोजक प्रतीक जैन, सनी केडिया व राहुल टिबड़ेवाल हैं। भूमि पूजन कार्यक्रम के संयोजक नवीन गाड़ोदिया थे। पूजन में बिना अग्रवाल, अमिता केडिया, सचिव तरुण अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अभिषेक केडिया, विजय पटेल, आनंद धानुका, नारायण मुरारका, अभिनव मंत्री, राकेश जैन व सदस्य सुशील केडिया, विनय मंत्री, पीयूष केडिया, रोबिन गुप्ता, निखिल अग्रवाल, देवेश जैन, रवि आनंद, अंकित अग्रवाल, आदित्य जालान, रौनक जैन व अन्य लोग मौजूद थे। यह जानकारी एक्सपो मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ चौधरी एवं जेसीआइ रांची के प्रवक्ता प्रवीण अग्रवाल ने दिया।

घाना में स्पीकर ने किया स्वागत समारोह का उद्घाटन

रांची (आजाद सिपाही)। पश्चिम अफ्रीका के घाना के अकरा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की छह दिवसीय बैठक चल रही है। इसे लेकर घाना के होटल केम्पेस्की में भारतीय उच्चायोग की ओर से स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने कार्यक्रम में शामिल होकर समारोह का उद्घाटन किया। समारोह में घाना संसद के बहुमत दल के सदन नेता ओसी केयी मेंसा बोंसु के अलावा भारतीय शिष्टमंडल में शामिल सभी राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष और लोकसभा के सदस्य शामिल हुए। गौरतलब है कि छह दिवसीय दौरे पर स्पीकर घाना की राजधानी अकरा में हैं। वहां आयोजित 66वें राष्ट्रमंडल संसदीय संगठन की बैठक में 60 से अधिक देशों के सांसद, विधानसभा के अध्यक्ष और सदस्य हिस्सा ले रहे हैं।

महत्वपूर्ण न्यूज

श्री दुर्गा पूजा समिति भुतहा तालाब के मुख्य संरक्षक किशोर साहू को सम्मानित किया गया

रांची (आजाद सिपाही)। श्री दुर्गा पूजा समिति के मुख्य संरक्षक किशोर साहू तथा उनकी धर्मपत्नी बिंदु साहू को मोमेंटो तथा चुनरी देकर सम्मानित किया। आमंत्रण और सम्मान कार्यक्रम में श्री दुर्गा पूजा समिति के संरक्षक दीपू सिंह, अध्यक्ष उमंग सुल्तानिया, कार्यकारिणी अध्यक्ष राहुल सिंह, आयोजक संजय सिंह (लल्लू), उपाध्यक्ष शुभम वर्मा, कोषाध्यक्ष राहुल रजक, संजय तिवारी, पंडाल प्रभारी आकाश रजक तथा प्रवक्ता नमन भारतीय और शिव किशोर शर्मा मौजूद थे।

झारखंड में भी जातीय गणना विधानसभा चुनाव से पूर्व करायी जाये: विजय शंकर नायक

रांची (आजाद सिपाही)। बिहार की तर्ज पर झारखंड में भी जातीय गणना विधानसभा के चुनाव से पूर्व कराने की मांग झारखंड बचाओ मोर्चा के केंद्रीय संयोजक विजय शंकर नायक ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की। इस संबंध में नायक ने बुधवार को सीएम हेमंत सोरेन को इमेल के माध्यम से ज्ञापन भेजा है। भेजे गये (इमेल) में कहा है कि बिहार राज्य में जाति आधारित गणना करा कर रिपोर्ट जारी कर दी गयी है, ताकि भविष्य में जिसकी जितनी भागीदारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी की नीति को अमली जामा पहनाया जा सके। नायक ने कहा कि झारखंड सरकार भी बिहार की तर्ज पर झारखंड में जाति आधारित जातीय जनगणना को विधानसभा के चुनाव से पूर्व कराये, ताकि झारखंड में भी जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी की नीति को अमली जामा पहनाया जा सके।

देश में अघोषित आपातकाल : आप

रांची (आजाद सिपाही)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी सईद अख्तर ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि आज देश में अघोषित आपातकाल की स्थिति है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिफ्तारी का विरोध करते हैं। भाजपा हताश है, संजय सिंह देश की आवाज हैं और भाजपा इस आवाज को दबाना चाहती है। आज लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। देश कि जनता ये सब देख रही है। तानाशाह सरकार का भी अंत होगा।

प्रोफेसर शेषनाथ राय का निधन

शेषनाथ राय। फाइल फोटो

रांची (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, रामा देवी बाजला महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र के अध्यक्ष, सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रोफेसर शेषनाथ राय का निधन इलाज के क्रम में वाराणसी में हो गया। वे काफी समय से कैंसर से पीड़ित थे। उनके असामयिक निधन पर सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलसचिव सह विद्यार्थी परिषद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ विजय कुमार सिंह ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की चीर शांति के लिए ईश्वर से कामना की है एवं परिजनों को इस असहनीय कष्ट सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। इस दुःख की घड़ी में विद्यार्थी परिषद के डॉ श्रवण कुमार सिंह, डॉ पंकज कुमार, एडवर्ड सोरेन, डॉ आशा लकड़ा, प्रो अंजनी श्रीवास्तव, अविनेश सिंह, राजेंद्र तिवारी, अमरकांत झा, महेंद्र सिंह, प्रो एसएन सिंह आदि ने दुःख व्यक्त किया है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिजनों को संबल दें। दुःख की इस घड़ी में हम सब उनके साथ हैं।

हाइकोर्ट ने कहा-जस्टिस विक्रमादित्य कमेटी की रिपोर्ट नहीं पेश हुई तो होगी अवमानना कार्रवाई

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड विधानसभा में अवैध नियुक्ति की जांच की मांग के लिए दाखिल जनहित याचिका पर हाइकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रमादित्य कमिटी की रिपोर्ट नहीं पेश होने पर अदालत ने कड़ी नाराजगी जाहिर की, साथ ही अगली सुनवाई तक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। अदालत ने मौखिक रूप से कहा है कि अगर अगली सुनवाई तक रिपोर्ट पेश नहीं की गयी, तो विधानसभा सचिव पर अवमानना की कार्रवाई शुरू की जायेगी। अदालत ने इस जनहित याचिका पर अगली सुनवाई के लिए अगले गुरुवार की तिथि निर्धारित की है। इस मामले में शिव शंकर शर्मा ने जनहित याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2005 से वर्ष 2007 के बीच में विधानसभा में हुई नियुक्ति में गड़बड़ी हुई है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुप्रीम कोर्ट ने दो गिरफ्तारी कैंसिल की, झारखंड से इस निर्देश को जोड़ कर देखा जा रहा

सुप्रीम कोर्ट ने इडी से कहा-पारदर्शी रहें, बदला लेने जैसा काम न करें

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/रांची। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में इडी को निर्देश दिया है कि वह अभियुक्त को गिरफ्तार करते समय लिखित में गिरफ्तारी की वजह बताये। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में रियल एस्टेट ग्रुप एम3एम के डायरेक्टर्स पंकज बंसल और बसंत बंसल की गिरफ्तारी रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया है।

जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस संजय कुमार की एक पीठ ने कहा, हम इसे अनिवार्य बना रहे हैं और बिना किसी अपवाद के अभियुक्त को गिरफ़्तार करने के दौरान उसके पीछे की वजहें लिखित में दें। कोर्ट ने यह संज्ञान में लिया कि बंसल को 14 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया था और उसी दिन किसी दूसरे मामले में उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया।

इस गिरफ्तारी को गैरकानूनी घोषित करते हुए अभियुक्तों को तत्काल छोड़ने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि काम करने का इडी का ये रवैया सही नहीं है। बेंच ने कहा कि इडी को पारदर्शी होना चाहिए और पारदर्शिता के नियमों का पालन करते हुए जांच करनी चाहिए न कि विंडिक्टिव (बदला लेने वाला) होना चाहिए।

हेमंत की याचिका पर 6 अक्टूबर को सुनवाई, चीफ जस्टिस की बेंच में सूचीबद्ध हुआ मामला

रांची (आजाद सिपाही)। सीएम हेमंत सोरेन के द्वारा इडी के समन के खिलाफ दायर याचिका हाइकोर्ट में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हो गयी है। कयास यह लगाया जा रहा था कि बुधवार को हेमंत सोरेन अपनी याचिका पर जल्द सुनवाई का आग्रह करेंगे। लेकिन उससे पहले ही उनकी याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हो गयी है। हाइकोर्ट में उनकी याचिका पर 6 अक्टूबर को सुनवाई हो सकती है। यह मामला हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की बेंच में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुआ है। 23 सितंबर इडी के समन के खिलाफ हेमंत सोरेन ने हाइकोर्ट की शरण ले ली थी। बता दें कि मुख्यमंत्री ने हाइकोर्ट में याचिका दाखिल कर इडी की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग करते हुए इस मामले में हस्तक्षेप का आग्रह किया है। इसके साथ ही याचिका में इडी की शक्तियों को भी चुनौती दी गयी है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने इडी के समन को सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी थी।

आखिर झारखंड से क्यों जोड़ कर देखा जा रहा है

सुप्रीम कोर्ट के इस निर्देश को अब झारखंड से जोड़ कर देखा जा रहा है। दरअसल सीएम हेमंत सोरेन को इडी जमीन घोटाले में पूछताछ के लिए अब तक पांच बार समन भेज चुकी है। लेकिन सीएम हेमंत एक बार भी इडी के पास हाजिर नहीं हुए हैं। उन्होंने समन को पहली बार चुनौती सुप्रीम कोर्ट में दी। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से उन्हें झारखंड हाइकोर्ट जाने की सलाह दी गयी। दरअसल कोर्ट में दायर याचिका में हेमंत सोरेन जिन बातों का उल्लेख कर रहे हैं, उन्हीं से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दायर याचिका में पीएमएलए की धारा 50 और 63 को गैरसंवैधानिक करार देने और उन्हें जारी किये गये सारे सामान को निरस्त करने का अनुरोध किया गया है। इडी ने जमीन खरीद बिक्री मामले में मुख्यमंत्री को पांचवा सम न भेजकर पूछ ताछ के लिए 4 अक्टूबर को रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर होने का निर्देश दिया था। हेमंत की तरफ से दायर याचिका में कहा गया है कि पीएमएलए 2002 में निहित प्रावधानों के तहत इडी के अधिकारी को जांच के दौरान किसी को समन करने का अधिकार है। जिसे धारा 50 के तहत समन जारी किया जाता है। उसे सच्चाई बताने की अपेक्षा की जाती है। उसका बयान दर्ज किया जाता है। इसके बाद इस बयान पर दंड या गिरफ्तारी के डर से उसे इस पर हस्ताक्षर करने की अपेक्षा की जाती है। यह संविधान के अनुच्छेद 20 (3) का उल्लंघन है। संविधान द्वारा दिये गये मौलिक अधिकार के तहत किसी व्यक्ति को इस बात का हक है कि वह यह जान सके कि उसे किस मामले में और क्यों समन किया गया है। इडी ने हेमंत सोरेन को समन भेजा है, लेकिन वह इस बात की जानकारी नहीं दे रही है कि उन्हें किस सिलसिले में बयान दर्ज करने के लिए बुलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री की ओर से दायर याचिका में यह भी कहा गया है कि अवैध खनन के मामले में इडी द्वारा किये गये समन के आलोक में वह पूछताछ के लिए हाजिर हुए थे। उन्होंने अपनी पारिवारिक संपत्ति का ब्योरा इडी को सौंप दिया था। इसके बावजूद उन्हें परेशान किया जा रहा है।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि जारी किया गया समन दुर्भाग्यपूर्ण और राजनीति से प्रेरित है। इसके साथ ही चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने के उद्देश्य से की गयी कार्यवाही बताया गया है। एक डर का माहौल बनाया जा रहा है। याचिका में पीएमएलए की धारा 50 और 63 को गैरसंवैधानिक बताते हुए उसे निरस्त करने का अनुरोध किया गया है। इसके साथ ही उन्हें जारी किये गये समन को भी निरस्त करने और न्यायालय के अगले आदेश तक किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं करने का आदेश देने का अनुरोध किया गया है। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट का निर्देश झारखंड के लिए काफी प्रासंगिक माना जा रहा है।

दुर्गा पूजा को देखते हुए रांची सांसद ने नगर विकास सचिव को लिखा पत्र

एक सप्ताह के अंदर शहर की सभी सड़कों की मरम्मत करायें: संजय सेठ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। दुगार्पूजा से पूर्व रांची शहर की सड़कों की मरम्मत को लेकर सांसद संजय सेठ ने नगर विकास विभाग के सचिव विनय कुमार चौबे को पत्र लिखा है। पत्र में सांसद ने नगर विकास सचिव को शहर की परिस्थितियों से अवगत कराते हुए, युद्ध स्तर पर दुगार्पूजा से पहले इन सभी सड़कों का निर्माण और मरम्मत करने को कहा है। सचिव को लिखे पत्र में श्री सेठ ने कहा है कि रांची में तीन फ्लाइओवर का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। इन योजनाओं के पूर्ण

होने से रांची की जनता को बड़ी राहत मिलने वाली है परंतु उससे पहले जो समस्या हो रही है, उसके समाधान के लिए कारगर कदम उठाने की जरूरत है। सांसद ने कहा कि दुगार्पूजा का त्यौहार 10 दिन के बाद शुरू होने वाला है। इन तीनों परियोजनाओं के स्थल के साथ ही रांची शहर की अधिकतर सड़के खराब हो चुकी हैं। सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं। जहां अक्सर छोटी बड़ी दुर्घटना की खबरें मिलती रहती हैं। दुगार्पूजा के समय बड़ी संख्या में रांची के बाहर के लोग भी यहां पंडाल और पूजा दर्शन के लिए आते हैं। रोजगार की दृष्टि से रांची से बाहर रहने वाले लोगों का भी दुर्गा पूजा के समय अपने गांव घर आना होता है। इस कारण भी शहर पर वाहनों का दबाव और भीड़ दोनों ही बढ़ती है। ऐसे में यह आवश्यक है की तत्काल रांची की सभी सड़कों की युद्धस्तर पर मरम्मत की जाये ताकि छोटी बड़ी दुर्घटनाओं पर रोक लगायी जा सके। उन्होंने रांची नगर निगम और संबंधित विभाग को निर्देश देकर रांची की खराब हुई तमाम सड़कों की मरम्मत एक सप्ताह के अंदर करने का निर्देश जारी करने को कहा है ताकि रांची के नागरिक दुगार्पूजा जैसे बड़े त्यौहार को अच्छे से मना सकें।

दो पत्रकारों की गिरफ्तारी के खिलाफ झारखंड श्रमजीवी पत्रकार यूनियन का आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन

पत्रकारों ने की न्यायिक जांच की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के बैनर तले बुधवार को पत्रकारों ने दिल्ली में न्यूजक्लिक वेबसाइट के फाउंडर समेत दो पत्रकारों की गिरफ्तारी के खिलाफ रांची के अल्बर्ट एक्का चौक के समीप विरोध प्रदर्शन किया। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन ने कहा कि पत्रकारों की गिरफ्तारी लोकतंत्र की हत्या है। इस पूरे प्रकरण की न्यायिक जांच होनी चाहिए। किसी भी पत्रकार को किसी मामले में संदिग्ध पाया जाता है, तो पहले उसकी पूरी जांच होनी चाहिए, इसके बाद गिरफ्तारी होनी चाहिए। विरोध-प्रदर्शन में पत्रकार यूनियन के साथ विभिन्न सामाजिक संगठन और राजनीतिक दलों ने अपना समर्थन दिया। इसमें सीपीआइ के राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने कहा कि देश में अघोषित आपातकाल की स्थिति बन गयी है। पहले विपक्ष को इडी और सीबीआइ के माध्यम से डराने, धमकाने और मानसिक रूप से कुंठित रूप से प्रताड़ित करने का प्रयास किया गया। अब लोकतंत्र के चौथे स्तंभ, जो समाज की सच्चाई का आइना दिखाने वाले पत्रकारों पर भी वही पैंतरा आजमाया जा रहा है। सीपीएम के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। झामुमो के जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए हम सभी लोग एकजुट हैं। माले के भुवनेश्वर केवट ने कहा कि पत्रकारों पर हमला अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है। वहीं वरिष्ठ पत्रकार फैसल अनुराग ने कहा कि देश में आजादी, लोकतंत्र और संविधान सुरक्षित नहीं है। वरिष्ठ पत्रकार किशलय ने कहा कि केंद्र सरकार बोलने की आजादी पर रोक लगाना चाहती है। सभी लोग मौन होकर इसे सह रहे हैं। वहीं श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के राज्य सचिव सुनील सिंह ने प्रदर्शन में शामिल सभी लोगों को धन्यवाद ज्ञापन और समर्थन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उपाध्यक्ष परवेज कुरैशी, पत्रकार संजीत झा, प्रदीप ठाकुर, अमरेश, गोरी रानी, रेखा, मोनिका आर्य, अवधेश, रिजवान, मुर्शीद आलम, राजेंद्र तिवारी, पुष्कर महतो, जयशंकर चौधरी, अनुज तिवारी, श्यामल, जितेंद्र गुप्ता, योगेंद्र सिंह, नागेंद्र चौधरी, अरुण गुप्ता, अश्विनी शर्मा, गोपाल पांडेय, इम्तियाज और यूनियन के कार्यालय सचिव अजय सिंह सहित कई बुद्धिजीवी और सामाजिक संगठन के सदस्य मौजूद थे।

एनसीडीसी ने कोल इंडिया को एक मजबूत आधार प्रदान किया है : पीएम प्रसाद

सीसीएल में धूमधाम से मना दूसरा एनसीडीसी स्थापना दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सीसीएल मुख्यालय रांची में बुधवार को दूसरा एनसीडीसी स्थापना दिवस धूम-धाम से मनाया गया। नेशनल कोल डेवलपमेंट कारपोरेशन (एनसीडीसी) की स्थापना 01 अक्टूबर 1956 को हुई थी। इस समारोह में कोल इंडिया लिमिटेड एवं इसके अन्य अनुषंगी कंपनियों, एनसीडीसी के पूर्व अध्यक्षगण, निदेशकगण, वरीय अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए। कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष पीएम प्रसाद ने समारोह में कहा कि एनसीडीसी ने कोल इंडिया को एक मजबूत आधार प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि सभी गुरुजनों और अग्रजों के मार्गदर्शन, अनुभव और विरासत के बदौलत कंपनी सफलतापूर्वक

देश की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने में सक्षम है। श्री प्रसाद ने कहा कि कोल इंडिया एवं इसके अनुषंगी कंपनी आने वाले समय में और भी बेहतर करते हुए 2025-26 के 1 बिलियन टन कोयला उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। समारोह में आमंत्रित कोल इंडिया लि. के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एमपी नारायणन, एनसी झा, पूर्व सीएमडी इसीएल एसएन सिंह, पूर्व सीएमडी, डब्लूसीएल आरडी राय, पूर्व सीएमडी सीसीएल/ सीएमपीडी आइएल एसके वर्मा, पूर्व सीएमडी सीसीएल बी अकला, पूर्व सीएमडी सीसीएल आरपी रिटोलिया, कोल इंडिया लि. के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सीएमडी बीसीसीएल पार्थो भट्टाचार्य, कोल इंडिया लि. के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सीएमडी सीसीएल/ बीसीसीएल गोपाल सिंह, पूर्व सीएमडी एमसीएल अभिराम शर्मा, पूर्व सीएमडी एनसीएल तापस कुमार नाग, पूर्व सीएमडी सीसीएल रंजन कुमार साहा, सीएमडी सीएमपीडीआई मनोज कुमार तथा एनसीडीसी के समय कार्यरत पूर्व कार्मिकों ने उपस्थित होकर इस समारोह की गरिमा बढ़ायी और एनसीडीसी से लेकर सीसीएल के अभी तक के गौरवपूर्ण इतिहास के बारे में अपने-अपने अनुभवों को साझा किया। धन्यवाद ज्ञापन निदेशक तक (यो.और परि.) बी साईंराम ने किया। जबकि मंच संचालन प्रियरंजन, निशा और श्वेता हंसदा ने किया।

सरकार और ठेकेदार जागेंगे नहीं तो उग्र आंदोलन होगा : धर्मेंद्र तिवारी

रांची (आजाद सिपाही)। एक ओर जहां राजधानी रांची का विकास हो रहा है। वहीं कांटा टोली में ओवर ब्रिज बनाया जा रहा है। यह काम साल भर से चल रहा है। अधिकतम पिलर का कार्य पूरा भी कर लिया गया। लेकिन जो रोड है, उसकी मरम्मत नहीं की गयी। जिधर देखिये गड्ढे ही गड्ढे नजर आते हैं। इसके इलावा रातू रोड और डोरंडा में भी फ्लाइओवर का काम किया जा रहा है। इस कार्य को राज्य सरकार करवा रही है। लेकिन सरकार ने आवागमन के जो रास्ते हैं, उसको दुरुस्त नहीं किया। राहगीर गिर रहे, उठ रहे हैं। पैदल लोग तो आना जाना नहीं कर सकते, पता नहीं कब गिर जायेंगे बह जायेंगे। लेकिन सरकार का ध्यान अभी तक नहीं गया है। विकास के साथ सभी हैं, लेकिन कम से कम ट्रैफिक को ध्यान देना चाहिए। कभी-कभी घंटे भर जाम लगा रहता है। रास्ते में जो गड्ढे हैं, पत्थर है, उसको हटाना और दुरुस्त करना चाहिए। बहुत बार प्रेस के माध्यम से इस बात को उठाया गया। लेकिन अधिकारियों के कानों पर जू नहीं रेंगती है। यदि एक सप्ताह के अंदर कोई कार्य नहीं हुआ। तो भारतीय जनतंत्र मोर्चा को रोड जाम करना पड़ेगा। शहर का सबसे व्यस्ततम मार्ग कांटा टोली है। सरकार और ठेकेदार जागेंगे नहीं तो उग्र आंदोलन होगा। खादगढ़ा बस स्टैंड का भी हाल खराब है। बस स्टैंड जाने आने वाले राजधानी में पहुंचने पर परेशान हो जाते हैं। दूसरा एक आइटीआइ बस स्टैंड है जो कीचड़ों से भरा पड़ा है। रात का समय हो या दिन का समय ना कोई सेड है ना कोई सरकार का ध्यान है। यात्रियों के लिए खाने पीने की भी व्यवस्था नहीं है। बारिश की वजह से वहां जीवन अस्त-व्यस्त है। बस संचालक के साथ-साथ यात्री भी परेशान हो रहे हैं। यात्री बस स्टैंड के अंदर घुसना नहीं चाहते कारण चारों तरफ कीचड़ ही कीचड़ है। यहां के जनप्रतिनिधि, सरकार, निगम सबको जानकारी है, पर सभी कान में तेल डालकर और आंख में चश्मा पहन कर बैठे हुए हैं।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल के छात्रों का द्वितीय लिटरेरी आइडिएशन कॉन्क्लेव में शानदार प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल के छात्रों ने 30 सितंबर से 3 अक्टूबर, 2023 तक वाराणसी में आयोजित द्वितीय लिटरेरी आइडिएशन कॉन्क्लेव में बाजी मारी। यह कॉन्क्लेव स्वतंत्रता, समानता, इक्विटी, पर्यावरण और सामाजिक न्याय के विषयों को समर्पित था। लोन वुल्फ स्टैंडिंग श्रेणी के इंटर स्कूल क्विज में कक्षा 10 के मोहम्मद अम्मार अहमद को ह्यमोस्ट प्रोमोसिंग क्विजर्डह्य के खिताब से सम्मानित किया गया। उन्होंने इसी श्रेणी में दूसरा रनर अप स्थान भी हासिल किया। रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता स्क्रिप्टोरियम के लिए कक्षा 11 के अतिशय सिंह और कक्षा 10 की प्रज्ञाश्री होता ने पहला स्थान प्राप्त किया। इमेजिनेरियम, वेल्थ एंड वर्ड्स आउट ऑफ वेस्ट के लिए कक्षा 11 की वैभवी राठौर और कक्षा 10 की अपूरव अग्रवाल को सर्वश्रेष्ठ जिंगल क्रिएशन का पुरस्कार मिला। विद्यालय के कार्मिक व प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने छात्रों को बधाई दी और स्कूल को गौरवान्वित करने के लिए उनके समर्पित प्रयासों की सराहना की। प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने टीम की प्रशंसा की और उनके ईमानदार प्रयासों की सराहना की। उन्होंने दूसरों को भी ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों की छिपी प्रतिभा को निखारती है।

कैबिनेट ने बिहार और झारखंड में उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना के लिए संशोधित लागत को मंजूरी दी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना के शेष कार्यों को संशोधित 2,430.76 करोड़ रुपये (केंद्रीय हिस्साः 1,836.41 करोड़ रुपये) की लागत से पूरा करने के लिए जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के एक प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है, जबकि अगस्त, 2017 में शेष कार्य के लिए पहले स्वीकृत लागत 1,622.27 करोड़ रुपये (केंद्रीय हिस्साः 1,378.60 करोड़ रुपये) की थी। शेष कार्य पूरा होने पर, यह परियोजना झारखंड और बिहार के चार सूखाग्रस्त जिलों में 42,301 हेक्टेयर क्षेत्र को अतिरिक्त वार्षिक सिंचाई प्रदान करेगी। उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना एक अंतर-राज्यीय प्रमुख सिंचाई परियोजना है जिसका कमान क्षेत्र दो राज्यों बिहार और झारखंड में है। इस परियोजना में कुटकू गांव (जिला लातेहार, झारखंड) के पास उत्तरी कोयल नदी पर एक बांध, बांध के नीचे 96 किमी एक बैराज (मोहम्मदगंज, जिला पलामू, झारखंड), दाहिनी मुख्य नहर (आरएमसी) और बैराज से बाईं मुख्य नहर (एलएमसी) शामिल हैं। बिहार सरकार द्वारा उसके अपने संसाधनों से वर्ष 1972 में बांध के निर्माण के साथ-साथ अन्य सहायक गतिविधियां शुरू की गयीं। काम 1993 तक जारी रहा और उस वर्ष बिहार सरकार के वन विभाग द्वारा रोक दिया गया। बांध में जमा पानी से बेतला नेशनल पार्क और पलामू टाइगर रिजर्व को खतरा होने की आशंका के कारण बांध का काम रुका हुआ था। काम रुकने के बाद यह परियोजना 71,720 हेक्टेयर में वार्षिक सिंचाई प्रदान कर रही थी। नवंबर 2000 में बिहार के विभाजन के बाद, बांध और बैराज का मुख्य कार्य झारखंड में हैं। इसके अलावा मोहम्मदगंज बैराज से पूरी 11.89 किमी बाईं मुख्य नहर (एलएमसी) झारखंड में है। हालांकि, दाहिनी मुख्य नहर (आरएमसी) के 110.44 किमी में से पहला 31.40 किमी झारखंड में है और शेष 79.04 किमी बिहार में है। वर्ष 2016 में, भारत सरकार ने परिकल्पित लाभों को प्राप्त करने के लिए परियोजना को संचालित करने के लिए उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना के शेष कार्यों को पूरा करने के लिए सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया। पलामू टाइगर रिजर्व के मुख्य क्षेत्र को बचाने के लिए जलाशय के स्तर को कम करने का निर्णय लिया गया। परियोजना के शेष कार्यों को 1622.27 करोड़ रुपये के अनुमानित व्यय पर पूरा करने के प्रस्ताव को अगस्त 2017 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था। इस प्रकार, गया वितरण प्रणाली के कार्य, आरएमसी और एलएमसी की लाइनिंग, रास्ते में संरचनाओं की रीमॉडलिंग, कुछ नयी संरचनाओं का निर्माण और परियोजना से प्रभावित परिवारों (पीएएफ) के राहत और पुनर्वासन (आर एंड आर) के लिए एकबारगी विशेष पैकेज को अद्यतन लागत अनुमान में प्रदान किया जाना था। तदनुसार, परियोजना का संशोधित लागत अनुमान तैयार किया गया था। शेष कार्यों की लागत 2430.76 करोड़ रुपये में से केंद्र 1836.41 करोड़ रुपये उपलब्ध करायेगा।

फुटपाथ विक्रेताओं के रजिस्ट्रेशन और रिन्यूअल के लिए कैंप लगाया गया

रांची (आजाद सिपाही)। आज दिनांक 4 अक्टूबर 2023 को रांची विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ लीगल स्टडी डिपार्मेंट के छात्रों के द्वारा मोरहाबादी सब्जी बाजार में फुटपाथ विक्रेताओं के रजिस्ट्रेशन और रजिस्ट्रेशन के रिन्यूअल के लिए कैंप लगाया गया। यह कैंप रांची नगर निगम के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इंस्टीट्यूट की ओर से असिस्टेंट प्रोफेसर मिस रिमझिम वैष्णवी और छात्र माधव, कुमार अक्ष, कुमार रोशन, शिवम, हेमा सिंह, रितिका आनंद, गरिमा पांडे, शांभवी श्रोत्रिया, विश्वजीत तिवारी उपस्थित रहे। रांची नगर निगम की ओर से मोराबादी छेत्र की सी ओ बबिता कुमारी जी उपस्थित रहीं। इस कैंप में जिन फुटपाथ विक्रेताओं के पास आवश्यक पंजीयन दस्तावेज नहीं थे उनके पंजीकरण के लिए आवेदन कराया गया और लोन इत्यादि सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गयी।

कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो का निधन अपूरणीय क्षति, झारखंड उन्हें हमेशा याद रखेगा : बंधु तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व मंत्री, झारखंड सरकार की समन्वय में समिति के सदस्य एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो का निधन विशेष रूप से झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। कार्डिनल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्री तिर्की ने कहा कि 8 नवंबर 1984 को रांची के आर्कबिशप नियुक्त किये गये फादर का निधन झारखंड का निज नुकसान है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि फादर झारखंड के लोगों के मन में हमेशा जीवित रहेंगे। श्री तिर्की ने कहा कि कार्डिनल ने झारखंड में विशेष रूप से स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में जिस प्रकार से अपना अद्भुत योगदान दिया है उसी के कारण आज हम झारखंड की इस तस्वीर को देख पा रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि कार्डिनल हमेशा सभी धर्म, जाति, समुदाय के लोगों को बिना किसी भेदभाव के एक साथ

लेकर चलते थे और उनका सदव्यवहार सभी के दिल में अपनी अमिट छाप छोड़ता था। उन्होंने कहा कि कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो के कारण ही पोप जॉन पॉल, 90 के दशक में रांची आये थे। उन्होंने कहा कि भारत के जिन महत्वपूर्ण शहरों का चयन पोप जॉन पॉल की यात्रा के लिए किया गया था उसमें रांची भी एक था और इसका सबसे महत्वपूर्ण कारण कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो की सक्रियता और विशेष प्रयास ही था।

कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो को हमेशा याद रखेंगे हम झारखंड के लोग : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची। मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो का निधन झारखंड के लिए बहुत बड़ी क्षति है। कार्डिनल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि रांची के आर्कबिशप रहे कार्डिनल के निधन से झारखंड को बहुत अधिक क्षति हुई है जिसकी भरपाई मुश्किल है। श्रीमती तिर्की ने कहा कि कार्डिनल झारखंड के लोगों के हृदय में हमेशा जीवित रहेंगे क्योंकि उन्होंने विशेष रूप से झारखंड में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में अपना अद्भुत योगदान दिया।

कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो के आकस्मिक निधन पर राजेंद्र प्रसाद ने शोक व्यक्त किया

रांची। कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो के आकस्मिक निधन पर मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने दुःख व्यक्त किया। प्रसाद ने कहा कि स्व टोप्पो एक धार्मिक गुरु थे। उनके अनुयायी को इस दुःख को सहन करने की ईश्वर शक्ति दें।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं ने आर्च विशप तेलोस्फोर पी टोप्पो के निधन पर गहरी संवेदना जतायी

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं ने आर्च विशप तेलोस्फोर पी टोप्पो के आकस्मिक निधन पर गहरी संवेदना और दुख प्रकट किया। अपने शोक संदेश में वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलोक कुमार दुबे ने कहा आर्च बिशप ने अपना पूरा जीवन मानव सेवा में लगाया, सभी धर्म का आदर किया। इनके निधन से राज्य ने एक महान शख्सियत को खो दिया है। ईश्वर उनकी आत्मा को असीम शांति दे और उनके शुभचिंतकों को दुख सहने की शक्ति। वरिष्ठ कांग्रेस लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि आर्च बिशप शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सर्वधर्म समभाव को लेकर हमेशा याद किये जाते रहेंगे। डॉ राजेश गुप्ता छोटू ने कहा कि आर्च बिशप का निधन अपूरणीय क्षति है। वार्ड पार्षद रहते हुए उनका मार्गदर्शन हमेशा मिलता था, एक महान व्यक्तित्व का अनायास जाना राज्य के लिए पीड़ादायक है।

हमारे कार्डिनल तेलोस्फोर टोप्पो स्वर्गीय पिता के पास लौट आये हैं

आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो एसजे और रांची आर्चडीओसीज ने लोगों को किया संबोधित

रांची। आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो एसजे और रांची आर्चडीओसीज ने आपको सूचित किया है कि एमेरिटस कार्डिनल तेलेस्फोर पी. टोप्पो, जो काफी समय से बिस्तर पर थे, 4 अक्टूबर 2023 को सुबह 3:45 बजे कॉन्स्टेंट लिवेन्स हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, मंदार में समाप्त हो गये। उनकी उम्र 84 साल थी. छोटानागपुर के चर्च के विकास में उनके अपार योगदान के लिए रांची महाधर्मप्रांत, धार्मिक और मंडली हमेशा उनका आभारी रहेगा। एमेरिटस कार्डिनल तेलेस्फोर पी. टोप्पो के अंतिम दिनों में उनकी देखभाल करने के लिए अस्पताल के कर्मचारियों को धन्यवाद। **अंतिम संस्कार का विवरण अभी तक तय नहीं किया गया है। हम आपको बाद में सूचित करेंगे:** भगवान उसे प्रभु के अंगूर के बगीचे में उसके काम के लिए शाश्वत पुरस्कार प्रदान करें। आइए हम प्रार्थना में एकजुट हों और प्रभु से अपने से संबंधित सभी लोगों और प्रियजनों को सांत्वना देने के लिए प्रार्थना करें। हे प्रभु, उसे अनुदान दो और उस पर सतत प्रकाश चमकने दो। एमेरिटस कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो की आत्मा को शांति मिले।

बदल जायेंगे

जाति आधारित गणना के नतीजे जारी कर बिहार ने देश की राजनीति को फिर एक घुमावदार मोड़ दे दिया है। चाहे सत्तर के दशक में आपातकाल के खिलाफ जेपी आंदोलन हो या नब्बे के दशक में शुरू हुई मंडल राजनीति- बिहार ने दोनों मौकों पर बदलाव की अगुआई की थी। अब जब पिछले करीब एक दशक से देश में कथित सेकुलर राजनीति को विस्थापित करती हुई राष्ट्रवादी राजनीति हावी दिख रही थी, जाति आधारित गणना के नतीजों के रूप में बिहार ने ऐसा धमाका किया है, जिसके अंदर चुनावी राजनीति के समीकरण बदलने का माद्दा है। खैर, अभी तो सब इसी गणना में लगे हैं कि अगर पिछड़े और अति पिछड़े मिलकर राज्य की आबादी का दो तिहाई हो जाते हैं तो फिर इसकी काट के तौर पर दूसरा कौन सा समीकरण पेश किया जा सकता है। चूंकि बिहार सरकार ने जाति आधारित गणना की रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी है, तो अब केंद्र की बीजेपी सरकार का यह तर्क निरर्थक हो गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा करना व्यावहारिक रूप में संभव नहीं है। अब हर तरफ से यही सवाल उठेगा कि जब एक राज्य में संभव हो गया तो दूसरे राज्यों में और राष्ट्रीय स्तर पर भी यह काम क्यों नहीं हो सकता। चूंकि इस सवाल का कोई संतोषजनक जवाब उपलब्ध नहीं है, इसलिए बीजेपी नेताओं का भी मुख्य स्वर यही हो गया है कि वे जाति आधारित गणना के खिलाफ नहीं हैं और बिहार सरकार के फैसले में भी शुरू से शामिल रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि जातिगत जनगणना के मसले पर पॉजिटिव रुख दिखाकर बीजेपी क्या आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन के मुकाबले बढ़त बना पाएगी? अक्सर ऐसा होता है कि जिस मुद्दे पर जिसने शुरुआत की, उसे उसका लाभ भी तुलनात्मक रूप से अधिक होता है। जाति जनगणना के मामले में यह काम जेडीयू और आरजेडी ने किया है, जो बीजेपी के खिलाफ बने आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन का हिस्सा हैं। लेकिन इसके साथ यह भी याद रखना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। ऐसे में किसी भी चुनाव में मोदी फैक्टर की अनदेखी नहीं की जा सकती। दूसरी ओर, यह सवाल भी बना हुआ है कि क्या यह मुद्दा चुनाव तक प्रासंगिक बना रहेगा! राजनीति में तो एक सप्ताह का वक्त भी लंबा माना जाता है, ऐसे में 6 महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव तक बहुत कुछ बदलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। दूसरी बात यह कि 2023 का भारत नब्बे के दशक के भारत से अलग है। जाति आज भी महत्वपूर्ण है, लेकिन वह हमारी आजीविका, सोच और खासकर वोटिंग बिहेवियर को उस तरह से प्रभावित नहीं करती, जैसे नब्बे के दशक में करती थी। इसलिए देखना होगा कि यह मुद्दा लोगों तक किस रूप में पहुंचता है, राजनीतिक दल खुद को इसके लिए किस तरह से तैयार करते हैं और जातीय गणित से आगे इसकी केमिस्ट्री किस तरह से विकसित होती है।

बिहार में जाति आधारित जनगणना के नतीजे जारी हो चुके हैं। इन नतीजों के सामने आने के बाद देशभर की राजनीति के समीकरण बदलने वाले हैं। केंद्र की बीजेपी सरकार पर दबाव है कि वो अब ऐसा क्या करे, जिससे चुनावी हवा बदलने से पहले संभाल लिया जाए।

अभिमत
आजाद सिपाही

केंद्र की मोदी सरकार ने राजनीति में बड़े बदलाव भ्रष्टाचार और करप्शन के मुद्दे पर किए हैं। देश में आशावाद और सकारात्मकता का माहौल है, लोग जी20, चंद्रयान और अर्थव्यवस्था की सफलता का उत्सव मना रहे हैं, 2024 में एक बड़ी जीत के लिए आश्वस्त दिखते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति को अपराध एवं भ्रष्टाचार मुक्त करने की ठानी है तो यह समय आम मतदाता के जागरूक एवं सतर्क होने का भी है।

राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था से भ्रष्टाचार की सफाई करने में जुटे हैं मोदी

ललित गर्ग

देश में स्वच्छता अभियान से ज्यादा जरूरी हो गया राजनीतिक स्वच्छता अभियान। क्योंकि आजादी के अमृतकाल को अमृतमय बनाने के लिये राजनीति का शुद्धिकरण यानी अपराध एवं भ्रष्टाचारमुक्त होना अपेक्षित है। आज कौन-सी पार्टी है जो सार्वजनिक जीवन में शुचिता का पालन कर रही है? शोचनीय बात यह है कि अब भ्रष्टाचार, आतंकवाद एवं साम्प्रदायिकता को पोषित करने वाले एवं देशविरोधी राजनीति के दोषी शर्मसार भी नहीं होते। इस तरह का राजनीतिक चरित्र देश के समक्ष गम्भीर समस्या बन चुका है। राजनीति की बन चुकी मानसिकता और भ्रष्ट आचरण ने पूरे लोकतंत्र और पूरी व्यवस्था को प्रदूषित कर दिया है। स्वहित और स्वयं की प्रशंसा में ही लोकहित है, यह सोच हमारी राजनीति में घर कर चुकी है। यह रोग राजनीति को इस तरह जकड़ रहा है कि हर राजनेता लोक के बजाए स्वयं के लिए सब कुछ कर रहा है। अधिकतर राजनीतिज्ञों का मकसद बस किसी तरह चुनाव जीतना और सत्ता में जाना हो गया है। चुनाव जीतने के लिए पानी की तरह पैसा बहाया जाता है और सत्ता में आने पर पैसा बनाने के सारे हथकंडे अपनाए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ वर्ष पहले स्वच्छता अभियान छेड़ा, जिसका व्यापक असर हुआ। अब देश में दूषित होती राजनीति में स्वच्छता अभियान शुरू करने की पहल करने की अपेक्षा है।

देश में स्वच्छता अभियान से ज्यादा जरूरी हो गया राजनीतिक स्वच्छता अभियान

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव इसी साल के अंत में होने हैं और इसके बाद अगले वर्ष लोकसभा चुनाव का बिगुल बज उठेगा। ऐसे दौर में राजनीति में सुधार की कोरी बातें ही नहीं बल्कि संकल्पित होने का वक्त आ गया है। यह वक्त देखा जाए तो चुनाव सुधार एवं राजनीति में नैतिक मूल्यों को बल देने का बिगुल बजाने का है। चुनाव में अच्छे एवं ईमानदार, लोग चुन कर आएं इसके लिए राजनीति में अपराधियों का प्रवेश तो रोकना ही होगा, वंशवाद, जातिवाद, धनबल व बाहुबल जैसी राजनीति में घुस आई गंदगी को साफ करने के लिए 'जागरूकता की झाड़ू' को उठाना ही होगा। अभी तो आम धारणा यही बनती जा रही है कि ईमानदारी के बलबूते चुनाव जीतना आसान नहीं है। लेकिन आगामी चुनावों में इस धारणा को बदल देना है। चुनाव सुधारों को लेकर उच्चतम न्यायालय से लेकर चुनाव आयोग तक की सिफारिशें एवं सुझाव हर बार हवा होते रहे हैं। उन पर अमल करने की परवाह किसी को नहीं होती। ठीक इसी तरह राजनीति के शुद्धिकरण का संकल्प भी हर चुनाव में खारिज होता रहा है, लेकिन कब तक? प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति में नैतिक एवं ईमानदार चेहरा को प्रोत्साहन दिया है। ऐसा करके उन्होंने यह भी जता दिया कि राजनीति की चली आ रही परिभाषाएं अब बदलने लगी हैं। अब मोदी के नाम पर उन राज्यों में चुनाव जीतने के कीर्तिमान स्थापित हुए हैं, जहां चुनाव जीतना किन्हीं खास धनबल, बाहुबल एवं अपराधिक तत्वों के नाम लिखे हुए थे।

नरेंद्र मोदी ने अपने प्रधानमंत्री के कार्यकाल में आलोचना की परवाह किए बगैर कई ऐस देशहित के बड़े फैसले लिए, जिनसे न सिर्फ विपक्ष बल्कि भारत की जनता भी चौंक गई। 2024 के चुनाव में जाने से पहले नरेंद्र मोदी चौंकाने वाला फैसला ले सकते हैं।

बात लोकसभा चुनाव की नहीं, विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों की है कि मोदी के नाम पर ये चुनाव इतने सफल क्यों एवं कैसे हो रहे हैं? पार्टी के कद्दावर नेता, जिनके बिना राज्य में चुनाव जीतना असंभव माना जाता रहा है, उन नेताओं के नाम की बजाय मोदी के नाम पर वोट मांगने की परम्परा मजबूत एवं सफल होती जा रही है, क्योंकि मोदी एक प्रतीक है विकास का, मूल्यों का, जन समस्याओं के समाधान का। गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान पहले कार्यकाल में नरेंद्र मोदी ने हिंदू हृदय सम्राट की छवि बनाई। दूसरे कार्यकाल के बाद विकास, शांति एवं सौहार्द का प्रतीक बन गए। गुजरात मॉडल का प्रचार इतना जबर्दस्त रहा कि अन्य राज्यों में भी इसकी चर्चा होने लगी। बिहार-यूपी जैसे सुदूर क्षेत्रों के लोग भी गुजरात मॉडल की बात करने लगे। प्रधानमंत्री बनने के बाद ब्रांड मोदी और भी मजबूत हो गया। 2019 लोकसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद मोदी अपराजेय दिखने लगे। 2024 के चुनाव में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया के सामने यही सवाल खड़ा है कि नरेंद्र मोदी को चुनौती देने वाला नेता कौन होगा? इंडिया के सामने नेता घोषित करने की दोहरी चुनौती है। अगर चुनाव से पहले इंडिया का नेता चुन लिया गया, तो उसकी तुलना नरेंद्र मोदी से होगी। अगर नहीं चुना गया तो विपक्ष बिखरा ही दिखाई देगा।

नरेंद्र मोदी ने अपने प्रधानमंत्री के कार्यकाल में आलोचना की परवाह किए बगैर कई ऐस देशहित के बड़े फैसले लिए, जिनसे न सिर्फ विपक्ष बल्कि भारत की जनता भी चौंक गई। 2024 के चुनाव में जाने से पहले नरेंद्र मोदी चौंकाने वाला फैसला ले सकते हैं।

मोदी की साफ-सुथरी छवि एवं भ्रष्टाचारमुक्त राजनीति का ही परिणाम है कि विपक्ष की अनेक कोशिशों के बावजूद वे उनके खिलाफ कोई एक भी मुद्दा नहीं खोज पाये। केंद्र की मोदी सरकार ने राजनीति में बड़े बदलाव भ्रष्टाचार और करप्शन के मुद्दे पर किए हैं। देश में आशावाद और सकारात्मकता का माहौल है, लोग जी20, चंद्रयान और अर्थव्यवस्था की सफलता का उत्सव मना रहे हैं, 2024 में एक बड़ी जीत के लिए आश्वस्त दिखते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति को अपराध एवं भ्रष्टाचार मुक्त करने की ठानी है तो यह समय आम मतदाता के जागरूक एवं सतर्क होने का भी है। राजनीति में सुधार चाहने वालों के लिए यह घर बैठने का समय नहीं है। राजनीति में नैतिकता को लेकर उठ रहे सवालों के बीच चुनाव सुधारों की कोरी बातें ही नहीं बल्कि उन पर अमल लाने की भी जरूरत है। सबसे बड़ी जिम्मेदारी राजनीतिक पार्टियों की है कि वे ठोक-बजाकर उम्मीदवारों का चयन करें। चिंता इस बात की है कि जनता ही दागियों को वोट देकर सत्ता में लाती है। इसलिए प्रमुखतः राजनीति में स्वच्छता के लिए कदम उसे भी बढ़ाने होंगे। वर्ना मोदी का करिश्मा एवं जादू तो अपना असर दिखायेगा ही, क्योंकि उनके पास सत्य एवं नैतिकता का बल है। मोदी ने ही देश पर लगे गरीब होने के दंश को हटाने की सार्थक पहल की है, उन्हीं के शब्दों में लंबे वक्त तक, भारत की पहचान एक अरब से अधिक भूखे पेटों वाले देश के रूप में रही है, लेकिन अब, भारत को एक अरब से अधिक उम्मीदों से भरे दिमाग, दो अरब से अधिक कुशल हाथों और करोड़ों युवाओं के देश के रूप में देखा जा रहा है। ऐसी स्थितियों में मोदी के नाम पर मांगे जा रहे वोट उन्हें ऐतिहासिक जीत दे तो कोई आश्चर्य नहीं है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं)

ओड़िशा/जमशेदपुर की खबरें

जमशेदपुर पुलिस की पहल, पुलिस ने साकची गोलचक्कर से पत्ता मार्केट तक चलाया अभियान

ऑटो चालक और फुटपाथ पर दुकान लगानेवालों को दी नसीहत

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। लौहनगरी जमशेदपुर के सड़कों पर लगने वाले जाम व आए दिन हो रहे सड़क दुर्घटनाओं देखते हुए जमशेदपुर पुलिस ने पहल शुरू कर दी। बुधवार को एसएसपी कौशल किशोर के निर्देश पर एएसपी सुमित अग्रवाल के नेतृत में पुलिस टीम ने साकची गोलचक्कर से पत्ता मार्किट तक सड़क जाम की स्थिति को देखते हुए कार्रवाइ की गयी। मौके पर साकची गोलचक्कर के पास नो पार्किंग मैं खड़ी ऑटो चालकों को नसीहत देते हुए छोड़ा गया। वही पत्ता मार्केट के पास से सड़क को खाली कराया गया। ताकि सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न ना हो और आने जाने वाले लोगों को सुविधा मिल सके। वही नोपार्किंग में गाड़ी खड़ी करने वाले लोगो को नसीहत देते हुए दोबारा पकड़े जाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गयी। इस अवसर पर एएसपी सुमित अग्रवाल ने बताया लगातार सूचना मिल रही थी साकची गोल चक्कर के पास ऑटो वाले, ठेला वाले और पत्ता मार्केट के पास जहां पूर्व में उपायुक्त के द्वारा सड़क से अतिक्रमण हटाया गया था वहा पुनः फुटपात पर दुकान लगने से सड़क जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने बताया वरीय पुलिस अधीक्षक के आदेश पर आने जाने वाले लोगों की परेशानी को देखते हुए फिलहाल कार्रवाई करते हुए सभी को नसीहत देकर छोड़ा गया। उन्होंने कहा ऑटो चालकों के लिए पार्किंग होने के बावजूद सड़क पर ऑटो लगाते हैं। जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। अगर उसके बाद भी लोग नही माने तो आगे विधि सम्मत कानूनी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

विधायक ने पथ निर्माण विभाग के पदाधिकारी के साथ जर्जर सड़क का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

पोटका। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका विधानसभा क्षेत्र में जर्जर सड़क मरम्मत के लिए विधायक संजीव सरदार ने पहल शुरू कर दी। बातया जा रहा है पोटका के पालीडिह गांव के पास से सड़क काफी जर्जर हो चूका हैं। सड़को पर बड़े -बड़े गड्ढे होने से वारिस के दौरान जलजमाव की स्थिति बनी रहती है। जिसके कारण सड़क दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। ट्रैक व अन्य वाहन पलटने की कगार में रहता है।संज्ञान में आते ही बुधवार को पोटका विधायक संजीव सरदार ने बुधवार को पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता विनोद कच्छप व झामुमो कार्यकर्ताओ के साथ रसूनचोपा पहुंच कर निरक्षण किया। मौके पर विधायक संजीव सरदार ने पथ निर्माण विभाग के साथ बाइक में क्षेत्र का भ्रमण किया। साथ ही पैदल चल कर एनएच 220 का बदहाल व जज्जर स्थिति को दिखाते हुए अवगत करवाया। मौके पर विधायक सरदार ने कहा खराब जर्जर सड़को के मामले में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को ट्विट के माध्यम से भी जानकारी दी गयी। उड़ीसा से झारखंड आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विधायक ने कहा पथ निर्माण विभाग ने आश्वासन देते हुए दुर्गा पूजा मरम्मत करने की बात कही थी। ताकि लोगों को आने-जाने में दिक्कत ना हो। वही मौके पर मौजुत विभाग के कार्यपालक अभियंता विनोद कच्छप ने कहा सड़क का निरीक्षण किया गया। सड़क काफी जज्जर व खराब हो चुकी है।

गुरुवार से सड़क की मरम्मती का काम शुरूआत किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्र के ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए विधायक के प्रति आभार व्यक्त की।

ग्रामीणों ने विधायक के प्रति जताया आभार

संबलपुर मंडल में सतर्कता संगोष्ठी का आयोजन किया

संबलपुर (आजाद सिपाही)। रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच सतर्कता जागरूकता फैलाने के लिए मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर, संबलपुर के सभा कक्ष में एक सतर्कता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आनंद सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक, संबलपुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पूर्व तट रेलवे के उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (इंजीनियरिंग) प्रीतिराज पाणिग्रही ने सेवा रिकॉर्ड, संविदात्मक कार्य, स्टोर से संबंधित मामले, स्थापना से संबंधित मामले, वाणिज्य और यातायात से संबंधित मुद्दों के अनुचित रखरखाव में सामान्य त्रुटियों पर सतर्कता जागरूकता पर एक पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी। उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (एस एंड टी), समीर महापात्र और एवीओ (पी) ए. रामा राव ने भी एक पावर प्वाइंट प्रस्तुत किया और सतर्कता मुद्दों के ज्ञान को समृद्ध करने के लिए चर्चा की। इस अवसर पर आनंद सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक, संबलपुर ने रेलवे अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को सतर्कता और डी एंड ए नियमों के बारे में अपने संदेह दूर करने की सलाह दी और कहा कि इस प्रकार के सेमिनार से हमें मदद मिलेगी। इस अवसर पर संबलपुर मंडल के सभी अधिकारी और पर्यवेक्षक शामिल थे।

बालेश्वर और हल्दीपाड़ा रेलवे स्टेशनों के बीच ट्रेन लाइन पर बैंक स्लिप

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। लगातार बारिश के कारण बालेश्वर और हल्दीपाड़ा रेलवे स्टेशनों के बीच बैंक स्लिप के कारण और शीघ्र बहाली के लिए संबंधित रखरखाव कार्य को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित ट्रेन सेवाओं को निम्नलिखित के अनुसार विनियमित किया गया है।

ट्रेनों का रद्दीकरण: **1.** 08032/08031 भद्रक-बालेश्वर-भद्रक मेमू स्पेशल 04.10.2023 को रद्द रहेगी। **2.** 08064 भद्रक-खड़गपुर मेमू स्पेशल 04.10.2023 को रद्द रहेगी। **3.** 08063 खड़गपुर- भद्रक स्पेशल 05.10.2023 को रद्द रहेगी। **4.** 18037 खड़गपुर-जाजपुर क्योंझर रोड एक्सप्रेस 04.10.2023 को रद्द रहेगी। **5.** 18038 जाजपुर क्योंझर रोड- खड़गपुर एक्सप्रेस 05.10.2023 को रद्द रहेगी। 6. 18043 हावड़ा-भद्रक एक्सप्रेस 04.10.2023 को रद्द रहेगी। **7.** 18044 भद्रक-हावड़ा एक्सप्रेस 05.10.2023 को रद्द रहेगी। **8.** 12277 हावड़ा-पुरी शताब्दी एक्सप्रेस 04.10.2023 को रद्द रहेगी। **9.** 12278 पुरी-हावड़ा शताब्दी एक्सप्रेस 05.10.2023 को रद्द रहेगी। **10.** 18409 शालीमार-पुरी श्रीजगन्नाथ एक्सप्रेस 04.10.2023 को रद्द रहेगी। **11.** 18410 पुरी-शालीमार श्रीजगन्नाथ एक्सप्रेस 04.10.2023 को रद्द रहेगी। **12.** 12841 शालीमार-एमजीआर चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस 04.10.2023 को रद्द रहेगी। **13.** 22831 हावड़ा-श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम एक्सप्रेस 04.10.2023 को रद्द रहेगी। **14.** 22835 शालीमार-पुरी एक्सप्रेस 04.10.2023 को रद्द रहेगी। **15.** 18022 खुर्दा रोड-खड़गपुर एक्सप्रेस 04.10.2023 को रद्द रहेगी। **16.** 12892 पुरी-बांगरीपोसी एक्सप्रेस 04.10.2023 को रद्द रहेगी। **17.** 20831 शालीमार-संबलपुर एक्सप्रेस 04.10.2023 को रद्द रहेगी। **18.** 12837 हावड़ा-पुरी एक्सप्रेस 04.10.2023 को रद्द रहेगी।

ट्रेनों का अल्प समापन और प्रारंभ

1. 18038 जाजपुर क्योंझर रोड-खड़गपुर एक्सप्रेस, 04.10.2023 को शुरू होने वाली यात्रा बालेश्वर में समाप्त की जायेगी। 2. 08063 खड़गपुर-भद्रक मेमू स्पेशल, 04.10.2023 को शुरू होने वाली यात्रा रूपसा में समाप्त होगी। 3. 08416 पुरी-जलेश्वर मेमू स्पेशल, 04.10.2023 को शुरू होने वाली यात्रा भद्रक में समाप्त की जायेगी। 4. 08415 जलेश्वर-पुरी मेमू स्पेशल, 04.10.2023 को शुरू होने वाली यात्रा भद्रक से शुरू होगी।

ट्रेन का मार्ग परिवर्तन:

1. 18477 पुरी-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस, 04.10.2023 को शुरू होने वाली यात्रा संबलपुर सिटी-झारसुगुड़ा रोड-आईबी स्टेशनों के माध्यम से परिवर्तित मार्ग पर चलेगी।

पहल : एसपी ने महिला पेट्रोलिंग टीम को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

महिला अपराध पर नकेल कसने में होगी सहूलियत सभी थानों को मिलेगी सुविधा : डॉ विमल कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला खरसावां जिले में महिला सुरक्षा व महिलाओं पर लगातार बढ़ते अपराध को देखते हुए एसपी डॉ विमल कुमार ने एक नयी पहल की शुरूआत की। बुधवार को जिले के आदित्यपुर थाने से महिला शक्ति पेट्रोलिंग टीम का शुभारंभ किया गया है। एसपी डॉक्टर विमल ने पेट्रोलिंग टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मौके पर एसपी ने बताया फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के तहत इस योजना की शुरूआत की गयी है। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 9798302490 जारी किया गया। कहीं भी महिला उत्पीड़न से संबंधित कोई शिकायत मिलने पर टीम त्वरित कार्रवाई करेगी। इस अभियान का सफल होने पर जिले के सभी थानों में लागू किया जायेगा। फिलहाल यह टीम आदित्यपुर, गम्हरिया, आरआईटी और कांड्रा में काम करेगी। इसमें आठ अधिकारी व कांस्टेबल की तैनाती की गयी है। टीम सुबह आठ बजे से रात के आठ बजे तक कर्यरत रहेगी। मौके पर ट्रैफिक इंस्पेक्टर राजेश, आदित्यपुर थाना प्रभारी राजन सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

महत्वपूर्ण न्यूज

छठ घाट से युवक का शव बरामद होने पर परिजनों ने किया सड़क जाम

गढ़वा (आजाद सिपाही)। शहर के सहजिना मोहल्ला निवासी मनोज राम 30 वर्ष का शव सहिजना स्थित छठ घाट से पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस ने शव को बरामद का पोस्टर्मास्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि एक अक्टूबर की शाम में घर से शौच करने के लिए गया था लेकिन काफी देर बीत जाने के बाद वह घर नहीं लौटा तो उसके परिजनों ने काफी खोजबीन की। जिसके बाद उसके परिजनों ने गढ़वा थाना में आवेदन दिया। तीन दिन बीत जाने के बाद बुधवार की सुबह नदी में नहाने एक युवक गया था। नहाने के दौरान उस युवक की नजर शव पर पड़ी। उसके बाद उक्त युवक ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद नदी के पास लोगों की भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना गढ़वा थाना को दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टर्माटम के लिए सदर अस्पताल भेजा। इधर मृतक के स्वजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए आक्रोशित होकर गढ़वा थाना के सामने लगभग आधा घंटा सड़क जाम कर दिया। मृतक के स्वजनों का कहना था कि कुछ दिन पूर्व बगल के पड़ोसी से हल्की नोकझोंक हुई थी। आशंका है कि उक्त व्यक्ति द्वारा हत्या कर साक्ष्य छुपाने की नियत से नदी में फेंक दिया गया होगा। सड़क जाम की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी केके साहू ने दलबल के साथ पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझा-बूझाकर 24 घंटा के अंदर आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। इसके बाद आवागमन सुचारू रूप से शुरू हुआ।

पंडी नदी में आयी बाढ़ से ध्वस्त मुख्य सड़क की समाजसेवी विकास दुबे ने मरम्मत करायी

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के भीलमा गांव के टोला पखनाहा तथा ग्राम शिवरी के सिवान स्थित मुख्य सड़क लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश के कारण पंडी नदी में आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गयी थी। जिससे दोनों गांव का आवागमन प्रखंड मुख्यालय से कट गया था। आवागमन बिल्कुल बाधित था। ग्रामीणों ने इसकी सूचना शासन एवं प्रशासन से की, परंतु किसी के द्वारा पहल नहीं की गयी। बाध्य होकर ग्रामीणों ने युवा समाजसेवी सह विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी विकास दुबे को आग्रह कर क्षतिग्रस्त पुलिया को मरम्मत कराने की मांग की। जिस पर समाजसेवी विकास दुबे ने अपने निजी खर्च से बुधवार को ध्वस्त सड़क की मरम्मत कराते हुए यातायात सुविधा को बहाल कराया। जिस पर गांव के ग्रामीणों ने खुशियों का इजहार करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। धन्यवाद देने वालों में ग्रामीण श्रवण चौहान, अनिल चौहान, विनोद चौहान, मैनुद्दीन अंसारी, पिंटू मिस्त्री, सितारुद्दीन अंसारी, विनोद सिंह, बबलू मेहता, सत्येंद्र मेहता, जुमराती अंसारी, शिवकुमार मेहता, रघुनाथ पाल, सादिक अंसारी, अखलेश बैठा के अलावे अन्य कई ग्रामीणों के नाम शामिल हैं।

अनियंत्रित ट्रैक्टर होटल में घुसा, संचालिका घायल

कांडी (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के लमारी कला गांव स्थित स्कूल के समीप एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर मंगलवार की शाम एक होटल में जा घुसा। ट्रैक्टर के टक्कर से होटल संचालिका कांति देवी 45 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया जा रहा है कि लमारी खुर्द गांव का ट्रैक्टर दक्षिण दिशा की ओर से उत्तर की ओर जा रहा था इसी दौरान अनियंत्रित होकर होटल में घुस गया। ट्रैक्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के साथ चालक वहां से फरार हो गया। कांडी पुलिस ने एक निजी वाहन से घायल को रेफरल अस्पताल मझिआंव भेजा है जबकि ट्रैक्टर को जब्त कर थाना ले गयी।

भवनाथपुर में बारिश से घर ध्वस्त

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। बीते तीन दिनों से क्षेत्र में हो रही बारिश से भवनाथपुर प्रखण्ड क्षेत्र के अरसली उत्तरी निवासी जयमूर्ति कुंअर का घर ध्वस्त हो गया। घर ध्वस्त होने से विधवा महिला बेघर हो गयी, मुखिया प्रतिनिधि तासबीन अंसारी ने जयमूर्ति कुंवर को यथासंभव सहयोग देने का भरोसा दिया है। खबर के अनुसार मंगलवार की रात अरसली दुर्गा मंदिर के पीछे रहने वाली जयमूर्ति कुंवर पति स्व. विश्वनाथ कुंवर का घर ध्वस्त हो गया। घर ध्वस्त होने से घर में रखे राशन सहित अन्य सामान बारिश की भेंट चढ़ गया। सूचना मिलते ही मुखिया प्रतिनिधि तासबीन अंसारी मौके पर पंहुच पीड़ित को फिलहाल राशन उपलब्ध कराया एवं यथासंभव अन्य सहयोग देने की बात बताते हुए बाबा आवास देने की बात कही।

लायंस क्लब गढ़वा ग्रीन ने डेंगू बीमारी से बचाव से संबंधित परचा किया वितरण

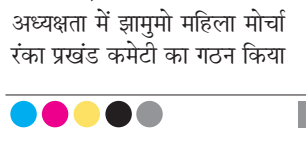

गढ़वा (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब ऑफ गढ़वा ग्रीन के द्वारा लायन सेवा सप्ताह के तहत डेंगू बीमारी से बचाव से संबंधित परचा का वितरण छठ घाट स्थित सब्जी मंडी में किया गया और बचाव की जानकारी भी लोगों को दी गई। कार्यक्रम के चेयरमैन लायन डॉ कुमार निशांत सिंह और लायन अमित केशरी थे। कार्यक्रम में अध्यक्ष विजय सोनी, पूर्व जोन चेयरमैन हर्ष अग्रवाल, विनय कश्यप, कोषाध्यक्ष नीरज कुमार, जय शंकर ब्रेजियर, संतोष अग्रवाल, आशुतोष अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

प्रेस कांफ्रेंस : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की संकल्प यात्रा की तैयारी पूरी, भाजपा नेताओं ने कहा

ऐतिहासिक होगा बाबूलाल मरांडी का गढ़वा कार्यक्रम

प्रदेश अध्यक्ष का 5 अक्टूबर को गढ़वा होते हुए बंशीधर नगर जाने के क्रम होगा भव्य स्वागत : ओम प्रकाश खेसरी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की चेतना में आयोजित कार्यक्रम की सभी तरह की तैयारी पूरी कर ली गई है कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए करीब 20 हजार लोगों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। उक्त जानकारी भाजपा के गढ़वा जिला प्रभारी सह प्रदेश प्रवक्ता अमित सिंह, ओमप्रकाश केसरी, पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने दी।

जिला प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की ओर से पूरे प्रदेश में संकल्प यात्रा चल रहा है पिछले दिनों पलामू में प्रदेश अध्यक्ष का कार्यक्रम हुआ। जिसमें भारी संख्या में लोग शामिल हुए। काफी बारिश होने के बाद भी लोग प्रदेश अध्यक्ष की बातों को सुने और राज्य की हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया।

भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष 5 अक्टूबर को गढ़वा होते हुए बंशीधर नगर जाएंगे। उसके पूर्व फर्थिया मोड़ पर चिरौंजिया मोड़ पर, मेराल, रमना में उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। उसके बाद प्रदेश अध्यक्ष जतपुरा में आयोजित यज्ञ स्थल पर जाएंगे। वहां से बंशीधर मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे।

बंशीधर में आयोजित मुख्य समारोह में शामिल होंगे, जहां 11:00 बजे प्रदेश अध्यक्ष द्वारा मुख्य समारोह में संबोधन होगा। उसके बाद पुनः चेतना पहुंचकर 3 बजे कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का गढ़वा में ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में करीब 20 हजार लोग शामिल होंगे। लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निमंत्रण भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि गढ़वा में जिस प्रकार से लूट मची हुई है, आम लोग परेशान हैं। लोगों को घर बनाने के लिए बालू नहीं मिल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के समक्ष रखने के लिए उक्त समस्याओं से रूबरू कराने के लिए बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार की ओर से जिस तरह से भ्रष्टाचार और लूट मची हुई है इसको लेकर लोग संकल्प के साथ झारखंड सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे। प्रेस वार्ता में भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य अलखनाथ पांडे, राजीव राज तिवारी, सूरज गुप्ता, विनय चौबे, मीडिया प्रभारी रिंकू तिवारी, बबलू पटवा सहित अन्य लोग शामिल थे।

48 घंटे से थाना में अवैध बालू लदे जब्त ट्रैक्टर पर नहीं की गयी कानूनी कार्रवाई

पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई नही होने से बालू माफियाओं का बढ़ गया है मनोबल

आजाद सिपाही संवाददाता

विशुनपुरा। अवैध बालू लदा जब्त ट्रैक्टर 48 घंटे से थाना में रख कर कानूनी कारवाई नहीं की गई। अवैध बालू लदे ट्रैक्टर परिवहन करते पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई नहीं होने से बालू माफियाओं का मनोबल बढ़ गया है।

अवैध बालू उठाव को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की रोक के बाद भी 48 घंटे पूर्व थाना में जब्त बालू लदा एक ट्रैक्टर पर अंचलाधिकारी ने खनन विभाग गढ़वा को सिर्फ पत्राचार किया है। बालू माफियाओं की उंची पहुंच होने कारण कानूनी कार्रवाई नहीं होने पर लोगों में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

क्या था मामला : पिछले शनिवार रात्रि निरीक्षण के दौरान निकले बंशीधर नगर इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह ने बंशीधर नगर-विशुनपुरा मार्ग पर चितरी गांव से अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त कर विशुनपुरा थाना को सुपुर्द किया था। जिसको लेकर अंचलाधिकारी को ट्रैक्टर पर कानूनी कार्रवाई के लिए सूचित किया गया था। लेकिन 48 घंटा पूर्व थाना में जब्त अवैध बालू लदा ट्रैक्टर पर प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई है।

मालूम हो कि अंचलाधिकारी ने पांच महीने पूर्व पिपरी कला बाकी नदी बालू घाट से सात ट्रैक्टर को पकड़कर थाना को सुपुर्द किया था। जबकि पिपरीकला बालू घाट वैध एवं पंचायत द्वारा निर्गत चालान होने के बावजूद भी सात ट्रैक्टरों पर अवैध बालू खनिज की चोरी का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

विदित हो कि एनजीटी के द्वारा झारखंड में बालू उत्खनन को लेकर रोक लगाई गई है। जिसके बाद अवैध बालू उत्खनन पर रोक लगाने के लिए उपायुक्त के द्वारा एक टीम गठित की गयी थी। जिसके बाद अवैध बालू उत्खनन एवं परिवहन करते पकड़े जाने पर अंचलाधिकारी को कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन निर्देश के बाद भी उक्त ट्रैक्टर पर कानूनी कार्रवाई नहीं की गयी।

वहीं इस संबंध में अंचलाधिकारी निधि रजवार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि थाना में अवैध बालू लदा जब्त ट्रैक्टर पर खनन विभाग को पत्राचार किया गया है।

नदी में नहाने गये युवकों के गहरे पानी में डूबने से एक की मौत, एक

सीआरपीएफ 172 बटालियन के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद एक की बचायी जान

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिले के कल्याणपुर स्थित 172 बटालियन सीआरपीएफ कैंप के पास दानरो नदी पुल के नीचे नदी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरे युवक को सीआरपीएफ की तत्परता से बचाया गया। मृतक बंशीधर नगर थाना क्षेत्र के जमुई गांव निवासी मनोज ऊर्फ सत्य प्रकाश भारद्वाज का पुत्र श्रेयांश भारद्वाज 15 वर्ष बताया गया है। जबकि इस घटना में घायल कांडी थाना क्षेत्र के राजीव चौबे का पुत्र राज चौबे 15 वर्ष बताया गया है। घटना के संबंध में बताया गया कि श्रेयांश और राज दोनों दोस्त थे। राज अपनी स्कूटी से श्रेयांश को लेने उसके घर पहुंचा। जिसके बाद एक स्कूटी पर सवार होकर अपने घर से दोनो दानरो नदी स्थित सीआरपीएफ कैंप के पास नदी में नहाने उतरे थे। इस बीच नदी में इतनी गहराई थी। दोनों में से किसी को मालूम भी नहीं था। देखते-देखते श्रेयांश का पैर फिसला और गहराई में डूबने लगा। उसे डूबता देख राज ने तुरंत उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन वह भी गहरे पानी में फंस चुका था। आसपास के लोगों के द्वारा शोर मचाए जाने के बाद सीआरपीएफ ने तत्काल अपनी पूरी टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर दोनों का रेस्क्यू किया और सीआरपीएफ के एंबुलेंस से लाकर सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने श्रेयांश भारद्वाज को मृत घोषित कर दिया। इस घटना में राज चौबे गंभीर रूप से घायल है। घायल के परिजनों ने राज चौबे की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे परमेश्वरी मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। इससे पूर्व की घटना में भी सीआरपीएफ के सजगता से दो लोगों की जान बची थी।

सीआरपीएफ 172 बटालियन गढ़वा के द्वारा पिछले वर्ष भी नदी में गाड़ी धोने के क्रम में दो गाड़ी समेत दो लोग पानी के बहाव में फंस चुके थे, जिन्हें सीआरपीएफ जवानों बचायी थी। इसी तरह की घटना बुधवार को घटी जहां दो दोस्त अपने घर से नदी में नहाने पहुंचे थे। नदी में गहराई थी। यह बात दोनों में से किन्हीं को मालूम तक नहीं थी। देखते ही देखते श्रेयांश भारद्वाज गहराई में डूबने लगा। डूबता देख राज चौबे उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन वह भी गहरा पानी में फंस गया। शोर शराबा सुनकर सीआरपीएफ 172 बटालियन के जीडी दिलदार उरांव, जीडी जहीरूद्दीन अंसारी अपनी जान की परवाह किए बगैर दोनों को डूबता देख नदी में उतर गया। जहां काफी मशक्कत के बाद दोनों को निकाल कर सदर अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन एक युवक मौत हो चुकी थी। रेस्क्यू टीम में सीआरपीएफ 172 बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी अमरेंद्र कुमार सिंह, कुलदीप कुमार, उप कमांडेंट यू आर रामेश्वरम, जीडी संजय सिंह, जीडी कौशल किशोर, मेजर प्रदीप कुमार सिंह, जीडी मोहम्मद इलियास सहित सीआरपीएफ के टीम शामिल थे।

डॉ एमके सिंह होंगे बाबू दिनेश सिंह विवि के प्रथम कुलपति

प्रोफेसर (डॉ) एमके सिंह की नियुक्ति अगले तीन वर्षों तथा सेवा विस्तार के साथ अतिरिक्त दो वर्षों तक के लिए की गयी है

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय, गढ़वा के प्रथम कुलपति के पद पर प्रोफेसर (डॉ) एमके सिंह की नियुक्ति अगले तीन वर्षों तथा सेवा विस्तार के साथ अतिरिक्त दो वर्षों तक के लिए की गयी है। महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री तथा उच्च तकनिकी शिक्षा, झारखण्ड सरकार द्वारा निर्गत आदेशों के अलोक में बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय, गढ़वा के कुलाधिपति के पद पर दिनेश प्रसाद सिंह, अध्यक्ष, वनांचल एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट की नियुक्ति पूर्व में की गयी थी।

कुलपति की नियुक्ति नियमानुसार सर्च समिति गठित कर दिनांक 01-10-2023 को आयोजित साक्षात्कार में सम्मिलित उम्मीदवारों में से समिति के अध्यक्ष द्वारा अनुसंशित व समर्पित तीन नामों के पैनल से मेधा सूची के आधार पर कुलाधिपति, बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय द्वारा प्रोफेसर (डॉ०) एमके सिंह को अगले तीन वर्षों तथा सेवा विस्तार के साथ अतिरिक्त दो वर्षों तक के लिए इस विश्वविद्यालय का प्रथम कुलपति नियुक्त किया गया है। तदनुसार इसकी सूचना संबंधित पदाधिकारी, झारखंड सरकार तथा भारत सरकार को विश्वद्यालय अधिसूचना संख्या 34 दिनांक 03.10.2023 द्वारा कर दी गयी।

अधिसूचना के अनुसार पद ग्रहण करने की तिथि से कार्य का संपादन बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय एक्ट, 2023 के अनुसार कुलाधिपति के निर्देशानुसार करते रहेंगे। प्रोफेसर (डॉ) ऐम० के० सिंह को वनांचल एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित सभी संस्थानों तथा इस विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी कोर्सों के संचालन का दायित्व दिया गया है तथा वे झारखंड सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा भारत सरकार से संबंधित निर्देशों के आलोक में उनके अधिसूचना की अविधि तक कार्य का संपादन करते रहेंगे।

बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति के पश्चात सभी कोर्सों का संचालन तत्काल प्रभाव से करते रहेंगे।

बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय परिसर में एनएसएस इकाई ने स्वच्छता कार्यक्रम का किया आयोजन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित दिनेश कॉलेज आफ एजुकेशन में संचालित एन.एस.एस. इकाई के तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्म दिवस के अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक 3.10.2023 एवं 4.10.2023 को पूरे विश्वविद्यालय परिसर में बी.एड. प्राध्यापकों एवं प्रशिक्षुओं के द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरे परिसर में प्रशिक्षुओं ने साफ-सफाई अभियान चलाया तथा महाविद्यालय परिसर में अपने आस पास के परिवेश में सदैव स्वच्छता लाने के लिए शपथ ली गयी, जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर सुनीता गुप्ता ने साफ सफाई करते हुए प्रशिक्षुओं को स्वच्छता लाने के लिए जागरूक किया तथा अपने आस - पास के परिवेश को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, अशोक कुमार यादव, आनंद कुमार चौबे, अभिमन्यु शुक्ला, अरविंद तिवारी, जनार्दन आदि उपस्थित रहे। शिक्षकेतर कर्मचारियों में सुधीर धर दुबे, बी.एन. सिंह उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का संचालन एनएसएस समन्वयक पदाधिकारी शशिकांत सिंह यादव के द्वारा किया गया।

लायंस क्लब गढ़वा विशाल ने सदर अस्पताल में सैकड़ों मरीजों के बीच किया फल वितरित

गढ़वा (आजाद सिपाही)। बुधवार को विश्व लायंस सेवा सप्ताह के तहत लायंस क्लब ऑफ गढ़वा विशाल के द्वारा क्लब अध्यक्ष ला० डॉ कमलेश कुमार के मार्गदर्शन पर लायंस विशाल के पदाधिकारी सह गढ़वा जिले के तीन रिटायर्ड सिविल सर्जन की अध्यक्षता में सदर अस्पताल गढ़वा में सैकड़ों मरीजों के बीच फल का वितरण किया गया। वहीं फल वितरण करते देख बहुत सारे मरीजों ने जब तीन तीन पुर्व सिविल सर्जन को देखा तो उनके चेहरे खिल गए और बहुत मरीजों ने अपनी बिमारी से संबंधित बातें पुछा और मार्गदर्शन लिया, मरीजों का भाव और अपनापन देखकर तीनों पुर्व सिविल सर्जन ला० डॉ आर एस दिवाकर, ला० डॉ एनके रजक, ला० डॉ ज्वाला प्रसाद सिंह बहुत प्रसन्न हुए और एक एक बेड पर जाकर मरीजों को फल वितरण किए और उनकी तबियत और बिमारी की जानकारी ली उसमे से बहुत लोगों को उचित इलाज और मार्गदर्शन भी दिये, आज के फल वितरण कार्यक्रम में सदर अस्पताल के पदाधिकारी के रूप में शामिल थे डॉ टी पयुष, लायंस विशाल से थे रघुवीर प्रसाद कश्यप, नन्दलाल प्रसाद गुप्ता, पीआरओ शौकत खान समेत सदर अस्पताल के नर्स एवं कर्मचारियों ने भी सराहनीय योगदान दिया!!

बैठक : झामुमो महिला मोर्चा रंका प्रखंड कमेटी का गठन , पूर्व मुखिया मालती देवी बनीं अध्यक्ष

किसी भी पार्टी संगठन की मजबूती में महिलाओं का अहम योगदान : रेखा चौबे

सचिव प्रियंका तिवारी, कोषाध्यक्ष आशा देवी, उपाध्यक्ष बसंती देवी, सूचिता देवी, गंगाजली देवी, कौशल्या देवी व प्रतिमा देवी बनायी गयीं

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा रंका प्रखंड कार्यालय में बुधवार को झामुमो महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष रेखा चौबे की अध्यक्षता में झामुमो महिला मोर्चा रंका प्रखंड कमेटी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से पूर्व मुखिया मालती देवी को अध्यक्ष बनाया गया। जबकि सचिव प्रियंका तिवारी, कोषाध्यक्ष आशा देवी, उपाध्यक्ष बसंती देवी, सूचिता देवी, गंगाजली देवी, कौशल्या देवी एवं प्रतिमा देवी को बनाया गया तथा अन्य महिलाओं को सदस्य बनाया गया है।

इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रेखा चौबे ने कहा कि किसी भी पार्टी संगठन की मजबूती में महिलाओं का अहम योगदान रहता है। उन्होंने कहा कि महिलाएं घर हो या संगठन उसको आगे ले जाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं।

मौके पर झामुमो रंका प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता ने बताया कि आज सभी महिला नेत्री एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में महिला मोर्चा प्रखंड कमेटी का गठन सर्वसम्मति से किया गया है।

मौके पर मेराल प्रखंड अध्यक्ष आराधना सिंह, बरवाडीह पंचायत की मुखिया पम्मी देवी, गीता देवी, दुलारी देवी, प्रतिमा देवी, मुन्नी देवी, प्रभा देवी, रंका प्रखंड बीस सूत्री उपाध्यक्ष कार्तिक पांडेय, प्रखंड उपाध्यक्ष अरविंद सोनी, प्रखंड युवा अध्यक्ष दीपक सोनी, खरडीहा पंचायत अध्यक्ष योगेन्द्र यादव, विकास यादव, ललित तिवारी, मीरा देवी, सहित काफी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लायंस क्लब ने संस्कार वैली स्कूल में किया डेंटल अवेयरनेस कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। विश्व लायन सेवा सप्ताह के तीसरे दिन संस्कार वैली स्कूल चिरौंजिया मोड़ गढ़वा में डेंटल अवेयरनेस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गढ़वा के जाने-माने दंत चिकित्सक लायन अशोक कुमार ने बच्चों को दांतों की सफाई के तरीके, टॉफी खाने से होने वाले नुकसान, दांत को सुरक्षित रखने में नमक और गर्म पानी की भूमिका, ब्रश करने की विधि के साथ ही साथ कई तरह के टिप्स बताए। साथ-साथ उन्होंने बताया कि कभी भी रात में दूध पीने के बाद बिना कुल्ला किए नहीं सोना चाहिए। दांतों में अन्न के टुकड़े फंसे रहने अथवा मीठे पदार्थ फंसे रहने के कारण कीटाणु पनपते हैं और दातों को कमजोर करते हैं अतः हमें रात्रि में अवश्य ही मुंह साफ करना चाहिए। खैनी, तंबाकू, गुटखा एवं पान खाने की आदत से भी दांतों को काफी नुकसान होता है। साथ ही साथ बच्चों को ब्रश और पेस्ट वितरित किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ गढ़वा सिटी के अध्यक्ष सुशील केसरी, रामनारायण प्रसाद, सेक्रेटरी संजय कुमार, उमाशंकर श्रीवास्तव और विद्यालय के निदेशक आकाश आनंद, वंदना कुमारी एवं शिक्षक शिक्षिकाएं तथा अभिभावक उपस्थित थे। लायंस क्लब ऑफ गढ़वा सिटी के अध्यक्ष सुशील केशरी ने बताया कि इस कैंप को करने का मुख्य उद्देश्य बच्चों में अपने दांतों को आजीवंत स्वस्थ और सुरक्षित रखने के उपाय बताना है।

तबीयत खराब होने से सीसीएल कर्मी का निधन, शोक

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार एरिया के सीएचपी/सीपीपी परियोजना में कार्यरत सीसीएल कर्मचारी जुगेश्वर महतो की तबीयत खराब होने से निधन हो गया। इससे कोयलांचल क्षेत्र में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार जुगेश्वर पिछले कुछ महीनों से बीमार थे। सीसीएल के गांधीनगर अस्पताल से उन्हें दिल्ली के गुड़गांव स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां मंगलवार की रात निधन हो गया। वह मूलरुप से पिपरवार थाना क्षेत्र के किचटो पंचायत के बन्हें गांव के रहने वाले थे। बुधवार की रात तक शव आने और गुरुवार को उनके पैतृक गांव बन्हें में अंतिम संस्कार किया जाएगा।उनकी एक बेटी, एक बेटा और पत्नी है। वहीं, निधन पर सीएचपी सीपीपी परियोजना पदाधिकारी डी कुमार, दामोदर महतो, आनंद सिंह, अब्दुल अंसारी, निर्मल उंराव आदि ने शोक प्रकट किया है।

रांची झारखंड राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष ने की कई योजनाओं की समीक्षा

डीलर समय पर लाभुकों को सही मात्रा में उपलब्ध करायें राशन: हिमांशु शेखर

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड राज्य खाद्य आयोग, रांची के अध्यक्ष हिमांशु शेखर चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को खूंटी परिसदन में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान पीडीएस, एमडीएम, आइसीडीएस और एमटीसी से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की गई। जनसुवाई के दौरान जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों द्वारा राशन वितरण में बरती जा रही अनियमितता के संबंध में 70 लाभुकों ने अपनी शिकायत दर्ज कराई। इस पर

खूंटी परिसदन में बैठक करते झारखंड राज्य खाद्य आयोग रांची के अध्यक्ष हिमांशु शेखर।

अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनसुनवाई में करा प्रखंड के कई लोगों ने राशन कार्ड नहीं मिलने की शिकायत की। पीडीएस के लाभुकों ने अध्यक्ष को बताया कि राशन सामग्री देने से पूर्व ही ठेपा लगवा लिया जाता है और राशन भी नहीं दिया जाता है। कई लाभुकों ने बताया कि डीलरों द्वारा नाप-तौल में भी अनियमितता बरती जाती है। एक अन्य महिला ने मातृ वंदना योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की। राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष की ओर से फरियादियों को यथोचित कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया गया। अध्यक्ष ने जिला आपूर्ति विभाग की ओर से सतर्कता समिति के गठन की जानकारी ली। साथ ही सभी पीडीएस डीलरों को अनिवार्य रूप से सूचना पट्टा लगाने के निर्देश दिया। अध्यक्ष ने जिला आपूर्ति कार्यालय, जिला समाज कल्याण, शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। सभी पीडीएस केंद्रों में निर्धारित समयावधि में उचित मात्रा में लाभुकों को खाद्य आपूर्ति करने और सभी विद्यायालों, आंगनबाड़ी केन्द्रो तथा कुपोषण उपचार केन्द्रो में सूची के अनुसार गुणवत्तापूर्ण पोषण आहार उपलब्ध कराने और सभी आंगनबाड़ी केंद्रों व विद्यालयों में सप्ताहिक सूची प्रकाशित करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एसी अरविंद कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सीएस, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला आपूर्ति पदाधिकारी के साथ ही अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रखंड और पंचायत स्तर की बाल कल्याण-संरक्षण समिति को पुनर्गठित करें : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। डीसी लोकेश मिश्र की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में बुधवार को मिशन वात्सल्य अंतर्गत जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक हुई। जिसमें डीसी ने मिशन वात्सल्य के तहत विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रखंड और पंचायत स्तर की बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति को पुनर्गठित करने का निर्देश दिया। इस दौरान प्रखंड स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के साथ मिलकर जागरूकता कार्यक्रम

चलाने का निर्देश दिया गया। डीसी ने निर्देश दिया कि बाल कल्याण समिति को प्रत्येक माह बाल गृह का निरीक्षण कर जिला प्रशासन को प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। साथ ही अंचलाधिकारी स्पांसरशिप से लिंक किये गए सभी बच्चों का सत्यापन करना सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में एसपी अमन कुमार, डालसा, सचिव मनोरंजन कुमार ,परियोजना निर्देशक, आइटीडीए, जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ अतुल कुमार चौबे और संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

खूंटी उपकारा से जमानत पर रिहा होंगे 50 विचाराधीन कैदी

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली और झालसा रांची के निर्देश पर खूंटी जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से बुधवार को विचाराधीन कैदियों से संबंधित यूटीआरसी की पहली बैठक बुधवार को हुई। जिसमें प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश, डीसी लोकेश मिश्र, एसपी अमन कुमार, डालसा सचिव मनोरंजन कुमार, कारा अधीक्षक, लोक अभियोजक, एलएडीसी के सभी सदस्य मौजूद थे। डालसा सचिव मनोरंजन कुमार ने बताया कि खूंटी जेल में कैदियों की संख्या लगभग 600 है। इनमें विचाराधीन 50 कैदियों के बारे में विचार किया गया। ये सभी कैदी सात वर्ष तक की सजावाले अपराध में शामिल

हैं, जिसका विचरण तेजी से होगा और उन्हें न्यायालय द्वारा जल्द ही जमानत पर छोड़ा जायेगा। यूटीआरसी ने इसकी सिफारिश की है। अगर कोई विचाराधीन कैदी अपने अधिवक्ता से कानून लाभ नहीं ले पा रहा है, तो वह डालसा की मदद से ले सकता है। बुधवार को ही आयोजित कार्यक्रम में डालसा द्वारा 100 दिवसीय बच्चों के हित संबंधित विशेष विधिक जागरूकता शिविर और विशेष सहायता अभियान का आयोजन किया गया। उन्होंने बच्चों की देखभाल और संरक्षण विधायक 2015, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बच्चों की तस्करी, शिक्षा का अधिकार, बाल विवाह पर रोक आदि विषयों पर जागरूक किया।

तालाब बना बहेरा-कल्याणपूर का मुख्य मार्ग

पांच वर्ष बाद भी पूरी नहीं हुई डेढ़ किलोमीटर तक सड़क

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बहेरा-कल्याणपूर का मुख्य मार्ग अधूरे सड़क निर्माण के कारण तालाब में तब्दील हो गया है। सबसे खराब स्थिति बहेरा मदरसा से लेकर बहेरा चौक तक की सड़क की है। यहां सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे होने के बाद बरसात में उसमें पानी जमा हो गया है। निकासी की जगह नहीं होने से सड़क पूरी तरह से तालाब में तब्दील हो गई है। यही कारण है कि लोग आए दिन यहां गिरकर घायल हो रहे हैं। गौरतलब हो कि झारखण्ड सरकार द्वारा 13.5 करोड़ रुपए की लागत से बहेरा से कल्याणपूर चौक तक करीब डेढ़ किलोमीटर सड़क बनाने की मंजूरी दी गई थी। वर्ष 2018 में सड़क निर्माण कार्य काफी तेज गति से शुरू की गई, लेकिन समय

बीतने के साथ निर्माण कार्य की गति धीमी होती चली गई और आलम यह है कि पांच वर्ष बीत जाने के बावजूद अभी तक डेढ़ किलोमीटर की यह सड़क नहीं बन सकी है। डेढ़ किलोमीटर के इस सड़क मे कल्याणपुर मस्जिद के पास एक पुल का भी निर्माण किया जाना है, लेकिन उक्त पुल को भी अभी तक नहीं बनाया गया है। कंपनी द्वारा पुराने पुल को भी तोड़ दिया गया है। खराब सड़क की मार झेल रहे स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि काफी आंदोलन और संघर्ष के बाद सरकार ने सड़क बनाने की मंजूरी दी थी,लेकिन निर्माण कंपनी के संवेदक की लापरवाही के कारण पांच वर्ष बाद भी सड़क नहीं बन सकी है। सड़क निर्माण कंपनी के संवेदक किसी की बात नहीं सुनते हैं।

विधानसभा में उठ चुका है मामला

बहेरा-कल्याणपूर मुख्य मार्ग मे बरती जा रही लापरवाही का मामला विधानसभा में भी उठाया जा चुका है। सिमरिया के भाजपा विधायक किशुन दास ने इस सड़क का निरीक्षण कर संवेदक को जल्द निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया था। बावजूद इसके काम चालू नहीं होने पर विधायक ने इस मामले को विधानसभा में उठाया था, बावजूद इसके अभी तक पहल नहीं की गई है।

बूथ स्तर तक कांग्रेस की मजबूती के लिए हर संभव प्रयास करें कार्यकर्ता: बंधु तिर्की

खूंटी (आजाद सिपाही)। कांग्रेस की खूंटी लोकसभा समन्वयक समिति की बैठक बुधवार को खूंटी क्लब परिसर में संपन्न हुई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में खूंटी लोकसभा प्रभारी बंधु तिर्की, संयोजक कालीचरण मुंडा उपस्थित थे। बैठक में बंधु तिर्की ने कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव को लेकर बूथ स्तर तक पहुंचने और संगठन की मजबूती के लिए हर संभव प्रयास करने को कहा। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव के बाद केंद्र में

आइएनडीआइए गठबंधन की सरकार बनते ही देश में जातीय आधार पर जनगणना करायी जाएगी। बैठक में विधायक भूषण बाड़ा, सुरेश बैठा, अमरेंद्र सिंह, पीटर मुंडू, रोशन बारवा, नमिता बा, अकील रहमान, रामकृष्ण चौधरी, ओम प्रकाश मिश्रा, पुनीत हेमरोम, सोनू, कुणाल कच्छप, एडवर्ड हंस, रविकांत मिश्रा, देवजीत देवघरिया, गोपाल भगत, जुनैद अहमद, जमील अख्तर, कैसर खान नईमुद्दीन खान, छोटराय किस्कू आदि मौजूद थे।

सिल्ली में झारखंड प्रीमियर लीग फुटबॉल का भव्य उद्घाटन, बाइचुंग भूटिया, एम विजयन, सुदेश महतो और पिल्लई आदि का फ्रेंडली मैच में शानदार प्रदर्शन

खेल साधना है, प्रतियोगिता में हिस्सा लेना छिपी क्षमता को तराशने का सशक्त माध्यम : सुदेश महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

सिल्ली। सिल्ली के एस्ट्रोटर्फ फुटबॉल स्टेडियम में बुधवार को फुटबॉल जगत के दिग्गज खिलाड़ियों के बीच खेले गए फ्रेंडली मैच के साथ ही झारखंड प्रीमियर लीग का भव्य शुभारंभ हुआ। झमाझम बारिश के बीच हुए मैच का दर्शकों ने आनंद उठाया। सिल्ली विधायक सुदेश महतो के साथ भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया, आई एम विजयन, जो पॉल अनचेरी और हॉकी के जादूगर धनंराज पिल्ले सरीखे महान खिलाड़ी विशेष तौर पर शामिल हुए। येलो ब्लू जर्सी में एम विजन इलेवन एवं रेड ब्लू की टीम में बाइचुंग-11 की टीम के बीच रोमांचक मैच हुआ। बाइचुंग-11 ने यह मैच 3-2 के मुकाबले से मैच

झारखंड प्रतिभावान खिलाड़ियों की उर्वरा धरती रही है : बाइचुंग भूटिया

जीत लिया। ईचुंग-11 की ओर से विधायक सुदेश महतो एवं आईएम विजेयन इलेवन की ओर से विधायक लम्बोदर महतो एवं सुदेश महतो के पुत्र सौर्य खेल रहे थे। इस दौरान बाइचुंग भूटिया, एम विजयन और सुदेश महतो ने उम्दा प्रदर्शन किया। मैदान में एम विजयन की टीम ने कई बार भूटिया की टीम पर दबाव बनाया लेकिन जीत बाइचुंग-11 की हुई। इससे पूर्व कस्तूरबा समेत विधानसभा क्षेत्र के कई स्कूलों की छात्राओं ने सामूहिक देश भक्ति और झारखंडी नृत्य के साथ खिलाड़ियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस समारोह में देश के पूर्व दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी अब्दुल खालिक, रत्न सिंह, विजेन सिंह, मंजीत सिंह, सुशील कुमार, नेल्सन एम वी, आशिफ साहिर, अनित घोष, अमित दास, गौतम घोष, आदिब हुसैन, तौसीफ जमाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

उधर, उद्घाटन समारोह में सुदेश महतो ने कहा कि खेल एक साधना है। खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेना अपनी छिपी हुई क्षमता को तराशने का सशक्त माध्यम है। यह लीग फुटबाल के क्षेत्र में झारखंड की पहचान बढायेगा। वहीं, खिलाड़ियों से बात करते हुए भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया ने कहा कि झारखंड प्रतिभावान खिलाड़ियों की उर्वरा धरती रही है। ऐसे आयोजन से खिलाड़ियों का प्रदर्शन और निखरता है। हॉकी के जादूगर प्रसिद्ध खिलाड़ी धनराज पिल्ले ने उपस्थित हॉकी खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि हॉकी में शुरू से ही झारखंड ने एक से बढ़कर एक खिलाड़ी इस देश को दिया हैं, जिन्होंने ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। यहां असीम प्रतिभा हैं, जरूरत है तो बस उसे पहचानने और निखारने की। गौरतलब है कि सिल्ली स्टेडियम में होने वाले इस लीग में आठ टीमें हिस्सा लेंगी।

महत्वपूर्ण न्यूज

भारी बारिश से तोरपा में गिरे कई घर, मुआवजे की मांग

खूंटी (आजाद सिपाही)। पिछले चार दिनों से लगातार हो रही झमाझम बारिश से सड़कों पर जलजमाव हो गया है। पानी की निकासी नहीं होने से इस तरह की समस्या उत्पन्न हुई है। जिस कारण आवागमन में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। साथ ही कई कच्चे मकान गिर गये। तोरपा प्रखंड मुख्यालय के साहू मुहल्ला निवासी बालचंद साहू का घर बुधवार अहले सुबह ढह गया। मंगलवार की रात हुई मूसलाधार वर्षा की वजह से दीवार गिर गई, जिससे घरेलू उपयोग की वस्तुएं बर्बाद हो गई। तोरपा पूर्वी पंचायत के उप मुखिया राजू साहू ने मामले को संज्ञान में लेकर बीडीओ दयानंद कार्जी और अंचलाधिकारी सच्चिदानंद वर्मा को घटना से अवगत कराया और उचित कार्रवाई की मांग की। उन्होंने बीडीओ से बालचंद साहू को पीएम आवास का लाभ देने की भी मांग की। इसके अलावा दियांकेल बडरूोली निवासीहीरा स्वांसी, लकरियास तोपनो और डोड़मा तेली टोली के साधु महतो, बबलू लोहरा, किशोर महतो व बिमल भेंगरा केघरभी भारी बारियश के कारण गिर गये। घटना की जाकनारी मिलने पर तोरपा प्रखंड के उप प्रमुख संतोष कर ने जानकारी ली और प्रशासन से प्रभावितों को उचित मुआवजा देने की मांग की।

बांस वन से नहीं भाग रहा हाथियों का झुंड, ग्रामीण परेशान

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। एक सप्ताह से हाथियों का झुंड बांस वन में डेरा डाले हुए है। ग्रामीणों के अनुसार हाथियों की संख्या करीब 50 है, जो शाम होते ही खेत में लगे धान को रौंद रहे है। वन विभाग, हाथी मित्र, स्थानीय प्रशासन हाथियों के भागने में तीन दिन से लगे है लेकिन हाथियों का झुंड नहीं भाग रहे है। बुधवार की शाम मुरुतडीह टुंगरी में होने के कारण सोनाहातू -जामुदाग सड़क कुछ देर के लिये आवागमन को बंद रखा गया। हाथियों के झुंड ने दिड़सीर मुरुतडीह इंद्रा कॉलोनी के किसान डोमन सिंह मुंडा के खेत में लगे धान फसल को रौंद दिया। रात को भी हाथी भगाने के लिये टीम लगी हुई है

आजसू ने मनाया जगुआर जवान का शहादत दिवस

राहे (आजाद सिपाही)। प्रखंड चैनपुर गांव के जगुआर जवान खंजन कुमार महतो का चौथा शहादत दिवस मनाया गया। आजसू कार्यकर्ताओं ने शहीद की प्रतिमा स्थल पर जाकर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। ज्ञात हो कि चैनपुर गांव के खंजन कुमार महतो 4 अक्टूबर 2019 को नामकुम थाना क्षेत्र में नक्सली हमले में शहीद हो गए थे। माल्यार्पण के अवसर पर प्रखंड प्रभारी संजय सिद्धार्थ, प्रमोद सिंह, वीरेंद्र महतो, जलेश्वर महतो, धनंजय महतो, विकास महतो, राजेश महतो, वेनु महतो, शहीद परिवार के सदस्य सहित ग्रामीण मौजूद थे।

एडरमहातू गांव में दुर्गा पूजा कमेटी का गठन

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के एडरमहातू गांव में दुर्गा पूजा को लेकर दुर्गा मंदिर प्रांगण में फणिभूषण सिंह मुंडा की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक स्हुई। जिसमें दुर्गा पूजा मनाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान पूजा समिति का गठन भी किया गया। जिसके अध्यक्ष मुरलीधर प्रसाद कोईरी, उपाध्यक्ष अर्जुन सेठ, सचिव दिलीप कुमार कोइरी, कोषाध्यक्ष, हरेलाल कोइरी का चयन किया गया। कमेटी ने निर्णय लिया कि मुरलीधर प्रसाद कोइरी प्रति वर्ष मुख्य उपासक का काम करेंगे एवं पूजा की सामग्री वे ही देंगें।

बुंडू में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू के जिला परिषद के भवन में बुधवार को डालसा की ओर से विधिक जागरूकता शिविर लगाया गया। इस अवसर पर एक संगोष्ठी रखी गई जिसमें लोगों को अधिवक्ताओं ने जागरूक करने के साथ कानूनी सलाह भी दी । बुंडू नगर पंचायत के नागरिक जिला परिषद भवन में उपस्थित होकर अपने अधिकारों के प्रति सजग हुए। इस अवसर पर अधिवक्ता राजेश सिंह, पीएलवी रूक्मिणी देवी, सोनामनी देवी, आरती कुमारी, मुस्कान कुमारी और लता कुमारी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

तमाड़ के रडगांव का आयुर्वेदिक भवन जर्जर

तमाड़/रडगांव (आजाद सिपाही)। तमाड़ प्रखंड के रडगांव में आयुर्वेदिक भवन पूरी तरह से जर्जर हो गई है। छत का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह से झड़ गया है। जगह-जगह छड़ें नजर आ रही है। आयुर्वेदिक चिकित्सा पदाधिकारी कौन है किसी को पता नहीं है। दवा रखने की भी जगह नहीं है। कई बार स्वास्थ विभाग को पत्र लिखकर मरम्मती की गुहार लगाई गई है। पर अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। अब तो आयुर्वेदिक भवन धंसने की कगार पर है।

राय छलटा पुल टूटने से अशोक परियोजना की कोयला ढुलाई 10 दिनों से बंद, डिस्पैच भी ठप

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के अशोक परियोजना से आरसीएम साइडिंग तक होने वाली कोयला ढुलाई का काम पिछले 10 दिनों से बंद है। जिस कारण आरसीएम साइडिंग में कोयले के अभाव में रैक लोडिंग और डिस्पैच कार्य पूरी तरह से बंद हो चुका है। जानकारी के अनुसार 25 सितंबर की शाम राय सपही नदी के छलटा पुल के टूट जाने से कोयला ढुलाई का काम बंद हो गया। पुल टूटने से उक्त मार्ग पर कोयला ढुलाई का काम बंद होने से सीसीएल प्रबंधन को प्रतिदिन करोड़ों रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं आरसीएम साइडिंग से रैक लोडिंग और डिस्पैच का काम बंद होने से रेलवे प्रबंधन को करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है,जबकि ट्रांसपोर्टिंग और साईडिंग से जुड़े सैकड़ो मजदूरों के समक्ष भूखमरी की समस्या उत्पन्न हो चुकी है। इस संबंध में प्रबंधन ने बताया कि अशोक परियोजना से हाईवा डंपर के माध्यम से प्रतिदिन 6000 टन कोयले का ट्रांसपोर्टिंग कार्य किया जाता था, जबकि आरसीएम साईडिंग से प्रतिदिन 2 से 3 रैक कोयले का डिस्पैच देश के विभिन्न पावर प्लांट के लिए किया जाता था। ऐसे में आरसीएम साईडिंग से विभिन्न पावर प्लांट में भेजे जाने वाले कोयले की डिस्पैच बंद होने से पावर प्लांट में कोयले की कमी उत्पन्न हो गई है और कभी भी बिजली संकट गहरा सकता है।

राशन कटौती के खिलाफ ग्रामीणों ने मुख्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। राशन कटौती के खिलाफ जोन्हा के ग्रामीणों ने बुधवार को प्रखंड मुख्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। सामाजिक कार्यकर्ता जयराम महली के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों की शिकायत है कि जोन्हा के एक राशन डीलर द्वारा कार्डधारियों से दो बार अंगुठा लिया गया तथा कटौती कर आधा राशन ही दिया गया। यह भी आरोप लगाया कि इसका विरोध करने पर डीलर द्वारा उन्हें यह कहा गया कि कहीं भी जाकर इसकी शिकायत करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। क्योंकि नीचे से उपर तक सबको खुश रखा जाता है। बाद में बीडीओ को एक ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें गरीबों के अनाज की कालाबाजारी करने वाले उक्त डीलर के खिलाफ जांच कर उसका निबंधन निलंबित करने तथा यहां के कार्डधारियों को लेप्सर, जिदू या मुंसगू के डीलर में टैग करने की मांग की गई। विरोध प्रदर्शन में इंद्रनाथ महली, भीम मुण्डा, शैलेश कुमार, बरजू महली सहित अन्य शामिल थे।

भारी बारिश में महिला का कच्चा मकान गिरा, परिवार हुआ घर विहिन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। लगातार हो रही बारिश से प्रखंड के बीसा पंचायत अंतर्गत कडरूटोली की रहने वाली गरीब महिला भुखली देवी पति अकलू भोगता का कच्चा मकान गिर गया। बताया गया कि मंगलवार की रात उस वक्त घर गिर गया जब भुखली देवी अकेली घर में सो रही थी। घर ध्वस्त होनें से भुखली देवी घायल हो गई। वहीं घर में रखा अनाज, बर्तन आदि मिट्टी के मलवे में दब कर बर्बाद हो गये। घर ध्वस्त हो जाने से भुखली का परिवार घर विहिन हो चुका है। फिलहाल तिरपाल की झोपड़ी बनाकर पूरा परिवार किसी तरह रात गुजारने पर विवश है। पंचायत के उपमुखिया संजय भोगता ने बीडीओ अनगड़ा से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने तथा एक आवास स्वीकृत किए जाने की मांग की है।

शालिनी अस्पताल व उषा मार्टिन फाउंडेशन ने निशुल्क नेत्र जांच शिविर का किया आयोजन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। शालिनी अस्पताल एवं उषा मार्टिन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को सूर्यनगर लालगंज में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 130 से भी अधिक मरीजों के नेत्र की जांच की गई तथा 60 लोगों के बीच चश्में का वितरण किया गया। इसमें मोतियाबिंद के मरीजों की भी पहचान की गई। नेत्र जांच मुकेश कुमार एवं भारती कुमारी द्वारा किया गया। मौके पर शालिनी अस्पताल के प्रबंधक राणा विकास ने कहा कि अस्पताल एवं उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा लगातार क्षेत्र में शिविर लगाकर इस तरह के स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसका अधिक से अधिक ग्रामीण लाभ उठा रहे हैं। शिविर को सफल बनाने में शालिनी अस्पताल के शिशिर कुमार भगत, विजेन्द्र दास, संपूर्णानंद महतो, मोहर महतो, रोशन लिंडा, वरूण कुमार, दयाशंकर पाण्डेय आदि का योगदान रहा।

एसएसबी के मेगा फुटबॉल टूर्नामेंट की विजेता बनी एफसी गंजूडीह की टीम

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। एसएसबी 26वीं वाहिनी अनगड़ा रांची द्वारा आयोजित मेगा फुटबॉल टूर्नामेंट का बुधवार को समापन हुआ। कमांडेंट एसडी शेरखाने के निर्देश पर यह प्रतियोगिता विगत 29 सितंबर से बाशुकोचा (रांची) में चल रही थी। बुधवार को मेगा फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला एफसी गंजूडीह और एफसी बुरुडीह टीम के बीच खेला गया। जिसमें गंजूडीह की टीम ने बुरुडीह की टीम को 4-2 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। समापन समोराह के मुख्य अतिथि वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी सचिन कुमार थे। मौके पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए सचिन कुमार ने सभी खिलाड़ियों को उनके बेहतरीन खेल प्रदर्शन के लिए प्रशंसा की तथा भविष्य में राज्य/राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए शुभकामनाएं दी। बाद में अयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता एवं उप विजेता टीम को ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट को सफल बनाने में निरीक्षक विकास कुमार, बलकर्मी, ग्रामीणों सहित अन्य का योगदान रहा।

नगड़ी के नये सीओ ने किया पदभार ग्रहण

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी अंचल में बुधवार को नये अंचलाधिकारी के रूप में राकेश श्रीवास्तव ने पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान सीओ संतोष कुमार शुक्ला ने नये सीओ को पदभार सौंपा। इस अवसर पर नये सीओ ने कहा कि अंचल में ईमानदारीपूर्वक आम और खास सभी लोगों का काम होगा और न्याय संगत सभी कार्य होंगे। गलत कार्यों के लिये यहां ऑफिस में जगह नहीं होगी।

बेड़ो मुरतो दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने सुदर्शन साहू

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के मुरतो गांव में मंगलवार को दुर्गा पूजा महापर्व धूमधाम मनाये जाने की तैयारी को लेकर समिति के सदस्यों की एक बैठक की गई। बैठक में सर्वसम्मति से दुर्गा पूजा की नई समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष सुदर्शन साहू, उपाध्यक्ष नंदलाल सिंह, सचिव राकेश साहू, कोषाध्यक्ष महावीर साहू, संयोजक आनंद गुप्ता, आनंद साहू, राजेश साहू, ईश्वर कुमार, पारस ठाकुर, विष्णु साहू, संरक्षक शिव नंदन सिंह, जय कुमार, राजेश साहू, बैजनाथ साहू, राम लखन साहू, विष्णु प्रसाद गुप्ता, कलिंदर साहू, राजेंद्र साहू, सुख सागर साहू, सदस्यों में मनोहर साहू, प्रदीप साहू, अजय सिंह, रोहित कुमार, प्रकाश साहू, राजू साहू को चुना गया है।

बैठक : बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत ओरमांझी मंडल भाजपा की बैठक आयोजित

भाजपा बूथ से लेकर केंद्र स्तर तक हाइटेक हो गयी है : प्रो. आदित्य साहू

राज्यसभा सांसद ने बूथ स्तर पर कार्य नही करने वाले कार्यकर्ताओ को बदल कर नये लोगों को जोड़ने के दिये निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी। ओरमांझी मंडल अध्यक्ष दिलीप मेहता की अध्यक्षता में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर ओरमांझी में बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र संयोजक, सह संयोजकों एवं मंडल पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री सह राज्यसभा सांसद प्रो. आदित्य प्रसाद साहू ने कहा कि बूथ सशक्तिकरण सत्यापन कार्यक्रम चल रहा है। जिसमें सभी बूथों का बूथ अध्यक्ष, संयोजक, सह संयोजक एवं मंडल पदाधिकारी के कार्यों में तेजी लाई जा सके। बूथ स्तर पर कार्य नहीं करने वाले कार्यकर्ताओं को बदल कर नए लोगों को जोड़ें। भारतीय जनता पार्टी बूथ स्तर से केंद्र स्तर तक हाईटेक हो गयी है। भारतीय जनता पार्टी दल नहीं एक परिवार है। इस पार्टी में समर्पित कार्यकर्ता चुनाव लड़ते हैं और विधायक, सांसद हैं। नरेंद्र मोदी जैसे कार्यकर्ता आज देश के प्रधानमंत्री हैं। प्रधान मंत्री जी ने सिर्फ नौ वर्ष में देश का कायाकल्प कर दिया। पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है।

आगामी लोकसभा चुनाव में राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित मोदी सरकार को सशक्त बनाने के लिए हम सभी को संकल्प लेने की आवश्यकता है।

बैठक में मुख्य रूप से बूथ सशक्तिकरण के प्रभारी खिजरी के पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी, ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो, जिला उपाध्यक्ष, महामंत्री अलखनाथ महतो, उपाधक्ष राजधाम साहू, सुनील कुमार, राजनाथ ओरांव, मंत्री राजकिशोर साहू, भानु प्रताप महतो, विवेक सिंह, कलावती देवी, गणेशकिशोर महतो, सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता, भीम मुंडा, नीलमोहन पाहन, ममता देवी, शंकर महतो, प्रवेश भोगता, दीनदयाल लोहार, अजय साहू, शशि मेहता, राजेंद्र चौधरी, कामेश्वर महतो, बालक महतो, तेजू प्रजापति, सिकंदर महतो, धनंजय महतो, आनंद मेहता, गणेश महतो, रूपेश प्रजापति, अर्जुन बेदिया आदि उपस्थित थे।

प्रखंड के वीरों की स्मृति को ससम्मान समर्पित है कलश की माटी : बीडीओ

बेड़ो प्रखंड से अमृत कलश यात्रा का कारवां जिला रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत बुधवार को बीडीओ डा प्रवीण कुमार की अगुवाई में प्रखंड से अमृत कलश को जिला के लिए सम्मान के साथ रवाना किया गया। इससे पूर्व प्रखंड 17 पंचायतों की सभी गांव से संग्रहित की गई मिट्टी को बड़े कलश में डाला गया। मौके पर बीडीओ ने कहा कि प्रखंड के विभिन्न गांव से इकट्ठा की गई मिट्टी हमारी उन वीर सपूतों का यादगार है। जिन्होंने देश के लिए अपनी जान की कुबार्नी दी। जिन्होंने संपूर्ण जीवन अपने देश और अपनी माटी के लिए समर्पित कर दिया। अमृत कलश यात्रा उन वीरों के सम्मान की यात्रा है। उन्होंने कहा कि संग्रहित की गई यह मिट्टी आज जिला भेजी जा रही है। इसके बाद इसे दिल्ली के कर्तव्य पथ पर बन रहे अमृत वाटिका को विकसित करने के लिए भेज दिया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दिया कि वैसे स्वतंत्रता सेनानी जिन्हें लोग नहीं जानते हैं, उनका नाम अमृत वाटिका के शिल्प पट पर अंकित होगा। जिससे हमारे क्षेत्र के वीर सपूत हमेशा के लिए अमर हो जायेंगे। अमृत कलश यात्रा को प्रखंड परिसर से पारंपरिक सम्मान के साथ विदाई दी गई।

इधर सीओ सुमंत तिर्की ने क्षेत्र के वीर सपूतों के बारे में जानकारी दिया। मौके पर बीपीओ संजय तिर्की, फारूक नदीम, पंचायतों के मुखिया और नेहरू युवा केंद्र के सदस्य समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

मुड़मा में भव्य फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन

दर्शकों के बैठने के लिए स्टेडियम की तर्ज पर कुर्सी बनायी गयी है

आजाद सिपाही संवाददाता

मांडर। प्रखंड स्थित मुड़मा मैदान में युवा फुटबॉल क्लब मेशाल, सुरसा मुड़मा के द्वारा पांच दिवसीय फुटबॉल मैच की शुरूआत बुधवार को किया गया। शुरूआती मैच स्टूडेंट लेम बड़ागाईं और एफ सी मांडर के बीच खेला गया। जिसमें मांडर ने टाइब्रेकर से 5 -4 से विजय प्राप्त किया। दूसरा मैच में अल्जेबार पारा मेडिकल ब्राम्बे और सुख शान्ति क्लब ब्रांबे के बीच हुआ। जिसमें सुख शान्ति क्लब ब्रांबे टाईब्रेकर से 5-4 से विजय रही। वहीं क्वार्टर फाइनल सुख शान्ति क्लब ब्रांबे और मांडर के बीच हुई जिसमे सुख शान्ति क्लब ब्रांबे 1-0 से विजय रहा।

इससे पहले मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित खलारी के पूर्व जिला परिषद सदस्य अब्दुल्ला अंसारी और विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी और पूर्व डीसी परमेश्वर भगत ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा फुटबॉल को की मारकर मैच की शुरूआत की। आयोजन के द्वारा अतिथियों को बुके देकर स्वागत किया गया। इसमें अलजेबर पारा मेडिकल कॉलेज ग्रुप ब्राम्बे के द्वारा मेडिकल कैंप लगाया गया था। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए अब्दुल्लाह अंसारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उसे एक मंच की जरुरत है। आज झारखंड के ग्रामीण क्षेत्र से निकालकर युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम कमा रहे हैं। खेल को बढ़ावा देने के लिए मैं शुरू से सहयोग करता रहा हूं और आगे भी करता रहूंगा। मौके पर साकिर इस्लाही, मानकर आलम, नुरुल्लाह हबीब नदवी, शमीम अख़्तर आजाद, जमील अख्तर, बेलाल अंसारी, एकराम हुसैन, अध्यक्ष अख़्तर अंसारी, सचिव इनामुल अंसारी, कोषाध्यक्ष एकराम हुसैन, संरक्षक मंसूर आलम, समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बैठक : बूथ सशक्तिकरण के तहत पिठोरिया मंडल भाजपा की बैठक आयोजित

पिठोरिया मंडल के सभी 63 बूथों का किया गया सत्यापन

आजाद सिपाही संवाददाता

पिठोरिया। भारतीय जनता पार्टी पिठोरिया मंडल में बूथ सशक्तिकरण के निमित आज दूसरी बैठक में बूथ सत्यापन का कार्य किया गया। जिसमें पिठोरिया मंडल के सभी 63 बूथों का सत्यापन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष गोपाल महतो ने की।

बैठक में प्रभारी के रूप में प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह पूर्व जिला परिषद सदस्य अनिल महतो (टाइगर) एवं रामप्रवेश नायक, वरिष्ठ कार्यकर्ता एससी मोर्चा प्रदेश मंत्री खुदा राम उपस्थित रहे। बैठक का संचालन महामंत्री लखन उरांव एवं शंकर महतो ने किया। बैठक में पिठोरिया मंडल के सभी 63 बूथों के संयोजक, सहसंयोजक, बूथ अध्यक्ष उपस्थित रहे।

बैठक भाजपा पिठोरिया मंडल में निवास करने वाले रांची जिला ग्रामीण एससी मोर्चा अध्यक्ष मनोज राम मंत्री सुरेश राम, रांची जिला ग्रामीण मंत्री मुनी मुंडा, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र गोप, युवा मोर्चा अध्यक्ष श्रवण गोप, महामंत्री उदय कुमार, विकास मुंडा, महिला मोर्चा अध्यक्ष मीरा देवी, महामंत्री उषा देवी, युवा मोर्चा कार्य समिति सदस्य अनुराधा देवी, फुल मनी लकड़ा, मनीषा देवी, पिठोरिया मंडल संयोजक, विनोद रजक, अखिलेश्वर पाठक, बीरवा लिंडा, साल्कू महतो, उपाध्यक्ष इंद्रजीत मिश्रा, आईटी सेल रामप्रसाद गोप, मंत्री इंद्रजीत मिश्रा, उपाध्यक्ष रविंद्र प्रसाद, मोती राम महतो, अर्जुन महतो, लाल रंजन नाथ शाहदेव, अटल सिंह, हरिप्रसाद, एसटी मोर्चा अध्यक्ष विष्णु उरांव, उपाध्यक्ष झुबला कच्छप, विकास मुंडा, अशोक कुमार महतो, शिवलाल महतो, लक्ष्मण महतो, विनोद महतो, मोतीलाल महतो, अर्जुन महतो, कोषाध्यक्ष अरविंद साहू, कृष्णा महतो, एससी मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष शशि राम, रणधीर सिंह, नरेश गोप, अरुण गोप सहित मंडल के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महत्वपूर्ण न्यूज

दुर्गा पूजा को लेकर पूजा पंडालों का निर्माण कार्य जोरों पर

नामकुम (आजाद सिपाही)। दुर्गा पूजा को लेकर नामकुम क्षेत्र में पूजा पंडालों का निर्माण कार्य तेजी पर है। पंडालों में निर्माण कार्य को लेकर बड़ी संख्या में बंगाल से आये कारीगर इसे मूर्त रूप देने में लगे हुये हैं। हर आयोजन समिति अपने पूजा पंडाल को अधिक से अधिक आकर्षक बनाने के लिये उसका निरीक्षण भी कर रहे हैं और जरूरत के अनुसार निर्देश भी दे रहे हैं। इसी कड़ी में नामकुम के जय माता दी क्लब दुर्गा पूजा समिति का दुर्गा पूजा पंडाल कर्नाटक के कोटिलिंगेश्वर मंदिर का प्रारुप पर तैयार किया जा रहा है। करीब 40 फीट ऊंचा और 10 लाख की लागत से बन रहे पूजा पंडाल के निर्माण में दर्जनों कारीगर जुटे हुये हैं। बता दें कि यहां पूजा का आयोजन समिति के अध्यक्ष बिनोद सिंह के द्वारा अपने खर्चे पर किया जाता है। उन्होंने आजाद सिपाही से बात करते हुये बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विद्युत साज-सज्जा काफी बेहतरीन और पूजा पंडाल में क्रमशः 25 शीशवाली मां दुर्गा के साथ मां सरस्वती, लक्ष्मी, कार्तिक और गणेश के भी श्रद्धालु दर्शन करेंगे। बताया कि दान पेटी में दिया हुआ दान किसी गरीब के बेटी की शादी में देकर मदद करेंगे। वहीं, पूजा के दौरान लगातार चार दिनों तक श्रद्धालुओं के लिये भंडारा का आयोजन किया जाएगा।

दशहरा समिति टाटीसिलवे की बैठक आयोजित

नामकुम (आजाद सिपाही)। दशहरा समिति टाटीसिल्वे की रावण दहन को लेकर बुधवार को एक बैठक टाटी पूर्वी पंचायत भवन में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता शंकर प्रसाद ने की। जिसमें रावण दहन तैयारी को लेकर विस्तार से चर्चा किया गया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष ओर भी बेहतर एवं भव्य तरीके से कार्यक्रम को करना है। साथ ही नये सदस्यो को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ना है। बैठक में मुख्य रूप से शंकर प्रसाद, रासेश्वर नाथ मिश्र, ब्रजेश सिंह, मंगल गुप्ता, उमेश प्रसाद, लखिन्द्र महतो, गोविंद महतो, मुकेश महतो, जयपाल हजाम, जलेश्वर महतो, टाटी पूर्वी मुखिया कृष्णा पहान, मनोरंजन मिश्रा, जगलाल महतो, छोटेलाल महतो, राजू पाठक, सनील जाय, अमरेंद्र सिंह, रमेश कुमार, धीरेंद्र त्रिपाठी, सुरेंद्र ठाकुर, गाजू महतो, बरतु महतो, कमल मंडल, रंधीर सिंह, रंजित सिन्हा, उधवचंद महतो, श्रीदाम सिंह मुंडा, निमय गोस, विजय महतो, कमलेश सिंह, सकुन के साथ समिति के सदस्य शामिल हुए।

सीआइटी के विद्यार्थिओं ने साइंस सेंटर का किया भ्रमण

नामकुम (आजाद सिपाही)। सत्र 2023/24 में नव नामांकित विद्यार्थियों के लिये कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में चल रहे 21 दिवसीय ओरिएंटशन कम इंडक्शन प्रोग्राम के तहत विद्यार्थिओं ने चिरौदी स्थित साइंस सेंटर का भ्रमण किया। साइंस सेंटर के पदाधिकारिओं ने विद्यार्थिओं को तारामंडल, नव ग्रहों की स्थिति, झारखंडी कल्चर, विलुप्तप्राय प्राणियों के इतिहास के अलावे ग्राफिक्स के माध्यम से चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग के दृश्य से अवगत कराया। ओरिएंटशन कमिटी के कोर्डिनेटर डॉ प्रणव कुमार ने बताया की एआईसीटीई के निर्देशनुसार 21 दिवसीय ओरिएंटशन कम इंडक्शन प्रोग्राम के तहत नावागंतुक विद्यार्थिओं के लिये शैक्षणिक के अलावा अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। ताकि विद्यार्थी नये माहौल में आसानी से ढल सके। विद्यार्थियों के साथ संस्थान के शिक्षक प्रो. अमित चतुवेर्दी, प्रो एस एस धॉल, आलिया रहमान, पप्पू कुमार आदि साथ थे।

रंगामाटी बरवाटोली के जैविक किसान हरिलाल बेदिया को किया गया सम्मानित

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। आदिवासी आदर्श पंचायत नवागढ़ जिसे आदर्श के साथ - साथ जैविक योगिक एवं नैतिक पंचायत के रूप में विकसित करने की कल्पना की गई। इसी कड़ी में आज रंगामाटी बरवाटोली के उन्नत जैविक किसान हरिलाल बेदिया जो एसटीआई हब के कार्यकर्ताओं से प्रेरित होकर स्वयं जैविक खाद एवं जैविक दवा बनाकर अपनी फसलों में उपयोग करते हैं और अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं, को प्रोत्साहन के लिए आज बुधवार को दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र रामकृष्ण मिशन आश्रम रांची में आश्रम के सचिव स्वामी भवेषानन्द जी महराज के हाथों अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र एवं आम का पौधा देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ दुलमी प्रखण्ड के गांगेश महतो को भी सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में ब्रह्मचारी देवात्मचैतन्य महराज, दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रधान सह वरीय वैज्ञानिक डॉ. अजित सिंह, डॉ, राजेश कुमार, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. नेहा राजन, डॉ. विशाखा सिंह, आर.के.एम.भेरी के डॉ. राघव ठाकुर, अरूण भक्त, ओपी शर्मा आदि उपस्थित थे।

राजकीय मवि अरमालटदाग के सेवानिवृत्त प्रभारी प्रधानाध्यापक को दी गयी विदाई

लापुंग (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय के सभागार में राजकीय मध्य विद्यालय अरमालटदाग के सेवानिवृत्त प्रभारी प्रधानाध्यापक शशिकांत सिंह को सम्मान समारोह आयोजित कर विदाई दी गयी। कार्यक्रम को सफल बनाने में बीपीओ लीलावती तिर्की, बीआरपी रेशम शाहदेव, सीआरपी सुनील कुमार गुप्ता, चंद्रमोहन ठाकुर, दोलैचा के प्रभारी प्रधानाध्यापक उपेन्द्र सिंह, राणा जितेंद्र, उदय कुमार, जीवेश्वर साय, संजय कुमार सिंह, जुबैर अंसारी, आगुस्टीन लकड़ा, हरिपाल उरांव सहित कई विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष लाल दिलीप कुमार सिंह, सचिव संजय कुमार महतो, भुवंजय साहू तथा विपुल लकड़ा सहित दर्जनों शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा राजकीय मध्य विद्यालय लापुंग की छात्राओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई।

जुबानी हमला : हुसैनाबाद की संकल्प यात्रा में पूर्व सीएम व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने हेमंत सरकार पर हल्ला बोला

झारखंड में घूसखोरी और भ्रष्टाचार ले चुका है उद्योग का रूप: बाबूलाल

राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो भ्रष्टाचारियों की जगह जेल में होगी

धनंजय कुमार

हुसैनाबाद। झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को हुसैनाबाद के कपूर्री मैदान में संकल्प यात्रा के तहत आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। बाबूलाल के हुसैनाबाद पहुंचने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद कुमार सिंह, रविंद्र कुमार सिंह उर्फ बबलू सिंह, कर्नल संजय सिंह, अशोक कुमार सिंह आदि ने महुदंड मोड़ के समीप भव्य स्वागत किया। भारी संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने उन्हें ढोल-नगाड़े के साथ उन्हें हुसैनाबाद अनुमंडल के कपूर्री मैदान में पहुंचाया। सभा को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने मौजूदा हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस राज्य में दलालों और भ्रष्ट अफसरों की सरकार है। जेएमएम, कांग्रेस, राजद प्रदेश में सिर्फ लूट करने के लिए सरकार बनाते हैं। इस प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ गयी है। अपराधियों का मनोबल बढ़ चुका है। राज्य में भ्रष्टचार और घूसखोरी उद्योग का रूप ले चुका है। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी के कारण गरीब मरीजों का इलाज नहीं हो रहा है। आनेवाले दिनों में अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो इन सभी विषयों पर जांच करवायी जायेगी। दोषियों की जगह जेल के अंदर होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र की योजनाओं की राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। मरांडी ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर जनता के अनाज को बाजारों में बेच कर तिजोरी भरने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों को अनाज दे रहे हैं। लेकिन प्रदेश की सरकार ने जनता के अनाज को बेच कर उस पैसे से अपनी तिजोरी भरी है। उन्होंने प्रदेश में फैले व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए यहां की जनता को संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश में 2024 में फिर से केंद्र में मोदी की सरकार बनेगी और प्रदेश में भाजपा की सरकार होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पलामू जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक ने की, संचालन जिला महामंत्री सुरेंद्र विश्वकर्मा ने किया। सभा को मुख्य रूप से प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय, कार्यक्रम प्रभारी प्रभात भुइयां, विपिन कुमार सिंह, मनोज सिंह, पूर्व सांसद पलामू बृजमोहन राम, जवाहिर पासवान, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विनोद कुमार सिंह, रविंद्र कुमार सिंह, कर्नल संजय सिंह, कामेश्वर कुशवाहा, रामप्रवेश सिंह, संतोष सिंह, प्रेमतोष सिंह, अविनाश वर्मा आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

हुसैनाबद में आयोजित सभा मंच पर प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का स्वागत करते भाजपा नेता व कार्यकर्ता।

विजय व कैलाश सिंह ने अपने आवास पर किया बाबूलाल मरांडी का स्वागत

बाबूलाल मरांडी का स्वागत करते विजय सिंह, कैलाश सिंह व अन्य।

आजाद सिपाही संवाददाता

छतरपुर/पलामू। झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी का छतरपुर में भव्य स्वागत किया गया। रिमझिम बारिश में भी छतरपुर के फुलवारी मैदान में भारी संख्या में लोग उनकी बातों को सुनने के लिए एकत्रित हुए थे। जनसभा को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार जनता के अनुरूप भारत के लिए बेहतर कार्य कर रही हैं। जनसभा खत्म होने के बाद बाबूलाल मरांडी भाजपा नेता विजय सिंह के आवास पहुंचे। वहां उनका विजय सिंह एवं कैलाश सिंह ने पुष्प गुच्छ देकर भव्य स्वागत किया। इसके बाद पूर्व सीएम को भोजन कराया गया। इस दौरान वहां भाजपा के कई लोग उपस्थित थे।

डीसी आवास कितना सुरक्षित : अरुणा शंकर

असमाजिक तत्वों ने डीसी आवास के पास सड़क किनारे लगे धौलपुर जाली को तोड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने एक बार फिर दुख जाहिर करते हुए कहा कि कुछ लोग शहर की सुंदरता को तहस-नहस करने में लगे हैं। एक साजिश के तहत मंगलवार की रात शहीद चौक (कचहरी चौक) जो शहर का एक तरह से सेल्फी प्वाइंट बन गया है के सड़क किनारे लगे धौलपुर जाली को तोड़ दिया गया। प्रथम महापौर ने कहा कि मुझे आश्चर्य इस बात का है की उस चौक पर पलामू डीसी का संत्री रात-दिन ड्यूटी करता है। फिर भी ना ही वे लोग तोड़ने वाले को देख पाए और ना पकड़ पाए।

देखे भी तो उसे तोड़ने से रोक नहीं पाए। ऐसे में डीसी आवास कितना सुरक्षित होगा यह सोचने की बात है। पलामू एसपी से अपील है कि स्टेट बैंक में लगे सीसीटीवी फुटेज को देखते हुए ऐसे शरारती लोगों पर त्वरित कार्रवाई की जाए और इनके पीछे कौन ताकत दे रहा है पता कराया जाए, ताकि शहर की खूबसूरती को बचाई जा सके। गौरतलब हो कि दो दिन पहले ही शहर के मरीन ड्राइव और अन्य जगहों पर भी असमाजिक तत्वों ने इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया था।

ऐतिहासिक होगी बाबूलाल मरांडी की जनसभा : डॉ ईश्वर सागर

छह अक्तूबर को बाबूलाल मरांडी की विश्रामपुर में जनसभा, भाजपा का दावा 25 हजार लोग होंगे शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। संकल्प यात्रा के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी आगामी छह अक्टूबर को विश्रामपुर आयेंगे। जहां जनता उच्च विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इसकी जानकारी भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन कर दी। उन्होंने बताया कि बाबूलाल मरांडी के संकल्प यात्रा की तैयारी जोरों पर है। उनके स्वागत के लिए पड़वा मोड़ से विश्रामपुर तक दर्जनों तोरण द्वार बनवाए जा रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता ब्रहमोरीया मोड़ से बीमोड़ तक जगह-जगह उनका भव्य स्वागत करेंगे। बाबूलाल मरांडी का यह प्रस्तावित कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। उन्होंने दावा किया कि विश्रामपुर के जनसभा में 25 हजार से भी ज्यादा लोग शामिल होंगे। जनसभा की सफलता के लिए भाजपा कार्यकर्ता जी जान से जुटे हुए हैं। उन्होंने आम लोगों से भी जनसभा में शामिल होने की अपील की है।

चौकड़ी में करंट लगने से बच्चे की हुआ मौत

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। अनुमंडल क्षेत्र के हैदरनगर प्रखंड के चौकड़ी गांव में करंट लगने से आठ साल के एक बच्चे की मौत हो गयी। मृतक के पिता चंदन राम ने बताया कि बुधवार को करंट लगने के बाद बेहोशी की हालत में उसे आनन फानन में हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। पर अस्पताल जाने के दौरान रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

चीन में हिमाचल की जय, रितु नेगी की कप्तानी में कबड्डी टीम की बड़ी जीत

होंगझोउ (एजेंसी)। चीन के हांगझोऊ शहर में चल रहे एशियाई खेलों में बुधवार को हिमाचल की रितु नेगी के नेतृत्व वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम ने अपने आखिरी लीग मुकाबले में थाइलैंड को करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह पक्की है। भारत ने थाइलैंड को एकतरफा मुकाबले में 54-22 से अंतर से हराया।

डेयरी प्लांट की स्थापना से मिला रोजगार का अवसर : रामेश्वर उरांव

कहा-महुआ, पलास, लाह की खेती को पुनर्जीवित करने की है जरूरत

डेयरी प्लांट से पशुपालकों-किसानों की बढ़ेगी आय, जीवन में आएगा सकारात्मक बदलाव

जयकांत/रामप्रकाश

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। राज्य के योजना सह वित्त विभाग के मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि मेधा डेयरी प्लांट के स्थापित होने से रोजगार का अवसर प्राप्त होगा। दूध का व्यापार बढ़ेगा, जिससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी। मंत्री ने कहा कि पलामू में पलाश, लाह और महुआ अर्थव्यवस्था का आधार हुआ करता था। इस व्यवस्था को सरकार पुर्नजीवित करने के लिए प्रयत्नशील है। उन्होंने मुख्यमंत्री से डेयरी प्लांट में तकनीकी पदों को छोड़कर अन्य पदों पर स्थानीय लोगों को रोजगार देने का अनुरोध किया।

डेयरी प्लांट से गौ पालन का होगा विकास : डीसी

पलामू डीसी शशि रंजन ने कहा कि डेयरी प्लांट की स्थापना से ग्रामीण विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। डेयरी प्लांट की स्थापना से गौ पालन का विकास होगा। इससे गोबर भी प्राप्त होंगे। इसके लिए गोबर गैस संयंत्र स्थापित किया जाएगा। गौ-पालन से रोजगार का अवसर मिलेगा और किसान नई दिशा और दशा तय कर पाएंगे। डीसी ने सरकार की ओर से पलामू में डेयरी प्लांट स्थापित किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री का आभार जताया।

वहीं, कार्यक्रम में झारखंड राज्य मिल्क फेडरेशन के प्रबंध निदेशक सुधीर कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने बताया कि मेधा डेयरी प्लांट पूरे राज्य एवं विशेष कर पलामू एवं आसपास के जिलों के किसान बंधु और बेरोजगार युवाओं के लिए वरदान साबित होगा। जिले में अपनी डेयरी होने से इस व्यवसाय एवं व्यवसाय से जुड़े किसानों को पहचान मिलेगी। वहीं पलामू एवं आसपास के जिलों में गव्य विकास को एक नई गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि मेधा डेयरी दूध क्रय के अतिरिक्त नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के मार्गदर्शन में गोबर खाद प्रबंधन योजना की शुरूआत की है। वहीं एक त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम का भी सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत इन विट्रो फर्टिलाइजेशन तकनीक द्वारा चुनी हुई गायों में अच्छे नस्ल का भ्रूण प्रत्यारोपण किया जाता है, जिसके फलस्वरुप नस्ल सुधार कार्यक्रम को गति मिल रही है। राज्य के किसान इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। इस मौके पर मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, कृषि सचिव अबू बकर सिद्दीक, पलामू के प्रमंडलीय आयुक्त मनोज जायसवाल, पुलिस महानिरीक्षक राजकुमार लकड़ा, डीसी शशि रंजन, पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन, मेधा डेयरी प्लांट के प्लांट एवं प्रोडक्ट हेड उमाशंकर सिंह, उपनिदेशक जनसंपर्क आनंद आदि कई अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, पशुपालक किसान एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

मुख्यमंत्री की मौजूजदी में योजनाओं का उद्घाटन करते मंत्री रामेश्वर उरांव।

इस सरकार की जिसे जो परीक्षा लेनी है ले ले हेमंत न झुकेंगें ना रुकेंगें : बादल

राज्य के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के मंत्री बादल पत्रलेख ने मेधा डेरी प्लांट के उद्घाटन को पलामू प्रमंडल के लिए ऐतिहासिक बताया। कहा कि सरकार ने दूध उत्पादन के लिए जो सपना देखा था, वह पूरा हो रहा है। राज्य में ढाई लाख लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। इसे बढ़ाकर पांच लाख लीटर किए जाने की योजना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पशुधन योजना के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। कहा कि कृषि पर प्रकृति की मार पड़ रही है। ऐसे में सरकार ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत डेयरी प्लांट की स्थापना की है। उन्होंने सरकार द्वारा पशुपालकों को प्राप्त होने वाले अनुदान के संबंध में जानकारी दी। कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड की सरकार बेहतर कार्य कर रही है। पूर्व में किसी सरकार ने इस तरह का कार्य नहीं किया, जिससे जीविकोपार्जन का साधन बढ़ सके। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन पर अनैतिक दबाव बनाया जा रहा है, लेकिन सभी परीक्षा में मुख्यमंत्री खरे उतरेंगे। यह सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि जिसको जो परीक्षा लेना है ले ले हेमंत ना झुकेंगें न रुकेंगें।

आजादी के 75 साल बाद भी चेचरिया गांव जाने के लिए नहीं है पक्की सड़क

गड्ढों और किचड़ों के बीच ढूंढना पड़ता है कच्चा रास्ता, बरसात में पैदल चलना भी हुआ दुभर - ग्रामीणों ने कहा रोड नहीं तो वोट नहीं, करेंगे मतदान का वहिष्कार

कौशल किशोर

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। देश आजादी का 75वां अमृत महोत्सव मना रहा है। विकास के नए-नए आयाम गढ़े जा रहे है। चांद पर भी तिरंगा फहराया जा चुका है। पर पलामू जिला अंतर्गत विश्रामपुर और नावा बाजार प्रखंड के सीमा पर अवस्थित चेचरिया गांव एक पक्की सड़क के लिए तरस रहा है। यह गांव आज भी मुख्य मार्ग से नहीं जुड़ पाया है। इस गांव में जाने का एक मात्र कच्चा सड़क है। जो बरसात के दिनों में कीचड़ में तब्दील हो चुका है। पिछले पांच दिनों से वारिश हो रही है। जिसके बाद ग्रामीणों का पैदल चलना भी दुभर हो चुका है। ग्रामीणों ने इस संबंध में पलामू डीसी को हस्ताक्षरयुक्त एक आवेदन देकर चेचारिया गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने की मांग की है। बतातें चलें कि एनएच 75 किनारे स्थित ब्रहमोरिया मोड़ से चेचरिया गांव जाने का एक कच्चा रास्ता है। अगर इस रास्ते का पक्कीकरण करा दिया जाए तो चेचरिया गांव मुख्य मार्ग से जुड़ जायेगा। पक्की सड़क बन जाने से विश्रामपुर, नावा बाजार और पांडू प्रखंड आपस में जुड़ जायेगा। जिससे दर्जनों गांव की दूरी भी प्रखंड या जिला मुख्यालय से कम हो जायेगी। एक हजार की आबादी सीधे मुख्य मार्ग से जुड़ जायेगी।

रोड नहीं तो वोट नहीं : ग्रामीण

चेचरिया गांव के ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि अगर चुनाव से पहले सड़क नहीं बना तो मतदान का वहिष्कार किया जायेगा। ग्रामीण कीचड़ से सने सड़क पर खड़े होकर रोड नहीं तो वोट नहीं का नारा लगा रहे थे। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत प्रतिनिधियों ने चंदा इकठ्ठा कर बरसात से पहले सड़क को चलने लायक बनवाया था। लेकिन बरसात के पानी में मिट्टी बह गया। जगह-जगह फिर से गड्ढा हो गया। बची हुई मिट्टी के कारण सड़क कीचड़ में तब्दील हो चुकी है। जिससे आवागमन प्रभावित हुआ।

क्या कहते हैं ग्रामीण

चेचरिया गांव निवासी संजय बैठा ने कहा कि मेरा गांव विकास के पहले पैमाने पर ही कमजोर है। ग्रामीण रामाकांत तिवारी ने कहा कि पहले यह क्षेत्र नक्सलियों का गढ़ हुआ करता था। जिसका मुख्य कारण सड़क का नहीं होना ही था। मनोज दूबे ने कहा कि आए दिन विधायक और सांसद क्षेत्र में विभिन्न सड़कों का शिलान्यास और उद्घाटन कर रहे हैं। लेकिन इस गांव को मुख्य पथ से जोड़ने पर किसी का ध्यान आकृष्ट नहीं हो रहा है। इस मौके पर सुनीता देवी, संगीता देवी, कुसमी देवी, बिनी देवी, आशा देवी आदि ने भी विरोध जताया।

स्पोर्ट्स

भारत ने एशियाइ खलों में ऑल टाइम बेस्ट परफॉर्मेंश जारी है। चैनिय नीरच चोपड़ा के साथ ही इस दिन भारत की झोली में तीन गोल्ड मेडल आए। सिल्वर समेत इस दिन भारत ने कुल 12 मेडल जीते हैं।

एशियाड के 11वें दिन भारत को तीन गोल्ड: मेंस 400 मीटर रिले टीम भी नंबर-1

जेवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने गोल्ड, किशोर ने जीता सिल्वर

एजेंसी

हांगझोउ। चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद भारतीय टीम मेंस 4 गुणा 400 मीटर रिले रेस में अव्वल रही। इस इवेंट की खास बात यह रही कि सिल्वर मेडल भी भारत की झोली में आया। भारत के किशोर कुमार दूसरे नंबर पर रहे। इससे पहले, आर्चरी मिक्स्ड टीम ने दिन का पहला गोल्ड दिलाया। तीसरा गोल्ड 4गुणा400 रिले मेंस में भारत को मिला। जेवलिन थ्रो इवेंट में डिफेंडिंग चैंपियन नीरज चोपड़ा ने अपने सीजन बेस्ट थ्रो के साथ अपने खिताब का बचाव किया। उन्होंने 88.88 मीटर का डिस्टेंस कवर किया। इस इवेंट में सिल्वर भी भारतीय खिलाड़ी के नाम रहा। किशोर कुमार जेना

87.54 मीटर के स्कोर के साथ दूसरे नंबर पर रहे। नीरज और किशोर ने चौथे प्रयास में बेस्ट स्कोर किया। किशोर ने ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई किया। बुधवार को भारत ने तीन गोल्ड के अलावा पांच सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज समेत कुल 12 मेडल जीते हैं। इन मेडल के साथ भारत के कुल मेडल 81 हो गए हैं। इनमें 18 गोल्ड, 31 सिल्वर और 32 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

आर्चरी-मिक्स्ड कंपाउंड इवेंट: दिन का पहला गोल्ड

भारत ने आर्चरी मिक्स्ड टीम कंपाउंड इवेंट में गोल्ड हासिल किया। गोल्ड मेडल मैच में ओजस प्रवीण और ज्योति सुरेखा की भारतीय जोड़ी ने कोरिया की जोड़ी को 159-158 के स्कोर से हराया। वहीं, चाइनीज ताइपे ने ब्रॉन्ज जीता। वहीं, जेवलिन थ्रो इवेंट के तुरंत बाद भारतीय टीम मेंस 4*400 मीटर रिले रेस में पहले स्थान पर रही। भारतीय धावकों ने 3 मिनट 01.58 सेकेंड का समय निकाला और नेशनल रिकॉर्ड बनाया। चार धावकों की इस मिली-जुली रेस में भारत की ओर से मोहम्मद अनस, अमोज जम्बो, मोहम्मद अजमल और राजेश रमेश ने दौड़ लगाई। कतर (3 मिनट 02.05 सेकेंड) दूसरे और श्रीलंकाई टीम (3 मिनट 02.55 सेकेंड) तीसरे स्थान पर रही।

भारत का एशियाड में ऑलटाइम बेस्ट परफॉर्मेंस

इन मेडल के सहारे भारत ने एशियन गेम्स में अपने ऑलटाइम बेस्ट परफॉर्मेंस को पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले, भारत ने पिछले एशियाड में 70 मेडल जीते थे। इनमें 16 गोल्ड, 23 सिल्वर और 31 ब्रॉन्ज शामिल रहे। भारत 1951 में पहली बार हुए एशियाड से ही गेम्स का हिस्सा रहा है। तब नई दिल्ली ने ही मेजबानी की थी। भारत ने सभी 18 एशियाड में हिस्सा लिया

जिला स्तरीय तीन दिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट संपन्न, विजेता खिलाड़ी पुरस्कृत

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में स्थानीय हेल्थ क्लब में आयोजित जिला स्तरीय तीन दिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का समापन बुधवार को हुआ। इस प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में 45 प्लस, 35 प्लस, अंडर 19 सिंगल व डबल्स, अंडर 15 सिंगल व डबल्स और महिला वर्ग में 35 प्लस, अंडर 19 सिंगल व डबल्स, अंडर 15 सिंगल व डबल्स, मिक्स डबल ओपेन तथा ओपेन डबल के लिए अलग-अलग टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 60 मैच हुए जिसमें 35 खिलाड़ियों ने भाग लिया। संचालन झारखंड बैडमिंटन संघ के रेफरी वसीम अकरम ने किया। प्रतियोगिता के समापन पर विभिन्न वर्गों के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

सनसनी : वारदात को अंजाम देकर कुएं में छिपी, पुलिस ने लिया हिरासत में

महिला ने की पति की हत्या

पारिवारिक कलह में रात में कुल्हाड़ी से वार कर दिया घटना को अंजाम, अपराध स्वीकारा

आजाद सिपाही संवाददाता

आरोपित महिला सरस्वती देवी। मृतक अजित हांसदा की फाइल फोटो।

धनबाद। सदर थाना क्षेत्र के तेलीपाड़ा स्थित दामोदरपुर में पारिवारिक कलह के चलते एक महिला ने अपने ही पति की हत्या कर दी। बुधवार की सुबह आदिवासी युवक का शव उसके आवास से ही खून से लथपथ अवस्था में बरामद हुआ। उसकी पहचान अजित हांसदा के रूप में हुई है। इसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मामला दर्ज कर जांच में जुट गई। जानकारी के मुताबिक दामोदरपुर निवासी अजित हांसदा अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रह रहा था। मंगलवार की रात अपने घर में सभी के साथ सोया था। इसी बीच देर रात अजित व उसकी पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गयी कि पत्नी ने बगल में रखी टांगी से हमलाकर पति अजित की हत्या कर दी। इसके बाद मौके से फरार हो गयी। उधर, सुबह में जब मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की तो पता चाला कि हत्या की आरोपी पत्नी पास के ही एक कुएं में छिपी हुई है। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कुएं में छिपी आरोपित पत्नी को बाहर निकाला और हिरासत में लेकर अपने साथ ले गयी।

बच्चों ने खोला राज

मृतक के परिजनों की मानें तो पांच वर्ष पहले बेटे की शादी निरसा के दलदली की रहने वाली सरस्वती देवी से हुई थी। बेटा पेशे से राज मिस्त्री का काम करता था। परिजन बगल के ही आवास में रहते थे। अजित के दो बच्चे हैं। बुधवार की सुबह पता चला कि बेटे की हत्या हो गयी है। वहीं, मृतक अजित के चार साल के पुत्र आर्या ने बताया कि रात में खाना खाने के बाद वे लोग सोने चले गए। तभी देखा कि मां और पिता जी में लड़ाई हो रही है। मां ने उन लोगों को जगा देखा तो डांट कर सुला दिया। इसके बाद घर के दरवाजे की कई बार खुलने और बंद होने की आवाज आ रही थीं। सुबह जब नींद खुली तो देखा कि घर में मां नहीं है। पिताजी एक चादर ओढ़े सो रहे हैं। पिता के गुस्सा होने के डर से उन्हें नहीं जगाया। बाद में जब देर तक पिता नहीं उठे और मां भी नहीं आयी तो दादाजी को बुलाया।

त्रिकोणीय प्रेम की आशंका

लोगों को आशंका है कि घटना देर रात की है। जिस समय घटना घटित हुई वहां कोई तीसरा व्यक्ति भी मौजूद था। जिसके साथ मिलकर आरोपित सरस्वती ने अजित की हत्या की है। यह अकेले का काम नहीं हो सकता है। बताया जा रहा है कि मृतक का मुंह बंधा हुआ था। सिर पर गहरे जख्म के निशान भी मिले हैं। वहीं सरस्वती को जब पुलिस ने कुंए से बाहर निकाला तो उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। बताया कि पति उसके साथ नहीं रहना चाहता था। वह जो भी कमाता था मुझे नहीं देता था। कहता था कि खुद कमाओ, खुद खाओ। इसी बात को लेकर रात में दोनों के बीच झगड़ा हुआ और घर में रखी टांगी से उसने अजित पर वार कर दिया।

लगातार बारिश से दो मंजीला जर्जर मकान का हिस्सा ढहा, वाहन क्षतिग्रस्त

धनसार (आजाद सिपाही)। झरिया चार नंबर टैक्सी स्टैंड में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। हालांकि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। जानकारी के मुताबिक लगातार बारिश की वजह से भाजपा के वरिष्ठ नेता राजकुमार अग्रवाल के दो मंजिले जर्जर बिल्डिंग का अगला हिस्सा गिर गया। जिसकी चपेट में आकर उनका उनका वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। उधर, अचानक इस घटना से पूरे झरिया बाजार में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मकान बहुत ही जर्जर हो चुका था। स्थानीय लोगों के अनुसार हादसा तड़के सुबह तीन से चार बजे की बीच हुआ। झरिया में इस तरह के और भी कई जर्जर मकान हैं जिनपर समय रहते ध्यान नही दिया गया तो भविष्य में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

जिला पशुपालन कार्यालय, कोडरमा

समाहरणालय भवन, कोडरमा email:- ahdkoderma@gmail.com

–: Pet Shops एवं Dog Breeding Center पंजीकरण हेतु आवश्यक सूचना:-

जिला– कोडरमा अन्तर्गत वैसे सभी Pet Shops एवं Dog Breeding Centre जो राज्य जीव–जन्तु कल्याण बोर्ड, झारखण्ड, राँची से बिना निबंधन कराये अपनी संस्था का संचालन कर रहें है या वैसे संस्थान जो पूर्व में निबंधित थे एवं वर्तमान में बिना Renewal के ही संस्था का संचालन कर रहे हैं वैसे सभी Pet Shops एवं Dog Breeding Centre को सूचित किया जाता है कि एक माह के अन्दर अपनी संस्था का पंजीकरण/नवीनीकरण हेतु अपना आवेदन जीव–जन्तु कल्याण बोर्ड झारखण्ड हेसांग, राँची से कराना सुनिश्चित करेंगे, अन्यथा नियमानुसार उन पर आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी,
कोडरमा।

PR.NO.308252 Animal Husbandry(23-24):D

लंबित कांडों की त्वरित पड़ताल कर निष्पादन करें: बोकारो एसपी

तेनुघाट (आजाद सिपाही)। बोकारो के पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक ने बुधवार को बेरमो के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के कार्यालय में सभी पुलिस निरीक्षक और थाना प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान अनुमंडल के सभी पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी और कांड के अनुसंधानकर्ताओं के साथ चार वर्षों से अधिक लंबित कांडों की समीक्षा की। उन्होंने कांडो के त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बताया कि लंबित मामलों को त्वरित पड़ताल कर न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित करें। सभी को बताया कि आने वाले समय में पूजा का महीना शुरू होने वाला है। सभी पुलिस पदाधिकारी अपने-अपने इलाके में गस्ती बढ़ा दें। पुलिस-पदाधिकारी जनता के बीच जाए। इस मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह, गोमिया पुलिस निरीक्षक महेश प्रसाद सिंह आदि मौजूद थे।

माइंस रेस्क्यू कर्मी के घर से लाखों की चोरी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनसार। बस्ताकोला माइंस रेस्क्यू स्टेशन परिसर में चोरों ने सीनियर ओवरसीयर किशनदेव यादव के आवास से मंगलवार की रात कथित रूप से करीब पांच लाख के जेवरात सहित 15 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। गृहस्वामी किशन देव यादव ने इसकी सूचना झरिया पुलिस को दी। वहीं, पुलिस भी जांच में जुट गई है।

इस बाबत किशन देव ने बताया कि मंगलवार को वह अपने परिवार समेत भतीजी के घर पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर गए थे। देर रात एक बजे जब वापस अपने घर पहुंचे तो पीछे का दरवाजा खुला पाया। वे लोग भी जब पीछे के दरवाजे से घर में प्रवेश किये तो कमरे में रखी तीन अलमीरा टूटा पाया। उसमें रखे करीब पांच लाख रुपये के आभूषण और 15 हजार रुपये नकद चोरी हो गए थे। जबकि घर में रखे कैमरा, लैपटॉप, कपड़े आदि सुरक्षित पड़े थे। चोर सिर्फ गहने एवं नगदी ही साथ ले गये। उधर, पुलिस ने संदेह के आधार पर घर में काम करने वाली नौकरानी को थाने बुलाकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं घटना के बाद से कॉलोनी में रहने वाले अन्य परिवार दहशत में है। लोगों का कहना है कि इन दिनों माइंस रेस्क्यू मैदान में आसामाजिक तत्वों एवं शराबियों का जमघट लगा रहता है। शाम होते ही कॉलोनी के लोग अपने घरों में चले जाते हैं। लोगों ने पुलिस से ऐसे लोगों पर अंकुश लगाने की अपील की है।

गोमिया विधायक ने किया विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास

कथारा (आजाद सिपाही)। गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने बुधवार को बांध पंचायत में विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। बांध बस्ती मुख्य मार्ग से बोकारो नदी तक पीसीसी पथ, गार्डवाल निर्माण एवं बांध उत्क्रमित मध्य विद्यालय के पीछे खेल मैदान कार्य का शिलान्यास किया गया। जिसे डीएमटी मद से पूरा किया जाएगा। विधायक ने कहा कि बांध बस्ती से बोकारो नदी जाने-आने में कच्ची रास्ता रहने के कारण ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। पीसीसी पथ बन जाने के बाद से ग्रामीणों को दिक्कतों से निजात मिल जाएगी। वहीं बांध उत्क्रमित मध्य विद्यालय के पीछे खेल मैदान बन जाने से ग्रामीण युवकों, युवतियों को अन्यत्र मैदान में नहीं जाना पड़ेगा। इस मौके पर मुखिया मुरली देवी, संतोष कुमार आस, पंसस चंद्रदेव यादव, कांति सिंह, बबलू यादव, झुपरी देवी आदि मौजूद थे।

कार्यालय-कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण, आत्मा, कोडरमा।

किसान भाईयों के लिए आवश्यक सूचना।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (वर्ष 2023–24) योजनान्तर्गत कोडरमा जिला में दलहन, तिलहन एवं न्यूट्री सिरियल फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने हेतु विभिन्न प्रकार की सुविधाएं किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है। इस कम में वर्ष 2023–24 में कोडरमा जिलान्तर्गत इच्छुक किसानों को अनुदानित दर पर विभिन्न उपकरण उपलब्ध कराया जाएगा।

इच्छुक कृषकों से अनुदानित दर पर नीचे वर्णित निम्न कृषि यंत्र हेतु आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

क्र0 सं0	उपादान/कृषि यंत्र का नाम	अनुदान की राशि (रू0 प्रति यूनिट)	उपलब्धता (यूनिट) में
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन)			
1	मेनुअल स्प्रेयर	600 रू0 प्रति यूनिट या 40 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (अन्य के लिए)	175
2	मेनुअल स्प्रेयर	750 रू0 प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (SC/ST /small and marginal, Women farmers के लिए)	115
3	पावर नेपसेक स्प्रेयर (8–12 लिटर)	2500 रू0 प्रति यूनिट या 40 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (अन्य के लिए)	45
4	पावर नेपसेक स्प्रेयर (8–12 लिटर)	3100 रू0 प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (SC/ST/ small and marginal, Women farmers के लिए)	35
5	रोटावेटर (Tractor driven above 35BHP) 5feet	34000 रू0 प्रति यूनिट या 40 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (अन्य के लिए)	05
6	रोटावेटर (Tractor driven above 35BHP) 5feet	42000 रू0 प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (SC/ST/ small and marginal/ Women farmers के लिए)	03
7	मल्टी कॉप थ्रेसर (Tractor driven above 35BHP up to 4 tone/ hr capacity)	80000 रू0 प्रति यूनिट या 40 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (अन्य के लिए)	01
8	मल्टी कॉप थ्रेसर (Tractor driven above 35BHP up to 4 tone/ hr capacity)	100000 रू0 प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (SC/ST/ small and marginal/ Women farmers के लिए)	01
9	पंपसेट	10000 रू0 प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा।	35
10	स्प्रींकलर सेट	19542 से 21901 रू0 प्रति हे0 (PMKSY मार्गदर्शिका के अनुसार)	02
11	सिंचाई पाईप	कुल कीमत का 50 प्रतिशत या 50 रू0 प्रति मीटर HDPE/35 रू0 प्रति मीटर PVC/ 20 रू0 प्रति मीटर HDPE Laminated जो दोनो में से कम होगा अधिक से अधिक 15000 रू0 तक का अनुदान राशि प्रति किसान अथवा कृषक समूह देय होगा।	410 मी0
12	मोबाइल रेनगन	28681 से 34513 रू0 प्रति हे0 (PMKSY मार्गदर्शिका के अनुसार)	01
13	थ्रेसिंग फ्लोर (30'X30' साईज)	57500 रू प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा।	09
14	रिज फॉरो प्लांटर (20BHP Tractor driven)	24000 रू0 प्रति यूनिट या 40 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (अन्य के लिए)	01
15	सीड स्टोरेज बीन	1000/क्विं0 या 50% जो दोनो में से कम होगा।	15
16	चिजेल प्लाऊ (20BHP Tractor driven)	40 प्रतिशत और 8000 रू0 अन्य के लिए	01
17	मिनी दाल मिल	95000 रू प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा।	02
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (तेलहन)			
1	मेनुअल स्प्रेयर/नेपसेक स्प्रेयर/फूट आपॅरेटेड स्प्रेयर	750 रू0 प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (SC/ST/small and marginal farmers के लिए)	25
2	मेनुअल स्प्रेयर/नेपसेक स्प्रेयर/फूट आपॅरेटेड स्प्रेयर	600 रू0 प्रति यूनिट या 40 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (अन्य के लिए)	30
3	पावर आपॅरेटेड स्प्रेयर (12-16 ltr)	3800 रू0 प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (SC/ST/small and marginal farmers के लिए)	15
4	पावर आपॅरेटेड स्प्रेयर (12-16 ltr)	3000 रू0 प्रति यूनिट या 40 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (अन्य के लिए)	20
5	मेनुअल ऑपरेटेड कल्टीवेटर	10000 रू0 प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा (SC/ST/small and marginal farmers के लिए)	06
6	कल्टीवेटर	8000 रू0 प्रति यूनिट या 40 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (अन्य के लिए)	07
7	बीजोपचार ड्रम	10000 रू0 प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा (SC/ST/small and marginal farmers के लिए)	06
8	बीजोपचार ड्रम	8000 रू0 प्रति यूनिट या 40 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (अन्य के लिए)	08
9	ट्रैक्टर चालित यंत्र रोटावेटर(above 35 BHP-5 feet)	42000 रू0 प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (SC/ST/Women/ small and marginal farmers के लिए)	06
10	रोटावेटर(above 35 BHP-5 feet)	34000 रू0 प्रति यूनिट या 40 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (अन्य के लिए)	08
11	पंपसेट	10000 रू0 प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा।	40
12	स्प्रींकलर सेट	19542 से 21901 रू0 प्रति हे0 (PMKSY मार्गदर्शिका के अनुसार)	03
13	सिंचाई पाईप	कुल कीमत का 50 प्रतिशत या 50 रू0 प्रति मीटर HDPE/35 रू0 प्रति मीटर PVC/ 20 रू0 प्रति मीटर HDPE Laminated जो दोनो में से कम होगा अधिक से अधिक 15000 रू0 तक का अनुदान राशि प्रति किसान अथवा कृषक समूह देय होगा।	620 मी0
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (न्यूट्री सिरियल)			
1	मेनुअल स्प्रेयर	500 रू0 प्रति यूनिट या 40 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (अन्य के लिए)	01
2	मेनुअल स्प्रेयर	600 रू0 प्रति यूनिट या 50 प्रतिशत जो दोनो में से कम होगा। (SC/ST/small and marginal farmers के लिए)	02
3	स्प्रींकलर सेट	19542 से 21901 रू0 प्रति हे0 (PMKSY मार्गदर्शिका के अनुसार)	01

आवेदन पत्र के साथ निम्न कागजात संलग्न करना अनिवार्य होगा।

- आवेदक का आधार कार्ड का छायाप्रति।
- जमीन का अद्यतन रसीद की छायाप्रति।
- आवेदक का दो पासपोर्ट साईज फोटो।
- अंचल अधिकारी से सत्यापित जमीन के विवरणी की छायाप्रति।
- पासबुक का प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति।

नोटः–

1. लाभुकों का चयन **"पहले आओ पहले पाओ"** के आधार पर किया जायेगा।
2. पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र प्रकाशन की तिथि से 20.10.2023 तक प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी /प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक/सहायक तकनीकी प्रबंधक/जनसेवक एवं आत्मा कार्यालय कोडरमा में जमा किया जा सकता है।
3. आवेदन पत्र आत्मा कार्यालय से कार्यालय अवधि में अथवा अपने प्रखण्ड के BTM/ATM से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।
4. किसी भी यंत्र का क्रय लाभुकों द्वारा 100 प्रतिशत राशि भुगतान करके ही किया जाएगा तथा प्राप्ति रसीद एवं फोटो जमा करने एवं स्थल निरीक्षण के उपरान्त अनुदान की राशि लाभुक के खाते में हस्तांतरित की जाएगी।
5. पूर्व के पॉच वर्षो में किसी भी यांत्रिकरण योजना के द्वारा लाभ न लिया हो शपथ पत्र देना अनिवार्य होगा।
6. एक परिवार में केवल एक ही सदस्य को यांत्रिकीकरण योजना का लाभ मिलेगा। यदि परिवार में बटवारा हो गया हो तो उसको मुखिया से सत्यापन करा के प्रतिवेदन जमा करना अनिवार्य है।
7. जमीन की रसीद में आवेदक के हिस्से में कितना जमीन आता है, स्पष्ट रूप से वंशावली के साथ अंचल से सत्यापित जमीन की रसीद आवेदन के साथ जमा करना अनिवार्य होगा।

जिला कृषि पदाधिकारी
–सह–परियोजना निदेशक, आत्मा
कोडरमा।

PR 308265 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department) 23-24 (D)

दहशत : लगातार बारिश से लोयाबाद के अग्निप्रभावित क्षेत्र के लोगों की बढ़ी मुश्किलें

गैस रिसाव, कहीं आग, तो कहीं पड़ रही दरारें

अधिकारियों पर ग्रामीणों ने लगाया लापरवाही का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

बांसजोड़ा में बना गोफ। लगातार बारिश से हालात बिगड़ने के बाद जगह-जगह हो रहा गैस रिसाव।

लोयाबाद। लगातार हो रही बारिश ने लोयाबाद के विभिन्न जगहों का हाल खराब कर दिया है। कहीं गोफ बन गया, कहीं गैस रिसाव, तो कहीं दरारें पड़ गयी है। लोयाबाद सात नंबर में घनी आबादी के बीच गोफ बन गया है। यहां कभी इंक्लाइन हुआ करता था। आसपास के लोगों ने कहा कि गोफ मंगलवार को बना है और उससे लगातार गैस का रिसाव हो रहा है। इससे आसपास रहने वाले लोग डरे हुए है। दूसरी घटना बांसजोड़ा 12 नंबर में देखने को मिली। यहां, बीसीसीएल के माइनिंग सरदार सीता राम प्रजापति के आंगन में तीन दिनों से धुंआ और गैस निकल रहा है। परिवार के लोग दहशत में है। रात जाग कर कट रही है। सीताराम के आंगन व आसपास के घरों के हरेभरे पेड़ गैस व धुंवे से सुख गया है। इधर, बांसजोड़ा 12 नंबर और 6 नंबर के बीच पुरानी आग से धुंवे और जहरीली गैस का रिसाव हो रहा है। यहां रहने वाली तीन हजार की आबादी परेशान है।

बांसजोड़ा की पक्की सड़क पर हो रहा गैस रिसाव

यहां अब सड़क से गैस का रिसाव शुरू हो गया हैं। कभी भी सड़क धंस सकती है। अगर सड़क धंसी तो बांसजोड़ा, निचितपुर, गड़ेरिया, ईस्ट बसरिया, निचितपुर टॉउनशीप और भूली जाने वाले लोगों का संपर्क टूट जाएगा। लोगों को एक नई मुसीबत का सामना करना पड़ेगा। वहीं, सीताराम प्रजापति ने बताया कि तीन दिन से गैस निकल रहा है। रात जाग कर काट रहे है। परिवार के लोग दहशत में है। हम बी टाइप क्वाटर के इंनटाईटल है। क्वाटर व्यवस्था करा दिया जाए हम चले जायेंगे। सीताराम के एक तरफ गोपाल साव तो दूसरी तरफ अनिल महतो पड़ोसी है। जो दहशत में है। वहीं, जमसं के क्षेत्रीय अध्यक्ष विजय यादव ने कहा कि हमलोग सीताराम के घर का जायजा लिये है। यहां रहने वाली सभी लोगों को अविलंब दूसरी जगह बसाया जाएं। प्रबंधन से बात हुई है। सीताराम को अविलंब शिफ्ट करने की मांग की गई है।

क्या बोले ग्रामीण

गड़ेरिया निवासी पवन महतो ने कहा कि आग फैल रहा है। अब सड़क को चपेट ले लिया है। रास्ता बंद हुआ तो सबको परेशानी होगी। प्रबंधन जान बूझकर लापरवाही कर रहा है।

बांसजोड़ा बाजार निवासी राजेश गुप्ता ने कहा कि प्रबंधन की दोहरी नीति है। मुंह मे कुछ और भीतर कुछ काम कर रहा है। जनता को जागना होगा। अब जनता सामने आकर लड़े तभी कुछ होगा।

बांसजोड़ा के सजंय साव ने कहा कि ये ठीक नहीं हो रहा है। आग व गैस के बावजूद सारे अधिकारी का गुजर इसी रास्ते होता है। फिर भी आंख बंद किये हुए है।

बांसजोड़ा 12 नंबर के रहने वाले डॉक्टर रफीक ने कहा कि यहां के हालात प्रतिदिन खराब होते जा रहे हैं। सब कुछ जान बूझकर किया गया है। एक तरफ बांसजोड़ा रेल लाइन पार की आग, तो दूसरी तरफ 6 नंबर 12 नंबर की आग भी नुकसान पहुंचा रही है। अब लोगों को यहां से हटना पड़ेगा। साजिश के तहत यह हालात पैदा किया गया। प्रबंधन सभी को बेहतर पुनर्वास की व्यवस्था करे।

वहीं, **भाजपा नेत्री गीता सिंह** ने कहा कि बांसजोड़ा प्रबंधन गोदुंडीह की घटना जैसी पुर्नावृति के इंतजार में है। इस रास्ते का सैकड़ों लोग इस्तेमाल करते हैं। जनप्रतिनिधि भी चुप है। घटना के बाद सब फोटो खिंचवाने आ जाते है।

सात नंबर गोफ की करायी जायेगी भराठी : परियोजना पदाधिकारी

बांसजोड़ा के परियोजना पदाधिकारी एके झा ने इस बाबत बताया कि सात नंबर गोफ की भराठी कराई जायेगी, सीताराम के लिए दूसरे जगहों पर आवास की व्यवस्था की जा रही है। रहा अग्नि प्रभावित क्षेत्र के गैस व आग की तो, नोटशीट बनकर मुख्यालय गया। पास होते ही इस जगह की ट्रेंच कटिंग कराकर मिट्टी से फिलिंग कराई जाएगी।

न्यूज रील्स

सिक्किम में बादल फटा, 23 जवान समेत 43 लोग लापता

गंगटोक। सिक्किम में बादल फटने के बाद तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने की वजह से पांच लोगों की मौत हो गयी। वहीं, 43 लोग लापता हो गये। इनमें सेना के 23 जवान हैं। मामले में पाक्योंग के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ताशी चोपेल ने सभी जवानों के मौत की आशंका जतायी है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

एयरफोर्स को मिला पहला एलसीए तेजस

बेंगलुरू। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने बुधवार को इंडियन एयर फोर्स को पहला ट्विन सीटर लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस सौंप दिया। यह ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया जायेगा। यह वजन में हल्का और हर मौसम में उड़ान भरने में सक्षम है। भारतीय वायु सेना ने 18 ट्विन सीटर विमान का ऑर्डर दिया है।

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने जापानी भाषा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किया

जापानी भाषा सर्टिफिकेट कोर्स के लिए प्रारंभिक प्रवेश क्षमता 60 छात्रों के लिए निर्धारित की गयी है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए एक महत्वपूर्ण विकास करने के उद्देश्य से 3 अक्टूबर को जापानी भाषा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया है। माननीय कुलपति प्रोफेसर चक्रधर त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पाठ्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। जापानी फाउंडेशन, नयी दिल्ली के निदेशक सातो कोजी, भारत में जापान के राजदूत की प्रतिनिधि हकामाता माहो, दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग के प्रोफेसर नबीन पंडा के साथ-साथ विश्वविद्यालय के संकाय, वरिष्ठ अधिकारी और उत्साही छात्र इस कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रोफेसर त्रिपाठी ने अपने संबोधन में जापान के कृषि, पशुपालन और डेयरी विज्ञान और वन प्रबंधन में तकनीकी प्रगति के महत्व पर जोर दिया और जापान को इस क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में वर्णित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से स्नातक छात्र न केवल जापानी भाषा सीखेंगे, बल्कि विश्वविद्यालय के माध्यम से इस उन्नत तकनीक को भारत में भी लायेंगे। प्रोफेसर त्रिपाठी का दृढ़ विश्वास था कि विश्वविद्यालय की यह पहल कृषि, पशुपालन और डेयरी विज्ञान और वन प्रबंधन में अभ्यास को काफी बढ़ायेगी और क्षेत्र और राष्ट्र के विकास में मदद करेगी। उन्होंने छात्रों को पढ़ाई और अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करके देश के अग्रदूतों में से एक बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हमारे छात्र शिक्षा, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और नोबेल पुरस्कार विजेता बनेंगे। यह पूरे राज्य के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारत सरकार की पूर्व नीति के सहयोग से, जापानी भाषा पाठ्यक्रम की पेशकश करने वाला राज्य का पहला विश्वविद्यालय है। इस अवसर पर नयी दिल्ली में जापानी फाउंडेशन के निदेशक सातो कोजी ने वर्तमान परिदृश य में जापानी भाषा सीखने वाले छात्रों के लिए उज्जवल संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय में जापानी भाषा की शिक्षा शुरू करने के लिए प्रोफेसर त्रिपाठी की नेक पहल की सराहना की, जो क्षेत्र के शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा और भारत और जापान के बीच अधिक आपसी सहयोग को बढ़ावा देने का वादा करेगा। हकामाता माहो ने भोजन, परंपरा और धर्म के संदर्भ में जापान और ओडिशा के बीच सांस्कृतिक समानता पर प्रकाश डाला। उन्होंने जापानी भाषा सीखकर दोनों देशों के लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और प्रौद्योगिकी, शिक्षा, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। नयी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान जापान और भारत के बीच अच्छे संबंधों पर जापान और भारत के प्रधानमंत्रियों के बीच हुई बैठक को याद करते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह विश्वविद्यालय भारत में जापानी शिक्षा का केन्द्र बनेगा। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर नबीन कुमार पांडा ने जापानी भाषा में कुशल छात्रों के लिए भारत के कॉर्पोरेट क्षेत्र, विशेष रूप से जापान में उपलब्ध कई अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जापानी भाषा की प्रवीणता परीक्षा पास करने और जापान में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की संभावना पर जोर दिया। जापानी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स के नाम पर रखा गया वर्तमान पाठ्यक्रम, अगले दो वर्षों के लिए नियोजित डिप्लोमा और उन्नत डिप्लोमा को शामिल करने के लिए श्रृंखला का पहला पाठ्यक्रम है। जापानी भाषा सर्टिफिकेट कोर्स के लिए प्रारंभिक प्रवेश क्षमता 60 छात्रों के लिए निर्धारित की गयी है, जिसमें 9 अक्टूबर, 2023 को आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जायेगा। पाठ्यक्रम को दो वर्गों में विभाजित किया जायेगा, प्रत्येक में 30 छात्र होंगे। अंग्रेजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख डॉ निर्झरिणी त्रिपाठी ने कार्यक्रम को कुशलतापूर्वक समन्वित किया और प्रभारी रजिस्ट्रार प्रोफेसर एन सी पंडा ने धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा कि ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में यह नया शिक्षा कार्यक्रम एक आशाजनक सफलता होगी।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें

www.azadsipahi.in

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जन शिकायतों का समाधान

आवासीय कॉलोनियों में 39.25 करोड़ रुपये से बनेंगी 429 सड़कें

- **मुख्यमंत्री ने इस परियोजना को 3 माह के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है**

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने आज भुवनेश्वर, बालियंता और जटनी ब्लॉक की आवासीय कॉलोनियों के लिए 39 करोड़ 25 लाख रुपये की 429 सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी। गत 23 अगस्त को मुख्यमंत्री के 5टी सचिव वी.के. पांडियन की खुर्दा जिले की यात्रा के दौरान, संबंधित क्षेत्रों के निवासियों ने उनसे मुलाकात की और

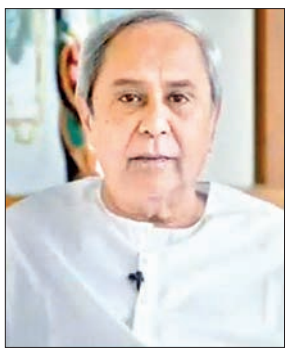

आवासीय कॉलोनियों की सड़कों और बिजली व्यवस्था पर उनका ध्यान आकर्षित किया और इन मुद्दों को हल करने के लिए अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं। 5टी सचिव ने मुख्यमंत्री को इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर एक प्रोफेशनल टीम बनाकर उन सभी इलाकों में जांच के लिए भेजा गया। तकनीकी टीम ने उन क्षेत्रों में 82 किमी से अधिक क्षेत्र को कवर करने वाली 429 सड़कों की पहचान की है और सुधार और विद्युतीकरण के लिए एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट मिलने के बाद 5टी सचिव ने उन क्षेत्रों के सुधार के लिए 27 सितंबर को संबंधित आवासीय कॉलोनियों के निवासियों के साथ चर्चा की। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने इन 429 सड़क परियोजनाओं के निर्माण को मंजूरी दे दी है। स्मार्ट सिटी भुवनेश्वर हाल के वर्षों में तेजी से विकसित हो रहा है और जटनी और बालियंता क्षेत्रों तक फैल गया है। इन क्षेत्रों में कई आवासीय कॉलोनियां बनी हैं। आवासीय कॉलोनियों में आंतरिक सड़कों और विद्युतीकरण की समस्या लंबे समय से चली आ रही मांग थी। गौरतलब है कि 429 सड़क परियोजनाओं में से भुवनेश्वर ब्लॉक में 140 परियोजनाएं, जटनी ब्लॉक में 246 परियोजनाएं और बालियंता ब्लॉक में 43 परियोजनाएं हैं।

इन क्षेत्रों में सड़क निर्माण, उन्नतिकरण और विद्युतीकरण किया जायेगा। इन परियोजनाओं से 3 लाख से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने इस परियोजना को 3 माह के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है।

डेटॉल और एनडीटीवी 'बनेगा स्वस्थ इंडिया' ने अपने 10वें सीजन का शुभारंभ किया

- **भारत में 24 मिलियन से अधिक बच्चों तक अपनी पहुंच बनायी-जिसका एकमात्र उद्देश्य स्वच्छता को प्रत्येक व्यक्ति की जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा बनाना है**

आयुष्मान खुराना को अभियान का एंबेसडर बनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। भारत का सबसे भरोसेमंद न्यू ज नेटवर्क, एनडीटीवी, 'बनेगा स्वस्थ इंडिया' के विजयी 10वें सीजन के साथ शानदार वापसी कर रहा है, यह भारत का सबसे लंबे अर्से तक चलने वाला सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान है। यह महत्व पूर्ण अभियान समस्तत भारत में एक दशक से स्वास्थ्य, लोक कल्याण और एकता को बढ़ावा देने के लिए अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक बना हुआ है। एनडीटीवी ने डेटॉल के साथ मिलकर नौ साल पहले 'बनेगा स्वस्थ इंडिया' की शुरूआत की थी। बीते 9 वर्षों में, इस अभियान ने कई पुरस्काशर और सम्मासन हासिल किए और अपने कार्यक्रमों, नवाचारों, गतिविधियों और टूल्स की एक श्रृंखला के जरिये इसने भारत में 24 मिलियन से अधिक बच्चों तक तक अपनी पहुंच बनाई-जिसका एकमात्र उद्देश्य स्वच्छता को प्रत्येक व्यतक्ति की जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा बनाना है। अपने 10वें वर्ष में, अभियान का फोकस दस का दम की शक्ति के साथ वैश्विक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए वन वर्ल्डह हाइजीन पर है, और यह बनेगा स्वस्थ इंडिया अभियान की ताकत, सीख, अनुभव और उपलब्धियों को दशार्ता है। वन वर्ल्ड हाइजीन का मुख्यं उद्देश्य उन लोगों के प्रति सहानुभूति और एकजुटता को दोहराना है, जिनकी पहुंच स्वच्छता के जरुरी संसाधनों तक नहीं है। यह साधन-संपन्न और वंचितों के बीच के अंतर को कम करने का आह्वान करता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर कोई स्वस्थ जीवन जी सके। 10वें सीजन में दस कदम का भी इंतजार रहेगा यानि कि नयी चुनौतियां, जिनका समाधान ही अभियान का लक्ष्य है। डेटॉल और एनडीटीवी की 'बनेगा स्वस्थ इंडिया' पहल दिनों-दिन मजबूत होती जा रही है और आज लाखों लोग इसकी ओर उम्मीद से देख रहे हैं। यह अभियान एक ऐसा मंच है जिसने इस मुद्दे के समर्थन में सबसे दमदार और असरदार शख्शियतों को आकर्षित किया है, जिनमें उपराष्ट्रपति और मुख्यमंत्री से लेकर ऑस्कर विजेता, मैग्सेसे पुरस्कार विजेता और नोबेल पुरस्कार विजेता, सभी दयालु व्यक्ति शामिल हैं और देश के कुछ सबसे बड़े मुद्दों में शामिल स्वास्थ्य मुद्दे पर कार्रवाई करते हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने जन जागरूकता पर इस पहल के प्रभाव को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है। हर साल 2 अक्टूबर को होने वाला लाइव इवेंट इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे बेहतर हाइजीन और पोषण भारत के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकता है। संपूर्ण भारत में स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने पर फोकस के साथ, 10वें सीजन में द्रौपदी मुर्मू, भारत की महामहिम राष्ट्रपति सहित कई प्रतिष्ठित अतिथि उपस्थित थे, जिनमें एकनाथ शिंदे, मुख्यमंत्री महाराट्र नितिन गडकरी, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार गजेंद्र सिंह शेखावत, ब्रजेश पाठक, उपमुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश सरकार, अशोक गहलोत, और लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी, एलजीबीटी क्यूआईए कार्यकर्ता के नाम प्रमुख थे। इन प्रसिद्ध गणमान्य व्यक्तियों के अलावा, रकुल प्रीत और भूमि पेडनेकर जैसी बॉलीवुड हस्तियों ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में दलेर मेहंदी, नेहा कक्कड़, अदनान सामी और लोकप्रिय नागालैंड रैपर मोको कोजा जैसे करिश्माई कलाकारों ने भी परफार्मेंश दिया।

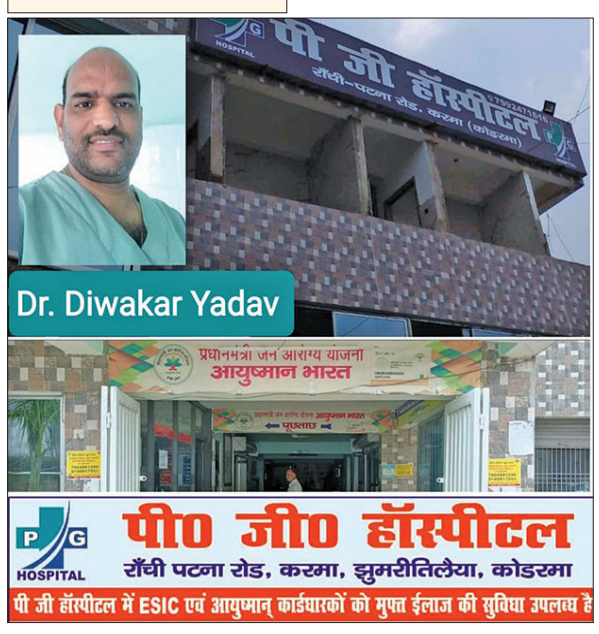

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**